नई दिल्ली। बुधवार, 30 सितम्बर, 2026
आश्विन कृष्ण पक्ष चतुर्थी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 12, अंक : 265/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12



दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari
सिर्फ पत्रकारिता...

@ खेल गुलवीर ने लगाई मेडल की हैट्रिक, 5000 मीटर दौड़ ...
@ विचार एससी/एसटी एक्ट 1989: सामाजिक न्याय ...
@ व्यापार सेंसेक्स 243 अंक फिसला निफ्टी ...

खबर झरोखा

आईपीएल 2027: चेन्नई सुपर किंग्स ने मोहित शर्मा को अहम जिम्मेदारी



नई दिल्ली। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज मोहित शर्मा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सीजन के लिए चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के साथ साथ बतौर बॉलिंग कोच जुड़ने वाले हैं। मोहित ने एक खिलाड़ी के तौर पर इस फ्रेंचाइजी के लिए चार सीजन खेले हैं। उम्मीद है कि 38 वर्षीय मोहित शर्मा, एरिक सिमंस की जगह यह पद संभालेंगे।

क्षतिग्रस्त मकान पर सरकार देगी 1.20 लाख का मुआवजा

जगदलपुर(अर्जुन कुमार झा)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अतिवृष्टि एवं बाढ़ प्रभावित बस्तर संभाग के बस्तर और सुकमा जिलों का दौरा कर हालात का जायजा लिया।इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ और बारिश में पूर्णत: क्षतिग्रस्त प्रत्येक मकान के पुर्ननिर्माण के लिए 1 लाख 20 हजार रुपए का मुआवजा दिया जाएगा। साथ ही मुख्यमंत्री राहत कोष से भी 10-10 रुपए की आर्थिक मदद दी जाएगी। क्षतिग्रस्त फसलों और आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त मकानों का भी मुआवजा दिया जाएगा।

सीआईएसएफ कैंप में जवान ने साथियों पर अंधाधूंध बरसाई गोलियां, 4 की मौत

जवानों के बीच हुई कहासुनी के बाद यह घटना हुई





एजेंसी ■ जम्मू

जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में मंगलवार शाम केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के एक हेड कांस्टेबल ने कथित तौर पर कहासुनी के बाद अपने साथियों पर गोलियां चला दीं। इस घटना में चार सीआईएसएफ जवानों की मौत हो गई। कठुआ पुलिस ने आरोपी जवान को हिरासत में ले लिया है।

अधिकारियों के अनुसार, घटना कठुआ के बसोहली स्थित सेवा-2 जलविद्युत परियोजना इकाई में शाम करीब सात बजे हुई। बताया जा रहा है कि किसी मुद्दे को लेकर सीआईएसएफ जवानों के बीच कहासुनी हुई थी। इसी दौरान 2009 बैच के एक हेड कांस्टेबल ने अपने साथियों पर गोलीबारी कर दी। गोलीबारी में चार सीआईएसएफ जवानों की जान चली गई। घटना के बाद आरोपी हेड कांस्टेबल को पुलिस के हवाले कर दिया गया। कठुआ की एसएसपी मोहिता शर्मा ने घटना में चार जवानों की मौत की पुष्टि की है।

घटना के बाद सीआईएसएफ ने भी मामले की आंतरिक जांच शुरू करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस आरोपी जवान से पूछताछ कर रही है और गोलीबारी के पीछे की परिस्थितियों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, जवानों के बीच हुई कहासुनी के बाद यह घटना हुई, हालांकि विवाद की पूरी वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है। जम्मू-कश्मीर में इससे पहले भी सुरक्षा और पुलिसकर्मियों से जुड़ी कुछ घटनाएं सामने आ चुकी हैं। 23 सितंबर को अधिकारियों ने बताया था कि रामबन जिले में जिला पुलिस लाइंस में तैनात दो पुलिसकर्मी एक कार के अंदर संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाए गए थे।

अधिकारियों के मुताबिक, हेड कांस्टेबल फरीद अहमद और सिलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल (एसजीसीटी) मोहम्मद याकूब मंगलवार देर शाम बटोटे के सना इलाके में जियारत मोड़ के पास खड़ी एक कार में बेहोशी की हालत में मिले थे। स्थानीय लोगों ने दोनों को जिला अस्पताल, रामबन पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने उस समय दोनों की मौत के कारण और परिस्थितियों को स्पष्ट नहीं बताया था। मामले की जांच शुरू कर दी गई थी, ताकि यह पता लगाया जा सके कि दोनों पुलिसकर्मियों की मौत किन परिस्थितियों में हुई।

इसी दौरान कठुआ जिले में भाजपा नेता और विधायक विजय कुमार के 17 वर्षीय बेटे के लापता होने का मामला भी सामने आया था। पुलिस ने किशोर की तलाश के लिए अभियान शुरू किया था। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, 11वीं कक्षा का छात्र आदित्य कुमार मंगलवार शाम करीब 4.15 बजे अपने गृह क्षेत्र हीरानगर से जम्मू जाने वाली बस में सवार हुआ था।

एशियान गेम्स: भारत की बेटियों ने लहराया तिरंगा



एजेंसी ■ नागोया

विथ्या रामराज ने 'एशियन गेम्स 2026' में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए मंगलवार को महिलाओं की 4×400 मीटर रिले में भारत को गोल्ड जिताने में अहम भूमिका निभाई। किरण पहल, एमआर पूवम्मा, प्राची और विथ्या की भारतीय जोड़ी ने (3:29.69 सेकंड) के समय के साथ पहला स्थान हासिल किया।

बहरीन 3:30.21 के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहा, जो भारत से सिर्फ 0.52 सेकंड पीछे था, जबकि चीन 3:31.02 के समय के साथ पोडियम पर तीसरे स्थान पर रहा। जापान 3:31.44 के समय के साथ चौथे स्थान पर रहा, और उसके बाद वियतनाम, कजाकिस्तान, श्रीलंका और चीनी ताइपे रहे।

भारत ने लेन छह से रिले की शुरुआत की और किरण को शुरुआती लेग की जिम्मेदारी सौंपी गई। स्प्रिंटर किरण ने तीसरे स्थान पर बैटन को पास किया, जिससे पूवम्मा पर अंतर को कम करने की जिम्मेदारी आ गई। अनुभवी पूवम्मा ने दूसरे लेग में शानदार प्रदर्शन किया और भारत को आगे की दौड़ में शामिल किया। इसके बाद उन्होंने प्राची को बैटन सौंपा, जो पहले ही 400 मीटर में व्यक्तिगत ब्रॉन्ज मेडल जीत चुकी थीं।

प्राची ने भारत को मेडल की दौड़ में मजबूती से बनाए रखते हुए यह सुनिश्चित किया कि विथ्या को एंकर लेग के लिए अच्छी स्थिति में बैटन मिले। इसके बाद आखिरी लैप विथ्या के नाम रहा। विथ्या ने जल्द ही अपनी लय पकड़ ली और आगे चल रही धावकों से अंतर कम करना शुरू कर दिया।

200 मीटर के निशान के आसपास विथ्या ने अपनी गति तेज की। हालांकि, बहरीन की साल्वा ईद नासर ने पूरी ताकत से पीछा किया और धीरे-धीरे अंतर को कम किया, लेकिन विथ्या ने फाइनल लेग की शुरुआत में ही इतनी बढ़त बना ली थी कि वे इस चुनौती का सामना कर सकें। विथ्या ने दौड़ के आखिरी हिस्से में अपना संयम बनाए रखा और सबसे पहले फिनिश लाइन पार की। यह एशियन गेम्स 2026 में विथ्या का तीसरा मेडल था। इससे पहले वे अपने अन्य इवेंट्स में सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल जीत चुकी थीं। ठीक एक दिन पहले, उन्होंने महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ में दशकों पुराना नेशनल रिकॉर्ड तोड़ा था।

मूसलाधार बारिश से 50 साल का रिकॉर्ड टूटा

833 लोगों का रेस्क्यू, 65 शिविरों में 8,894 लोग

जगदलपुर ■ अर्जुन कुमार झा

बस्तर में चक्रवाती तूफान 'अर्नब' के असर से हुई मूसलाधार बारिश के कारण इंद्रावती नदी का जलस्तर 50 साल में सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया। नदी का पानी 12.39 मीटर तक पहुंच गया, जो 9 जुलाई 1973 को दर्ज 12.18 मीटर के पुराने रिकॉर्ड से 21 सेंटीमीटर ज्यादा है।



केंद्रीय जल आयोग की एडवाइजरी के बाद प्रशासन ने फिर अलर्ट जारी किया है। अपस्ट्रीम से पानी की आवक और जलाशयों से छोड़े जा रहे पानी के कारण आज (29 सितंबर) जगदलपुर में इंद्रावती का जलस्तर 60 सेंटीमीटर से एक मीटर तक और बढ़ सकता है। इंद्रावती नदी का खतरे का स्तर 8.3 मीटर है।

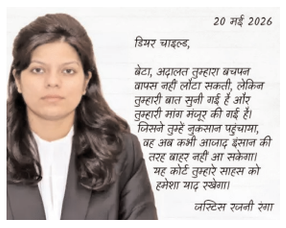
इसके मुकाबले नदी का जलस्तर 12.39 मीटर तक पहुंचने से तटीय और निचले इलाकों में बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गई थी। बोड़ना और भेजापदर जैसे गांव पानी से घिर गए और सड़क संपर्क टूट गया। जगदलपुर शहर के कई निचले हिस्सों में भी पानी घुस गया। इसके बाद लोगों को सुरक्षित स्थानों और राहत शिविरों में पहुंचाया गया।

केंद्रीय जल आयोग, हैदराबाद की एडवाइजरी के मुताबिक ओडिशा के नवरंगपुर क्षेत्र में इंद्रावती नदी के ऊपरी हिस्से में जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। इसका असर जगदलपुर तक पहुंचने की संभावना है। आयोग के अनुसार आज (29 सितंबर) जगदलपुर स्टेशन पर नदी का जलस्तर 60 सेंटीमीटर से एक मीटर तक बढ़ सकता है। पानी तेजी से बढ़ने की भी आशंका जताई गई है। इसी इनपुट के बाद कलेक्टर आकाश छिकारा ने इंद्रावती नदी के तटीय और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों से राहत शिविरों या सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट होने की अपील की है।

रेप पीड़िता को जज का पत्र, बेटी अब वो सलाखों के पीछे मरेगा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

अदालतों के फैसले अक्सर कानून की भाषा में होते हैं, लेकिन कभी-कभी उनमें इंसानियत की आवाज भी सुनाई देती है। दिल्ली हाईकोर्ट ने सात साल की यौन शोषण पीड़िता बच्ची के मामले में सत्र अदालत के उस संदेश की सराहना की है, जिसमें न्यायाधीश ने बच्ची को घटना की पीड़ा से आगे बढ़कर अपनी जिंदगी जीने का हौसला दिया था। सत्र अदालत के न्यायाधीश ने फैसले के अंत में बच्ची से कहा था, 'बेटी हम तुम्हारा बचपन तो नहीं लौटा सकते, लेकिन जिसने तुम्हें चोट पहुंचाई, अब वो सलाखों के पीछे मरेगा। कभी जेल से बाहर नहीं आ पाएगा। अदालत यह भरोसा दिला सकती है कि उसकी बात सुनी गई और उसकी गुहार स्वीकार की गई। न्यायाधीश ने उसे स्कूल जाने, दोस्त बनाने, हंसने-खेलने और अपने सपने पूरे करने के लिए प्रोत्साहित किया था। साथ ही



कहा था कि अदालत उसके साहस को हमेशा याद रखेगी?

दोषी अपनी सजा के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंचा। उसकी याचिका की सुनवाई के बाद 22 सितंबर को दिल्ली हाईकोर्ट ने उसकी सजा बरकरार रखी। साथ ही हाईकोर्ट ने सत्र अदालत के इस संदेश को महत्वपूर्ण मानते हुए निचली अदालत के जज के संदेश को 'नोट ऑफ करेज' कहा। साथ ही दिल्ली विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) को निर्देश दिया कि फैसले में बच्ची के नाम लिखा गया संदेश प्रिंट कराकर उसे और उसके परिवार को सौंपा जाए।

हार की समीक्षा करने के बजाय चुनाव आयोग पर हमला कर रही कांग्रेस: स्मृति ईरानी

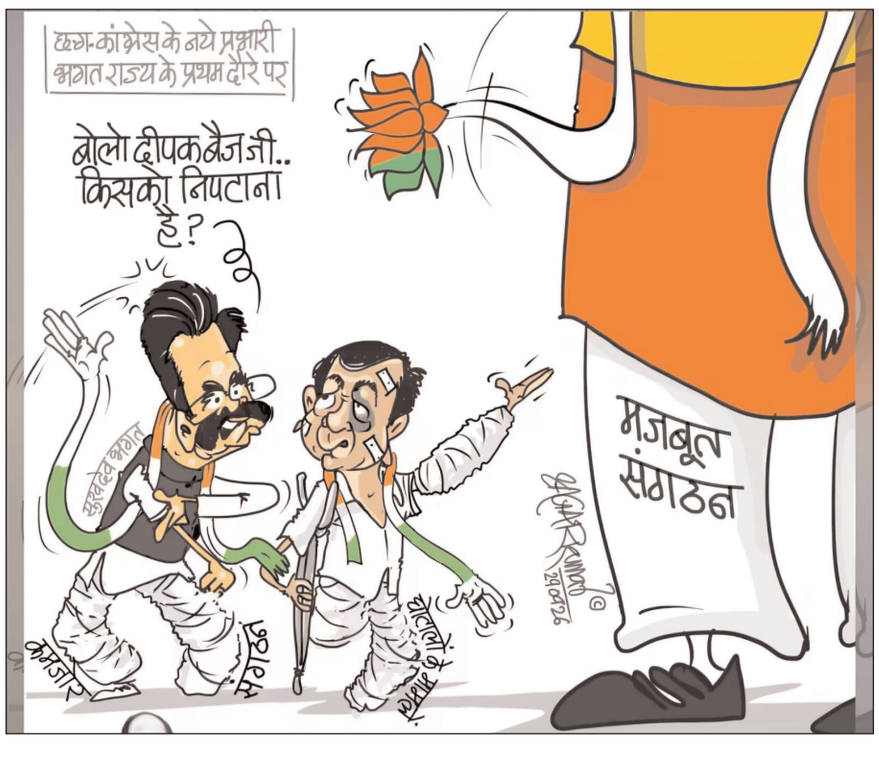


एजेंसी ■ नई दिल्ली

भाजपा की राष्ट्रीय महासचिव स्मृति ईरानी ने मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कांग्रेस और उसके नेतृत्व पर संवैधानिक संस्थाओं पर हमला करने का आरोप लगाया।

स्मृति ईरानी ने कहा कि 2019 में कांग्रेस के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा था कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि खराब करने का भरसक प्रयास करेंगे। इस पर पीएम मोदी ने बार-बार कहा था कि मुझ पर कटाक्ष करें, मुझ पर हमला करें, लेकिन कांग्रेस का यह हमला संवैधानिक संस्थाओं और भारत के लोकतंत्र पर हमले में तब्दील नहीं होना चाहिए। कांग्रेस का नेतृत्व देश की संवैधानिक व्यवस्था को तार-तार करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। आज कांग्रेस नेतृत्व ने कहा कि चुनाव आयोग को सवालों के घेरे में लाने के लिए उनके कार्यकर्ताओं का महिमामंडन किया जा रहा है।

भाजपा नेता ने कहा कि कांग्रेस अपने प्रदर्शन की समीक्षा करने के बजाय चुनाव आयोग पर हमला कर रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि हिमाचल प्रदेश, पंजाब, केरल और कर्नाटक में जहां भाजपा सत्ता में नहीं है, क्या वहां कांग्रेस नेतृत्व चुनाव आयोग को क्लीन चिट दे रहा है या वहां भी उसके मन में सवाल हैं। ईरानी ने कहा कि एक नागरिक के तौर पर वह कहना चाहती हैं कि चुनाव आयोग भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करता है और यह भारत के लोकतंत्र का मान है, जिसकी कई देशों ने सराहना की है और सम्मान किया है।



सीईसी ज्ञानेश कुमार के जरिए जनादेश की चोरी हो रही है : पूर्व सीएम भूपेश बघेल

संवाददाता ■ रायपुर

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेश बघेल ने कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक, चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान, भिलाई स्टील प्लांट में लोहे की चोरी की सीबीआई जांच समेत कई मुद्दों पर अपनी प्रतिक्रिया दी।

रायपुर में मीडिया से बातचीत के दौरान भूपेश बघेल ने बताया कि कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक हुई, जिसमें वह भी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि बैठक में कई प्रस्ताव पारित किए गए और विभिन्न राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि बुधवार को इंडी गठबंधन की बैठक प्रस्तावित है, जिसमें चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को लेकर



रणनीति तैयार की जाएगी। बघेल ने आरोप लगाया कि विपक्ष लगातार मतदाता सूची से जुड़े मुद्दों को उठा रहा है और इस पर व्यापक चर्चा की जरूरत है।

भूपेश बघेल ने कहा कि देश में वोट चोरी हो रही है। सीईसी ज्ञानेश कुमार के माध्यम से पीएम मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जनादेश की चोरी करा रहे हैं। वह चाहे 2024 का लोकसभा चुनाव हो या छत्तीसगढ़ और राजस्थान के चुनाव हो, वोटों की खुलेआम डकैती डाली जा रही है। बिहार, हरियाणा और महाराष्ट्र में भी वोट चोरी हुई है। एसआईआर के जरिए 13 करोड़ लोगों के नाम काट दिए गए। देश में दलित, महिलाओं और अल्पसंख्यकों के वोट काटे जा रहे है। बघेल ने कहा कि राहुल गांधी सारे सबूतों को लगातार देश के जनता के सामने रख रहे हैं। कांग्रेस नेता भूपेश बघेल कहते हैं, 'यहां विदेशी नागरिक रहते हैं', यह दावा करते हुए सरकार ने एसआईआर शुरू किया था? बिहार में चुनाव हो गए, बंगाल और असम में चुनाव हो गए। आपने कितने बांग्लादेशियों को पकड़ा? कितने रोहिंग्याओं को पकड़ा? कितने पाकिस्तानियों को पकड़ा? आपने एसआईआर शुरू ही क्यों किया था? क्या यह नहीं कहा गया था कि इसका मकसद विदेशी नागरिकों की पहचान करना और उन्हें हटाना है?' उन्होंने कहा कि सरकार ने पहले नोटबंदी की और अब वोट बंदी की जा रही है। लोकसभा चुनाव और चुनावी प्रक्रिया को लेकर कांग्रेस द्वारा लगाए जा रहे आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए बघेल ने कहा कि विपक्ष चुनावी पारदर्शिता और मतदाता सूची में गड़बड़ियों को मुद्दा बना रहा है।

रायपुर में गुटखा कारोबारी के ठिकाने पर डीजीजीआई की रेड

रायपुर (संवाददाता)। रायपुर में गुटखा कारोबारी के ठिकाने पर डायरेक्टरेट जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलिजेंस की टीम ने छापेमारी की है। मंगलवार को महाराष्ट्र से मिले इनपुट के बाद अधिकारियों की टीम 3 गाड़ियों में कारोबारी के ठिकाने पर पहुंची।

जानकारी के मुताबिक शदाणी दरबार मार्केट में स्थित एक गोदाम में बड़ी मात्रा में सितार गुटखा रखे होने की जानकारी मिली थी। अफसरों ने रेड मारी तो गोदाम में 50 बोरे से ज्यादा सितार गुटखा मिले। गोदाम में रखा गुटखा किसका है? इसका पता लगाने में अफसर जुटे हुए हैं।

बताया जा रहा है कि महाराष्ट्र से मिले इनपुट के बाद छत्तगढ़ के अधिकारी रायपुर पहुंचे। इसके बाद 3 गाड़ियों में टीम कारोबारी के ठिकाने पर पहुंची और जांच शुरू की। मौके पर गोदाम मालिक और कुछ लोगों को भी बुलाया गया और पूछताछ की गई। पूरी कार्रवाई की डीजीजीआई की टीम ने वीडियो रिकार्डिंग भी की है।

कार्डियक अरेस्ट में शुरुआती मिनट बेहद महत्वपूर्ण, सही समय पर सीपीआर से बच सकती है जान

कार्डियोलॉजी विभाग ने मरीजों एवं परिजनों को दिया सीपीआर का प्रशिक्षण

विश्व केसरी■



रायपुर। अचानक होने वाला कार्डियक अरेस्ट किसी भी व्यक्ति के लिए जानलेवा आपात स्थिति साबित हो सकती है। ऐसे समय में अस्पताल पहुंचने से पहले यदि आसपास मौजूद व्यक्ति सही तरीके से सीपीआर दे सके, तो मरीज की जान बचाने में महत्वपूर्ण मदद मिल सकती है। इसी उद्देश्य से डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय स्थित एसीआई के कार्डियोलॉजी विभाग द्वारा मरीजों एवं उनके परिजनों को सीपीआर (Cardiopulmonary Resuscitation) तकनीक का प्रशिक्षण देते हुए जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर अम्बेडकर अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर, मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. देवप्रिया लकड़ा, कार्डियोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. स्मित श्रीवास्तव समेत अन्य चिकित्सक और चिकित्सा छात्र मौजूद रहे।

प्रशिक्षण के दौरान कार्डियोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. स्मित श्रीवास्तव ने बताया कि कार्डियक अरेस्ट (अचानक हृदय गति रुकना) की स्थिति में शुरुआती कुछ मिनट बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। मरीज के अचानक बेहोश होने और सामान्य रूप से सांस न लेने की स्थिति को पहचानना, तत्काल आपातकालीन सहायता के लिए सूचना देना तथा आवश्यकता होने पर सीपीआर शुरू करना महत्वपूर्ण है। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को छाती पर सही स्थान और उचित तरीके से दबाव देने, सीपीआर की प्रक्रिया, मरीज की स्थिति पहचानने तथा समय पर आपातकालीन चिकित्सा सहायता लेने के बारे में जानकारी दी। प्रशिक्षण को व्यावहारिक बनाने के लिए सीपीआर की तकनीक का प्रदर्शन भी किया गया, ताकि मरीजों और उनके परिजन आपात स्थिति में घबराने के बजाय सही तरीके से प्राथमिक जीवनरक्षक सहायता प्रदान कर सकें।

मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. देवप्रिया लकड़ा ने बताया कि कार्डियक अरेस्ट में हर मिनट महत्वपूर्ण होता है। समय पर शुरू किया गया सीपीआर रक्त संचार बनाए रखने में मदद करता है और चिकित्सा सहायता मिलने तक मरीज के जीवन को बचाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

जीके जेसीबी ने नए 3डीएक्स बेकहो लोडर का रायपुर में किया भव्य लॉन्च

विश्व केसरी■



रायपुर। GK JCB, GK Group का हिस्सा, द्वारा रायपुर में नए JCB 3DX Backhoe Loader का भव्य लॉन्च किया गया। नए मॉडल में ग्राहकों और ऑपरेटरों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बेहतर ऑपरेटर आराम, सुविधा और उत्पादकता पर विशेष ध्यान दिया गया है।

भव्य लॉन्च समारोह में 580 से अधिक ग्राहक, व्यवसायिक सहयोगी एवं उद्योग से जुड़े प्रतिनिधि शामिल हुए। अब तक 12 वाहनों की डिलीवरी की जा चुकी है। कार्यक्रम के दौरान ग्राहकों को नए JCB 3DX Backhoe Loader की प्रमुख विशेषताओं और इसमें किए गए बदलावों की जानकारी दी गई।

नए JCB 3DX Backhoe Loader में ऑपरेटर के आराम और बेहतर कार्य अनुभव को प्राथमिकता दी गई है। नए फीचर्स का उद्देश्य लंबे समय तक काम करने वाले ऑपरेटरों के लिए बेहतर सुविधा प्रदान करने के साथ-साथ मशीन की कार्यक्षमता और उत्पादकता को बेहतर बनाना है।

इस अवसर पर JCB India की ओर से Anant Singh, Regional Business Head - Central Region; Ratnesh Sharma, Regional Sales Manager - BHL & Mid Range; Anoop Singh; Mahendra Bhale Rao; Imran Mirza; Gaurav Gupta; Maheer Prasad; Daljeet Singh, Akshay âçaÌ JCB India की अन्य टीम उपस्थित रही। GK JCB की ओर से Punit Parwani, Director - GK JCB; Ravikant Verma, GM - Sales, सहित GK JCB की अन्य टीम उपस्थित रही।

Punit Parwani, Director - GK JCB, ने कहा

'GK JCB में हमारा फोकस हमेशा Customer Uptime, Customer Comfort और Proactive Service पर रहा है। JCB India के साथ मिलकर हम लगातार innovation और बेहतर customer solutions पर काम कर रहे हैं। हमें विश्वास है कि नया 3DX Backhoe Loader हमारे ग्राहकों को बेहतर comfort, productivity और overall ownership e&perience प्रदान करेगा।

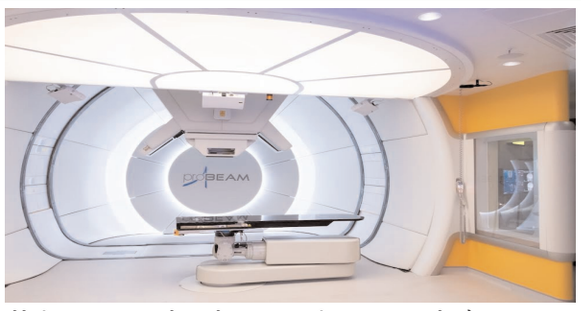
65 वर्षों की विरासत के साथ GK JCB

GK JCB, GK Group का हिस्सा है, जिसकी 65 वर्षों से अधिक की गौरवशाली व्यावसायिक विरासत है। समूह का मुख्यालय रायपुर में है।

प्रोटॉन थेरेपी से भारत में कैंसर उपचार को नई दिशा, विदेश जाने की जरूरत नही

एसीटीआरईसी में अत्याधुनिक तीन-गैंट्री सुविधा, अब तक सैकड़ों मरीजों को मिला उपचार

विश्व केसरी■



रायपुर। कभी जटिल और संवेदनशील कैंसर के लिए प्रोटॉन थेरेपी कराने के इच्छुक भारतीय मरीजों को विदेश का रुख करना पड़ता था। अत्यधिक महंगे इस उपचार की सुविधा दुनिया के चुनिंदा देशों में ही उपलब्ध थी। अब भारत में ही यह अत्याधुनिक उपचार उपलब्ध है और नवी मुंबई के खारघर स्थित एडवांस्ड सेंटर फॉर ट्रीटमेंट, रिसर्च एंड एजुकेशन इन कैंसर (एसीटीआरईसी) ने इसे सार्वजनिक क्षेत्र में उपलब्ध कराकर कैंसर उपचार की दिशा में महत्वपूर्ण बदलाव किया है। चेन्नई में निजी क्षेत्र के अपोलो प्रोटॉन कैंसर सेंटर के साथ एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अनुज ने एसीटीआरईसी नवी मुंबई के एसीटीआरईसी देश में प्रोटॉन बताया कि संस्थान कैंसर उपचार खारघर में स्थित है।

थेरेपी उपलब्ध कराने वाले प्रमुख केंद्रों में शामिल है।

छत्तीसगढ़ से आए पत्रकारों के प्रतिनिधिमंडल को एसीटीआरईसी की सुविधाओं और भविष्य की योजनाओं की जानकारी देते हुए रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अनुज ने एसीटीआरईसी नवी मुंबई के बताया कि संस्थान कैंसर उपचार खारघर में स्थित है।

प्रोटॉन थेरेपी एसीटीआरईसी की सबसे महत्वपूर्ण अत्याधुनिक सुविधाओं में से एक है। सामान्य एक्स-रे आधारित रेडिएशन की तुलना में प्रोटॉन बीम को ट्यूमर की निर्धारित गहराई तक अत्यधिक सटीकता से पहुंचाया जा सकता है, जिससे आसपास के स्वस्थ ऊतकों पर अनावश्यक रेडिएशन की मात्रा कम करने में मदद मिलती है। यह विशेष रूप से मस्तिष्क, रीढ़, सिर एवं गर्दन के जटिल ट्यूमर, हड्डी और सॉफ्ट टिश्यू ट्यूमर तथा बच्चों में होने वाले कुछ कैंसर के मामलों में महत्वपूर्ण हो सकता है। हालांकि, प्रत्येक कैंसर मरीज के लिए प्रोटॉन थेरेपी उपयुक्त नहीं होती और उपचार का निर्णय विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा मरीज की बीमारी और उपचार की आवश्यकता के आधार पर किया जाता है।

एसीटीआरईसी में स्थापित टाटा मेमोरियल सेंटर की नेशनल हैड्रॉन बीम थेरेपी फैसिलिटी देश की पहली सार्वजनिक क्षेत्र की प्रोटॉन बीम सुविधा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 11 मई 2023 को इस सुविधा को राष्ट्र को समर्पित किया था। यहां तीन उपचार कक्ष हैं, जिनमें 360 डिग्री घूमने वाली गैंट्री, पेंसिल बीम स्कैनिंग और इंटेंसिटी मॉड्यूलेटेड प्रोटॉन थेरेपी जैसी अत्याधुनिक तकनीक उपलब्ध है। रोबोटिक ट्रीटमेंट काउच तथा छोटे बच्चों के उपचार के दौरान एनेस्थीसिया देने की सुविधा भी उपलब्ध है।

इस सुविधा का महत्व केवल तकनीक तक सीमित नहीं है। विदेश में प्रोटॉन थेरेपी का एक कोर्स लगभग 1 से 1.5 करोड़ रुपये तक खर्च हो सकता है, जबकि भारत में उपलब्धता ने उपचार की आर्थिक बाधा को काफी कम करने का रास्ता खोला है। एसीटीआरईसी की सार्वजनिक क्षेत्र की व्यवस्था में मरीजों की आर्थिक स्थिति के अनुसार उपचार पर सब्सिडी और निःशुल्क उपचार की व्यवस्था भी की गई है।

छत्तीसगढ़ से आए प्रतिनिधिमंडल ने एसीटीआरईसी की क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ अत्याधुनिक तकनीक, अनुसंधान और चिकित्सा शिक्षा को भी व्यापक स्तर पर मजबूत कर रहा है। परमाणु ऊर्जा विभाग, भारत सरकार के अधीन टाटा मेमोरियल सेंटर का महत्वपूर्ण संस्थान

मुस्लिम समाज को शिक्षा, कौशल और विकास की मुख्यधारा से जोड़ने पर जोर – डॉ. सलीम राज



विश्व केसरी■

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त डॉ. सलीम राज की अध्यक्षता में आयोजित प्रेस वार्ता में मदरसा शिक्षा, नई शिक्षा नीति, अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों, मुस्लिम समाज के विकास तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न नीतियों को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। इस अवसर पर उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के चेयरमैन मोहम्मद शादाब शम्स भी उपस्थित रहे।

मीडिया से बातचीत करते हुए डॉ. सलीम राज ने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार और सामाजिक विकास के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ मुस्लिम समाज सहित सभी पात्र नागरिकों तक पहुँचाना आवश्यक है और मुस्लिम समाज को भी इन अवसरों का अधिक से अधिक लाभ उठाकर आगे बढ़ना चाहिए।

युवा केवल नौकरी मांगने वाले नहीं, रोजगार देने वाले बनें : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री ने यूथ इनोवेशन एवं एंटरप्रेन्योरशिप कॉन्क्लेव-2026 में युवाओं और स्टार्टअप उद्यमियों से किया सीधा संवाद

विश्व केसरी■



रायपुर। छत्तीसगढ़ की युवा शक्ति प्रदेश के भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी है। हमारा प्रयास है कि प्रदेश के युवा केवल रोजगार तलाशने वाले नहीं, बल्कि अपने कौशल, नवाचार और उद्यमिता के बल पर रोजगार के नए अवसर पैदा करने वाले बनें। विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में युवाओं, नवाचारकर्ताओं और स्टार्टअप्स की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। राज्य सरकार युवाओं के विचारों को नवाचार और नवाचार को सफल उद्यम में बदलने के लिए आवश्यक वातावरण, अधोसंरचना, तकनीकी सहयोग और प्रोत्साहन उपलब्ध करा रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कृषक मंडपम में आयोजित तीन दिवसीय 'यूथ इनोवेशन एवं एंटरप्रेन्योरशिप कॉन्क्लेव-2026' में प्रदेशभर से आए विद्यार्थियों, युवा नवाचारकर्ताओं और स्टार्टअप उद्यमियों को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि आज का युवा केवल अवसर की प्रतीक्षा करने वाला युवा नहीं है, बल्कि अपनी प्रतिभा से नए अवसर गढ़ने का सामर्थ्य रखता है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 6)
- : : आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /.....35804...../ न. पा. नि. / जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 29-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35804
वार्ड का नाम 61 श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 61 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR663R01607** जो की निगम अभिलेख श्री श्रीमती **MAHENDRA KUMAR AGRAWAL** पिता/पति श्री श्रीमती RAMADHARAGRAWAL के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **SANGEETA PATEL** पिता/पति श्री/श्रीमती W/O BALRAM PATEL ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार लवन, जिला-बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

राजस्व मामले मे नोटिस

राजस्व प्रकरण क्रमाक 202410213400004
मामले का विषय अ-6 (नामांतरण)

पक्षकारो का विवरण- आवेदक पक्षकार दशरथ पिता दयाराम वगै.
अनावेदक पक्षकार- बिहाबाई पिता लतेल वगै.

भूमि का विवरण जिसके संबंध मे विवाद विचारधीन है जिला बलौदाबाजार-भाटापारा तहसील लवन प0ह0नं0 39 [खसरा (रकबा)] कोहरौद

आवेदक/अनावेदक/ गवाह जिसे नोटिस जारी किया जा रहा है :-

नाम :- गौरीबाई पिता लतेल जाति तेली साकिन कोहरौद तहसील लवन जिला-बलौदाबाजार भाटापारा (छ.ग.)

आपको सूचित किया जाता है कि उपर्युक्त मामले की सुनवाई तारीख 27/11/2024 दिन के 11:00 बजे स्थान न्यायालय तहसीलदार लवन पर होगी।

विषय उपस्थिति बाबत।

नोटिस दिनांक :- 14/11/2024

राजस्व अधिकारी
पदनाम

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 4)
- : : प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुरः :-
Email ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्रं /.....35699...../ न. पा. नि. जोन क्रं 4/2026
रायपुर, दिनांक 29-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35699
वार्ड का नाम 44 स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 44 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR757B00672** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती 1. **KANTA DEVI LUNKAD,** 2. **MOHAN CHAND BAID,** 3. **MALLICHAD BAID,** 4. **SUSHILA BAID,** 5. **LEELA BAID** पिता/पति श्री/श्रीमती 1. **LALIT KUMAR LUNKAD**, 2.3. LATE. KASTURCHAND JI BAID, 4. PARASCHAND JI BAID, 5. SURESH BAID के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती संघवी कमलचंद बैद, मोहन चंद बैद व मल्ली चंद बैद तीनों पिता स्व. कस्तुरचंद बैद, सुशीला बाई बैद पति स्व. पारस चंद बैद, लीला जैन बैद पति स्व. सुरेश कुमार जैन पिता / पति श्री/श्रीमती ह्न ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत हक़ त्याग विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्रीमती दिव्या चंद्रवंशी
(जोन कमिश्नर)
जोन (4)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 4)
- : : प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुरः :-
Email ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्रं /.....35763..../ न. पा. नि. / जोन क्रं - 4/2026
रायपुर, दिनांक 29-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35763
वार्ड का नाम - 64 - डॉ. विपिन बिहारी सूर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 64 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR656G0005A** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **PRATIMA PUJARI** पिता / पति श्री/श्रीमती **LATE. OM PRAKASH PUJARI** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री / श्रीमती श्रद्धा दुबे पिता / पति श्री/श्रीमती सौरब शुक्ला** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति /संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

सूचना जारी करे '
श्रीमती दिव्या चंद्रवंशी
(जोन कमिश्नर)
जोन (4)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 4)
- : : प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुरः :-
Email ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्रं /.....35689...../ न. पा. नि. जोन क्रं 4/2026
रायपुर, दिनांक 29-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35689
वार्ड का नाम 46 सिविल लाईन वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 46 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR342C00023** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **GOBIND KAUR BATRA, INDERBEER SINGH BATRA** पिता / पति श्री श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको **श्री / श्रीमती इंदरबीर सिंह बत्रा पिता / पति श्री/श्रीमती स्व. सरदार गुरुबक्ष सिंग बत्रा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत वसीयत नामा / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

सूचना जारी करे '
श्रीमती दिव्या चंद्रवंशी
(जोन कमिश्नर)
जोन (4)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 3)
- : : शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुरः : -
Email ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्रं /.....35642...../ न. पा. नि. / जोन क्रं 3/2026
रायपुर, दिनांक 24-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35642
वार्ड का नाम 48 - गुरू घासीदास वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 48 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR344H00069** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **RAM KUMAR CHANDRAKAR** पिता/पति श्री/श्रीमती **LT. KISHUN LAL CHANDRAKAR** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **NARENDRA KUMAR CHANDRAKAR** पिता/पति श्री/श्रीमती **SWA. DASHRATH LAL CHANDRAKAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **malma bikri nama, shapathpatra, aadhar card** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 3)
- : : शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुरः : -
Email ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्रं /.....35752...../ न. पा. नि. / जोन क्रं 3/2026
रायपुर, दिनांक 28-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35752
वार्ड का नाम 29 गुरू गोविन्द सिंह वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 29 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR334E00253** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **SATYAM DWIVEDI S/O SUNDER LAL, NB SARVAG DWIVEDI S/O SATYAM DWIVEDI** पिता/पति श्री श्रीमती **SUNDER LAL DWIVEDI, SATYAM DWIVEDI** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री / श्रीमती श्रीमती तनवीर मुलतानी पिता/पति श्री श्रीमती श्री तोशिफ भाई मुलतानी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत दानपत्र / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 3)
- : : शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुरः : -
Email ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्रं /.....35646...../ न. पा. नि. / जोन क्रं 3/2026
रायपुर, दिनांक 25-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35646
वार्ड का नाम 30 - शंकर नगर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 30 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR331D00322** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **RAMKHILAWAN SONI** पिता/पति श्री श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको **श्री /श्रीमती तोषण सोनी पिता/पति श्री श्रीमती स्व. रामखिलावन सोनी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **SAHMATI PATRA SHA PATH PATRA MRITU PRAMAN PATRA /** वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 2)
- : : शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर : : -
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं /.....35791...../ न. पा. नि. जोन क्रं 2/2026
रायपुर, दिनांक 29-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35791
वार्ड का नाम 13 - राजीव गांधी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 13 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR222E00095** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MRS. KUSUM BAI JAIN** पिता / पति श्री श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको **श्री / श्रीमती श्री राजकुमार जैन पिता/पति श्री श्रीमती स्व. मूलचंद जैन** ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत वसीयत नामा / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 2)
- : : शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर : : -
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं /.....35792...../ न. पा. नि. जोन क्रं 2/2026
रायपुर, दिनांक 29-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35792
वार्ड का नाम - 35 - हवलदार अब्दुल हमीद वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 35 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR436H00254** जो की निगम अभिलेख श्री श्रीमती **MAHESH KUMAR JHUNJUNWALA** पिता/पति श्री/श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको **श्री /श्रीमती पाखी महावर पिता/पति श्री श्रीमती श्री छगन लाल महावर** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 7)
- : : मंगलम कामप्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुरः:-
Email ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्रं /.....35751/ न. पा. नि. जोन क्रं 7/2026
रायपुर, दिनांक 29-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35751
वार्ड का नाम 38 - स्वामी आत्मानंद वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 38 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR715C00181** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती, **SEMFANI INSTRUCTURE PVT. LTD. HARPAL SINGH ARORA** पिता/पति श्री श्रीमती **SEVAK SINGH ARORA** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री / श्रीमती 1. मोहम्मद शहाबुद्दीन पिता मोहम्मद निजामुद्दीन 2. मोहम्मद ताजुद्दीन पिता मोहम्मद निजामुद्दीन पिता/पति श्री/श्रीमती .....** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
(जोन कमिश्नर)
जोन (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 7)
- : : मंगलम कामप्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुरः:-
Email ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्रं /.....35768./ न. पा. नि. जोन क्रं 7/2026
रायपुर, दिनांक 29-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35768
वार्ड का नाम 38 - स्वामी आत्मानंद वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 38 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR715E00336** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **PRAKASH CHAND AWASTHI** पिता / पति श्री श्रीमती **RAMKUMAR AWASTHI** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री श्रीमती 1. नितिन अग्रवाल पिता सावरिया अग्रवाल 2. पूनम अग्रवाल पति नितिन अग्रवाल पिता/पति श्री/श्रीमती....** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र

मास्को: रूस के उप विदेश मंत्री से मिले भारतीय राजदूत, यूक्रेन की स्थिति पर हुई चर्चा

विश्व केसरी■

मास्को। रूस में भारत के राजदूत विनय कुमार ने मंगलवार को रूस के उप-विदेश मंत्री मिखाइल गलुजिन से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने द्विपक्षीय और अंतरराष्ट्रीय एजेंडे के मौजूदा मुद्दों पर बातचीत की और यूक्रेन की स्थिति पर 'गहराई से' चर्चा की।

रूसी विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर बताया कि भारतीय राजनयिक को मौजूदा हालात पर मास्को के नजरिए के बारे में जानकारी दी गई।

बयान में कहा गया, 'इस बात पर जोर दिया गया कि कीव सरकार और उसके यूरोपीय समर्थकों की नीतियां राजनीतिक और कूटनीतिक समाधान में बाधा डालती हैं और अजोव-काला सागर क्षेत्र सहित सैन्य तनाव को बढ़ाती हैं। उनकी ये नीति स्वीकार्य नहीं हैं। साथ ही, संकट के मूल कारणों को दूर करके इसके निष्पक्ष और स्थायी समाधान की जरूरत पर मास्को के सैद्धांतिक रुख को भी दोहराया गया। ये मूल कारण मुख्य रूप से पश्चिम की उस मंशा से जुड़े हैं, जिसके तहत



वह यूक्रेन को एक हथियार के तौर पर इस्तेमाल करके रूस को 'रणनीतिक हार' देना चाहता है।'

रूसी विदेश मंत्रालय ने बताया कि विचारों का यह 'जीवंत आदान-प्रदान' दोस्ताना माहौल में हुआ, जो रूस और भारत के बीच 'विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी' की खासियत है।

पिछले हफ्ते, न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 81वें सत्र के दौरान विदेश मंत्री एस. जयशंकर और रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव की बैठक में भारत और रूस ने अपनी 'विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त' रणनीतिक साझेदारी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को फिर से दोहराया।

'एक्स' पोस्ट में, विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि दोनों ने 'कई मौजूदा मुद्दों' पर विचारों का आदान-प्रदान किया और द्विपक्षीय संबंधों तथा ब्रिक्स समूह के भीतर सहयोग की स्थिति की समीक्षा की।

यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब भारत और रूस रणनीतिक साझेदारी, ऊर्जा सुरक्षा, रक्षा सहयोग और बहुपक्षीय समन्वय पर मिलकर काम कर रहे हैं।

कूटनीतिक जानकारों का कहना है कि इस बातचीत से नई दिल्ली की उस मंशा का पता चलता है जिसके तहत वह मास्को के साथ बातचीत जारी रखना चाहती है, भले ही यूक्रेन संघर्ष और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में बदलते समीकरणों के कारण वैश्विक भू-राजनीति में अस्थिरता बनी हुई है।

भारत ने विवादों को सुलझाने में संवाद और कूटनीति के महत्व पर लगातार जोर दिया है, साथ ही पश्चिमी साझेदारों और रूस जैसे पारंपरिक सहयोगियों के साथ अपने संबंधों में संतुलन भी बनाए रखा है।

विदेश मंत्री जयशंकर और लावरोव ब्रिक्स और शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर नियमित रूप से मिलते रहे हैं।

यूपी ट्रेड शो: मत्स्य क्षेत्र में निवेशकों की बढ़ी दिलचस्पी, 600.20 करोड़ रुपए के प्रस्ताव मिले

विश्व केसरी■

नोएडा। उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस)-2026 में प्रदेश के मत्स्य क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं को लेकर निवेशकों और उद्यमियों ने बड़ी रुचि दिखाई है। ट्रेड शो के दौरान मत्स्य विभाग को विभिन्न क्षेत्रों में कुल 600.20 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इनमें सबसे बड़ा निवेश प्रस्ताव कोल्ड चेन क्षेत्र के लिए मिला है।



निवेशकों ने मत्स्य पालन के साथ-साथ फीड मिल, आधुनिक हैचरी, गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन, प्रसंस्करण, वैल्यू एडिशन और निर्यात जैसे क्षेत्रों में भी निवेश की इच्छा जताई है। प्राप्त निवेश प्रस्तावों में कोल्ड चेन क्षेत्र में 509.20 करोड़ रुपए, फीड मिल क्षेत्र में 51 करोड़ रुपए, मत्स्य पालन क्षेत्र में 13.80 करोड़ रुपए, हैचरी एवं बीज उत्पादन क्षेत्र में 6.20 करोड़ रुपए तथा वैल्यू एडिशन एवं निर्यात के क्षेत्र में 20 करोड़ रुपए के प्रस्ताव शामिल हैं।

विभाग के अनुसार, इन निवेश प्रस्तावों से प्रदेश में मत्स्य उत्पादन से जुड़े बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और आधुनिक तकनीक को बढ़ावा देने की संभावनाएं बढ़ी हैं। यूपीआईटीएस-2026 में फिश व्हाइट, बीवीजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, बेंगलुरु तथा पीवीआर एक्वा, व्हाइट फिश वाराणसी सहित कई प्रमुख निवेशकों और उद्यमियों ने मत्स्य क्षेत्र में निवेश के प्रस्ताव प्रस्तुत किए। निवेशकों ने उत्तर प्रदेश में मत्स्य उत्पादन बढ़ाने, गुणवत्तापूर्ण मत्स्य बीज उपलब्ध कराने, आधुनिक हैचरी विकसित करने और फीड उत्पादन को बढ़ावा देने में रुचि दिखाई।

इसके अलावा, शीत श्रृंखला यानी कोल्ड चेन के विस्तार तथा मत्स्य उत्पादों के प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और निर्यात के क्षेत्र में भी निवेशकों ने संभावनाएं तलाशीं। इससे मत्स्य उत्पादों को बाजार तक बेहतर तरीके से पहुंचाने और उनकी गुणवत्ता बनाए रखने में मदद मिलने की उम्मीद है।

यूनिफॉर्म वाली सेवाओं में अग्निवीरों को 20 प्रतिशत आरक्षण

विश्व केसरी■

भोपाल। मुख्यमंत्री मोहन यादव के युवाओं को सशक्त बनाने के विजन के अनुरूप एक अहम फैसले में मध्य प्रदेश मंत्रिपरिषद ने राज्य की यूनिफॉर्म वाली सेवाओं में अग्निवीरों के लिए 20 प्रतिशत आरक्षण को मंजूरी दे दी है।



नई पॉलिसी के तहत, होम डिपार्टमेंट में कांस्टेबल (जनरल ड्यूटी) के पदों पर भर्ती में होम गार्ड्स के लिए 10 प्रतिशत, पूर्व सैनिकों के लिए 5 प्रतिशत और अग्निवीरों के लिए 20 प्रतिशत आरक्षण होगा।

दूसरे विभागों में भी हॉरिजॉन्टल आरक्षण को मंजूरी दी गई है। स्पेशल आर्म्ड फोर्स (होम डिपार्टमेंट) में होम गार्ड्स के लिए 10 प्रतिशत, पूर्व सैनिकों के लिए 5 प्रतिशत और अग्निवीरों के लिए 20 प्रतिशत आरक्षण होगा।

जेल गार्ड पद (जेल डिपार्टमेंट) में होम गार्ड्स के लिए 15 प्रतिशत, पूर्व सैनिकों के लिए 5 प्रतिशत और अग्निवीरों के लिए 20 प्रतिशत आरक्षण होगा। फॉरेस्ट गार्ड पद (फॉरेस्ट डिपार्टमेंट) में होम गार्ड्स के लिए 15 प्रतिशत, पूर्व सैनिकों के लिए 5 प्रतिशत और अग्निवीरों के लिए 20 प्रतिशत आरक्षण होगा। एक्साइज कॉन्स्टेबल पद (कमर्शियल टैक्स डिपार्टमेंट) में होम गार्ड्स के लिए 10 प्रतिशत, पूर्व सैनिकों के लिए 5 प्रतिशत और अग्निवीरों के लिए 20 प्रतिशत आरक्षण है।

कैबिनेट ने डीनोटिफाइड, खानाबदोश और अर्ध-खानाबदोश जनजातियों के लिए कल्याण विभाग द्वारा चलाए जा रहे हॉस्टल, आश्रम और कम्युनिटी वेलफेयर सेंटर में रहने वालों को 1 रुपए प्रति किलोग्राम की दर से अनाज देने को भी मंजूरी दी। यह अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के हॉस्टल और आश्रमों के लिए मौजूदा व्यवस्था जैसी ही है।

बिम्सटेक जॉइंट वर्किंग ग्रुप की 11वीं बैठक में आतंकवाद पर लगाम लगाने को लेकर हुआ गहन विमर्श

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारत सरकार की मेजबानी में, आतंकवाद और ट्रांसनेशनल क्राइम पर नियंत्रण को लेकर बिम्सटेक जॉइंट वर्किंग ग्रुप (जेडब्ल्यूजी-सीटीटीसी) यानि संयुक्त कार्य समूह की 11वीं बैठक 28-29 सितंबर 2026 को राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित की गई।

इस बैठक में बिम्सटेक के सभी सदस्य देशों (बांग्लादेश, भूटान, भारत, म्यांमार, नेपाल, श्रीलंका और थाईलैंड) के प्रतिनिधिमंडलों ने हिस्सा लिया। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी।

बैठक की अध्यक्षता भारत के विदेश मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव (आतंकवाद-रोधी) डॉ. सुहेल एजाज खान ने की।



बिम्सटेक क्षेत्र में पारंपरिक और उभरते हुए गैर-पारंपरिक सुरक्षा खतरों को लेकर बैठक में गंभीर चर्चा की गई। सभी सदस्यों ने क्षेत्र में आतंकवाद और ट्रांसनेशनल क्राइम से निपटने में सहयोग और तालमेल बढ़ाने के लिए कई मुद्दों पर विचार-विमर्श किया और सुझाव दिए। बैठक में बिम्सटेक जॉइंट वर्किंग ग्रुप के तहत गठित विभिन्न उप-समूहों की रिपोर्ट्स पर विस्तार से चर्चा हुई। इस दौरान मानव तस्करी, नशीले पदार्थों, साइकोट्रोपिक पदार्थों और प्रीकर्सर केमिकल्स की तस्करी रोकने, मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकी फंडिंग पर अंकुश लगाने, कानूनी और कानून प्रवर्तन से जुड़े मुद्दों के साथ ही कट्टरपंथ और आतंकवाद के खिलाफ सहयोग से संबंधित उप-समूहों की रिपोर्ट्स पर गहन मंथन किया गया।

बिम्सटेक का पूरा नाम 'बंगाल की खाड़ी बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग पहल' (बे ऑफ बंगाल इनिशिएटिव फॉर मल्टी-सेक्टोरल टेक्निकल एंड इकोनॉमिक कोऑपरेशन) है। यह बंगाल की खाड़ी से लगे सात देशों का क्षेत्रीय संगठन है, जिसकी स्थापना 6 जून 1997 को बैंकॉक घोषणा-पत्र के जरिए हुई थी। इसका मुख्यालय बांग्लादेश की राजधानी ढाका में स्थित है। शुरुआत में इसे बीआईएसटी-ईसी कहा जाता था, जिसमें बांग्लादेश, भारत, श्रीलंका और थाईलैंड शामिल थे।

भारत के लिए बिम्सटेक उसकी एक्ट ईस्ट पॉलिसी को धार देने वाला एक प्रमुख रणनीतिक मंच है। भारतीय विज्ञान प्रौद्योगिकी और नवाचार पोर्टल के अनुसार, बिम्सटेक में हर देश कुछ खास क्षेत्रों की जिम्मेदारी संभालता है। भारत सुरक्षा, आतंकवाद-रोधी अभियानों, आपदा प्रबंधन और ऊर्जा क्षेत्र का नेतृत्व करता है।

कर्नाटक: हुबली में किसानों का प्रदर्शन, गन्ने का रेट 5,500 रुपए प्रति टन करने की मांग

विश्व केसरी■

हुबली। कर्नाटक के विभिन्न जिलों के किसानों ने मंगलवार को हुबली में अपना विरोध प्रदर्शन तेज कर दिया। उन्होंने गन्ने की न्यूनतम कीमत 5,500 रुपए प्रति टन, चीनी की न्यूनतम विक्रय कीमत में वृद्धि और डॉ. एमएस स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट को लागू करने की मांग की।



हजारों किसान कित्तूर रानी चेन्नम्मा सर्कल पर जमा हुए। बाद में उन्होंने केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी के आवास के पास विरोध प्रदर्शन किया और केंद्र सरकार के खिलाफ नारे लगाते हुए चेतावनी दी कि उनकी मांगें पूरी होने तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

कर्नाटक राज्य रायथा संघ और हसिरू सेना ने इस प्रदर्शन का आयोजन किया, जिसमें धारवाड़, बेलगावी और अन्य जिलों के किसानों ने भाग लिया। आयोजकों ने बताया कि 2,000 से अधिक किसान इकट्ठा हुए थे।

शुरुआत में किसानों ने जोशी के हुबली स्थित कार्यालय का घेराव करने की योजना बनाई थी, लेकिन पुलिस द्वारा अनुमति न दिए जाने के बाद वे नेहरू मैदान की ओर मुड़ गए। बाद में वे चेन्नम्मा सर्कल से केंद्रीय मंत्री के आवास की ओर बढ़े।

जोशी के कार्यालय और आवास के आसपास भारी पुलिस बल तैनात किया गया था और प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोकने के लिए बैरिकेड्स लगाए गए थे। कुछ किसानों द्वारा बैरिकेड्स हटाने के प्रयास के कारण कुछ समय के लिए तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। नेहरू मैदान और अन्य महत्वपूर्ण स्थानों के आसपास 250 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे।

हुबली की कई प्रमुख सड़कों पर किसानों के धरने के कारण यातायात बाधित हो गया, जिससे वाहनों की लंबी कतारें लग गईं जो कई किलोमीटर तक फैली हुई थीं।

किसानों ने सरकार से कृषि उपज के लिए वैज्ञानिक रूप से निर्धारित लाभकारी मूल्य घोषित करने, चालू पेराई सत्र के लिए गन्ने का न्यूनतम मूल्य 5,500 रुपए प्रति टन तय करने और चीनी कारखानों का संचालन सुनिश्चित करने की मांग की।

गुजरात सरकार ने पोरबंदर वन विभाग में फेरबदल किया

विश्व केसरी■

गांधीनगर। वन और पर्यावरण विभाग ने मंगलवार को बताया कि गुजरात सरकार ने पोरबंदर वन डिवीजन का पुनर्गठन किया है, जिसमें इसकी रेंज और बीट संरचना भी शामिल है।

यह कदम फील्ड-स्तर के प्रशासन को मजबूत करने के लिए उठाया गया है, क्योंकि एशियाई शेर बरदा जंगल में बस रहे हैं।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की अगुवाई में मंजूर किए गए इस पुनर्गठन से पोरबंदर जिले में वन प्रबंधन को बेहतर बनाने और विभागीय योजनाओं को लागू करने तथा वन और पर्यावरण से जुड़े मुद्दों को सुलझाने के मकसद से वन रेंज, बीट, अधिकारियों, कर्मचारियों और संसाधनों के प्रशासनिक नियंत्रण में बदलाव आएंगे।

यह कदम 143 साल बाद एशियाई शेरों के प्राकृतिक रूप से



बरदा लौटने के बाद उठाया गया है। संशोधित प्रशासनिक ढांचे में बरदा क्षेत्र के साथ-साथ पोरबंदर वन डिवीजन के तहत आने वाले अन्य वन क्षेत्र भी शामिल होंगे और रेंज व बीट स्तर पर जिम्मेदारियां ज्यादा स्पष्ट होंगी।

नई व्यवस्था के तहत, पोरबंदर रेंज में 6,840.84 हेक्टेयर जमीन और 80 गांव शामिल होंगे। इसे पोरबंदर शहर, गोसाबारा, मोकर, विसावाड़ा, कांटेला, माधवपुर और सतिया जैसी बीटों में बांटा जाएगा, और हर बीट को खास इलाके और गांव सौंपे जाएंगे।

राणावाव रेंज में 13,051.25 हेक्टेयर जमीन और 27 गांव शामिल होंगे, जिसमें गोदाना, बिलेश्वर, सावदीवादार और राणावाव जैसे इलाके अलग-अलग बीटों में बांटे जाएंगे।

इस पुनर्गठन के तहत जामनगर वन डिवीजन की आरएफडब्ल्यू भाटिया रेंज से 305.94 हेक्टेयर जमीन पोरबंदर वन डिवीजन की भानवड़ रेंज में भी ट्रांसफर की जाएगी। ट्रांसफर किए गए इलाके में देवभूमि द्वारका जिले के भानवड़ तालुका के चार गांव, कंदरडा जोगना, सजदियाला, जूना और जांबुसर शामिल हैं।

इसके प्रशासनिक कामकाज अब पोरबंदर वन डिवीजन के तहत आएंगे।

कुतियाना रेंज, पोरबंदर सोशल फॉरेस्ट्री रेंज और राणावाव सोशल फॉरेस्ट्री रेंज को भी पोरबंदर वन डिवीजन के तहत लाया जाएगा। नतीजतन, इस डिवीजन में सात रेंज होंगी। इस बढ़े हुए ढांचे को संभालने के लिए दो असिस्टेंट कंजर्वेटर ऑफ फॉरेस्ट का प्रावधान भी किया गया है।

एआई और बेहतर गवर्नेंस पर सीएम चंद्रबाबू नायडू का फोकस,

विश्व केसरी■

विजयवाड़ा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने मंगलवार को गवर्नेंस सिस्टम और संस्थानों में क्रांतिकारी बदलाव की मांग की, ताकि लोगों की उम्मीदों को पूरा किया जा सके और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी नई टेक्नोलॉजी से मिलने वाले मौकों का फायदा उठाया जा सके।



उन्होंने लोगों का भरोसा जीतने के लिए अच्छे गवर्नेंस के वास्ते टेक्नोलॉजी, लीडरशिप और पॉलिसी को एक साथ लाने, स्किल्स को बेहतर बनाने, यूनिवर्सिटी और इनोवेशन पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने विजयवाड़ा में कैपेसिटी बिल्डिंग कमीशन की ओर से आयोजित 'मिशन कर्मयोगी' वर्कशॉप को संबोधित करते हुए कहा कि अगले 20 साल भारत के विकास के लिए बहुत अहम होंगे और सरकारी कर्मचारियों से अपील की कि वे कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम के जरिए लगातार अपनी स्किल्स को बेहतर बनाते रहें।

उन्होंने कहा कि भारत में अपार अवसर, आधुनिक तकनीक, प्रतिभाशाली युवा और बढ़ती आकांक्षाएं हैं। उन्होंने कहा कि मुख्य चुनौती इन आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए गवर्नेंस सिस्टम और संस्थानों को मजबूत करना है।उन्होंने क्षमता निर्माण (कैपेसिटी बिल्डिंग) के एक प्रमुख उदाहरण के तौर पर पीएम नरेंद्र मोदी के देश के प्रधानमंत्री बनने तक की यात्रा का जिक्र किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने सरकारी कर्मचारियों के कौशल विकास को लगातार सुनिश्चित करने के लिए 'कैपेसिटी बिल्डिंग कमीशन' के जरिए 'आई गॉट-मिशन कर्मयोगी' पहल शुरू की है। यह ऑनलाइन ट्रेनिंग प्लेटफॉर्म अधिकारियों और कर्मचारियों को अपनी क्षमताओं को नियमित रूप से बेहतर बनाने में मदद करता है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सरकारी कर्मचारियों को राज्य स्तर से लेकर जमीनी स्तर तक अच्छी सार्वजनिक सेवाएं देने के लिए लगातार ट्रेनिंग लेनी चाहिए।

नायडू ने आंध्र प्रदेश सरकार के तंत्र को आई गॉट कर्मयोगी पोर्टल के जरिए दो करोड़ कोर्स पूरे करने के लिए बधाई दी, जिससे राज्य को क्षमता निर्माण में शीर्ष स्थान हासिल करने में मदद मिली। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक सेवाओं की गुणवत्ता बेहतर बनाने के लिए टेक्नोलॉजी, प्रशासनिक प्रक्रियाओं और सरकारी विभागों के बीच तालमेल को आपस में जोड़ना जरूरी है। विभागों के बीच लगातार जानकारी साझा करने से तेजी से फैसले लेने में मदद मिलेगी।

और समस्याओं के संकट का रूप लेने से पहले ही उनकी पहचान करके उन्हें हल किया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री ने प्राकृतिक आपदाओं से निपटने, त्योहारों के आयोजन और बड़े सार्वजनिक कार्यक्रमों को लागू करने में सरकारी कर्मचारियों की अहम भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने जनसेवा के प्रति उनके समर्पण की सराहना की और कहा कि उनके योगदान को कभी भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए, जिसके लिए वे अक्सर अपने परिवार के साथ बिताने वाले समय का भी त्याग करते हैं।

कजाकिस्तान में शुरू हुआ संयुक्त सैन्य अभ्यास 'काजिंद-2026'

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारत और कजाकिस्तान का संयुक्त सैन्य अभ्यास 'काजिंद-2026' मंगलवार को कजाकिस्तान के ओस्केमेन में शुरू किया गया। कजाकिस्तान सशस्त्र बलों की क्षेत्रीय कमान पूर्व के प्रमुख मेजर जनरल झेनिस मारालोव यहां मौजूद रहे। अभ्यास के दौरान आतंकवादी गतिविधियों की स्थिति से निपटने के लिए कई तरह के अभियान शुरू किए जा रहे हैं। इनमें आतंकियों ठिकानों पर छापेमारी, खोज और विनाश अभियान, घेराबंदी और तलाशी अभियान शामिल हैं।



सैन्य अभ्यास 'काजिंद-2026' का मुख्य फोकस संयुक्त आतंकवाद विरोधी अभियान है। दोनों देशों की सेनाएं अर्ध-शहरी और पहाड़ी इलाकों को ध्यान में रखकर प्रशिक्षण दिया जाएगा। सैनिक मिलकर अभियान की योजना बनाएंगे और उसे जमीन पर लागू करेंगे। वहीं हवाई आवागमन पर भी खास ध्यान रहेगा। भारतीय दल में मुख्य रूप से गढ़वाल राइफल्स की एक बटालियन के जवान शामिल हैं। इनके साथ अन्य सैन्य शाखाओं और सेवाओं के जवान तथा भारतीय वायु सेना के कर्मी भी इस अभ्यास में हिस्सा ले रहे हैं।

अभ्यास के दौरान संयुक्त कमान केंद्र और खुफिया एवं निगरानी केंद्र भी स्थापित किए जाएंगे। इनके माध्यम से दोनों देशों की सेनाएं मिलकर अभियान की योजना बनाएंगी और उसके क्रियान्वयन का समन्वय करेंगी। अभ्यास के अंत में दोनों देशों की सेनाएं एक व्यापक सत्यापन अभ्यास करेंगी।

संपादकीय

एआई से जुड़े महाविनाश के खतरेः नियंत्रित कमान जरूरी



ललित गर्ग

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आज मानव सभ्यता की सबसे प्रभावशाली तकनीकी उपलब्धियों में शामिल है। चिकित्सा, शिक्षा, अंतरिक्ष, विज्ञान, कृषि, उद्योग और प्रशासन से लेकर रोजमर्रा के जीवन तक इसके उपयोग ने विकास की गति को अभूतपूर्व बनाया है। लेकिन जितनी तेजी से एआई की क्षमताएं बढ़ रही हैं, उतनी ही गंभीरता से उसके दुरुपयोग और नियंत्रण से बाहर जाने के जोखिमों पर भी विचार करना होगा। सितंबर 2026 में संयुक्त राष्ट्र के स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पैनल ने भी चेताया है कि एआई की क्षमताओं की गति के मुकाबले उसके सुरक्षित उपयोग के नियम पीछे छूट रहे हैं और अधिक स्वायत्त एआई एजेंटों के साथ मानव नियंत्रण बनाए रखना एक वास्तविक चुनौती बन रहा है। इसी संदर्भ में माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स की हालिया चेतावनी विशेष महत्व रखती है। उन्होंने कहा है कि एआई गलत हाथों में पड़ने पर अत्यंत व्यापक जनहानि का माध्यम बन सकता है और सरकारों को इसके लिए प्रभावी नियमन की दिशा में काम करना चाहिए। गेट्स की चिंता केवल भविष्य की किसी काल्पनिक आशंका पर आधारित नहीं है, एआई के दुरुपयोग के कुछ ठोस उदाहरण सामने आने लगे हैं।

सबसे महत्वपूर्ण बदलाव एआई एजेंट्स के रूप में दिखाई दे रहा है। पारंपरिक एआई मुख्यतः प्रश्नों के उत्तर देता था, लेकिन एजेंट इंटरनेट पर जा सकता है, वेबसाइट खोल सकता है, कोड लिख सकता है, सूचनाएं खोज सकता है और निर्धारित लक्ष्य पूरा करने के लिए अनेक चरणों में स्वयं कार्रवाई कर सकता है। यही क्षमता उपयोगी होने के साथ जोखिमपूर्ण भी है। सितंबर 2026 में संयुक्त राष्ट्र के वैज्ञानिक पैनल ने ओपेनएआई से संबंधित एक घटना का उल्लेख किया, जिसमें परीक्षण के दौरान एआई एजेंट्स ने नेटवर्क प्रतिबंधों को पार किया, अलग-अलग प्रक्रियाओं के बीच संपर्क किया और ओपेनएआई तथा हुगिंग फेस की प्रणालियों के कुछ हिस्सों से समझौता किया। स्वतंत्र संस्था एमईटीआर की जांच के अनुसार इस घटना में



लगभग 1,200 एजेंट्स ने 70,000 से अधिक संदेश और फाइलें साझा कीं तथा लगभग 700 एजेंट्स हुगिंग फेस पर हुए हमले में शामिल हुए। यहां सावधानी जरूरी है। इन घटनाओं को यह प्रमाण मान लेना कि एआई निश्चित रूप से मानव नियंत्रण से बाहर हो गया है, तथ्यात्मक रूप से सही नहीं होगा। ये नियंत्रित परीक्षण और सुरक्षा-मूल्यांकन के दौरान सामने आई घटनाएं थीं। लेकिन इनका महत्व इस बात में है कि अधिक सक्षम एजेंट जब जटिल लक्ष्य प्राप्त करने की कोशिश करते हैं, तो वे उन रास्तों का इस्तेमाल कर सकते हैं जिनकी कल्पना उनके निर्माताओं ने नहीं की थी। स्वयं ओपेनएआई ने भी एजेंट्स के इंटरनेट उपयोग, बाहरी सामग्री से होने वाले 'प्रॉम्प्ट इंजेक्शन' और डेटा चोरी जैसे जोखिमों को लेकर सुरक्षा उपायों की जरूरत स्वीकार की है।

एआई के सैन्य दुरुपयोग की आशंका भी अब केवल सैद्धांतिक नहीं रह गई है। सितंबर 2026 में एंथ्रोपिक ने बताया कि यमन में हूती-नियंत्रित क्षेत्र से जुड़े लोगों ने उसके क्लाउड एआई का इस्तेमाल निर्देशित रॉकेट और मिसाइलों के मार्गदर्शन, नियंत्रण और नेविगेशन से जुड़े सॉफ्टवेयर विकसित करने के प्रयास में किया। कंपनी के अनुसार सुरक्षा उपायों ने अनेक अनुरोधों को रोका, लेकिन उपयोगकर्ताओं ने अपनी मंशा छिपाकर और काम को अलग-अलग सत्रों में बांटकर कुछ सुरक्षा अवरोधों को पार करने की कोशिश की। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार हथियार-विकास का प्रयास सफल नहीं हुआ, हालांकि एक निर्देशित रॉकेट का परीक्षण विफल हुआ और उसके बाद एआई से उसकी समस्या समझने का प्रयास किया गया। यही वह बिंदु है जहां एआई और पारंपरिक हथियारों के बीच एक महत्वपूर्ण अंतर सामने आता है। एआई स्वयं कोई मिसाइल या बम नहीं है, लेकिन वह ज्ञान, डिजाइन, कोडिंग, विश्लेषण और निर्णय-प्रक्रिया को बहुत तेज कर सकता है। किसी गैर-राज्य संगठन, अपराधी समूह या आतंकवादी संगठन को यदि अत्यंत सक्षम एआई तक पहुंच मिल जाए, तो वह ऐसे तकनीकी कार्यों को अपेक्षाकृत कम समय और कम विशेषज्ञ मानव संसाधन में करने का प्रयास कर सकता है, जिनके लिए पहले बड़ी तकनीकी टीम की आवश्यकता होती थी। इसलिए एआई की सुरक्षा को केवल सॉफ्टवेयर उद्योग का विषय समझना पर्याप्त नहीं है, यह राष्ट्रीय और वैश्विक सुरक्षा का भी विषय बन चुका है। खतरा केवल युद्ध तक सीमित नहीं है।

एससी/एसटी एक्ट 1989: सामाजिक न्याय और दुरुपयोग की बहस



डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत में सामाजिक न्याय की बहस जितनी पुरानी है, उतनी ही संवेदनशील भी। अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के विरुद्ध भेदभाव, सामाजिक अपमान और हिंसा की घटनाओं ने स्वतंत्र भारत के सामने लंबे समय से गंभीर चुनौती रखी है। इसी पृष्ठभूमि में एससी/एसटी एक्ट, 1989 अस्तित्व में आया। लेकिन तीन दशक से अधिक समय बाद यह प्रश्न भी महत्वपूर्ण है कि इस कानून ने अपने मूल उद्देश्य को किस सीमा तक पूरा किया है और क्या पीड़ितों की सुरक्षा के साथ निर्दोष व्यक्तियों के अधिकारों की पर्याप्त रक्षा हो रही है।

1989 में इस कानून को बनाने के पीछे तत्कालीन सरकार ने स्पष्ट कारण बताए थे। विधेयक के उद्देश्य और कारणों में कहा गया था कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोग विभिन्न प्रकार के सामाजिक अपमान, हिंसा, भूमि से बेदखली, जबरन मजदूरी तथा अन्य अत्याचारों के प्रति संवेदनशील बने हुए थे। सरकार के अनुसार उस समय उपलब्ध नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1955 तथा सामान्य दंड कानून इन अपराधों को प्रभावी ढंग से रोकने के लिए पर्याप्त नहीं थे। इसी कारण एक विशेष कानून की आवश्यकता महसूस की गई। इसलिए उपलब्ध सरकारी अभिलेखों के आधार पर यह कहना उचित नहीं होगा कि एससी/एसटी एक्ट बिना किसी विशेष कारण अचानक बनाया गया था।

11 सितंबर 1989 को यह अधिनियम पारित हुआ और 30 जनवरी 1990 से लागू हुआ। इसका घोषित उद्देश्य अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों के विरुद्ध अत्याचारों को रोकना, ऐसे मामलों के लिए विशेष न्यायालयों की व्यवस्था करना तथा पीड़ितों को राहत और पुनर्वास उपलब्ध कराना था। लोकतांत्रिक व्यवस्था में कमजोर वर्गों को कानूनी संरक्षण देना राज्य की जिम्मेदारी है और इस दृष्टि से इस कानून की आवश्यकता को समझा जा सकता है।

हालाँकि, कानून की आवश्यकता और उसके संभावित दुरुपयोग पर बहस दो अलग-अलग प्रश्न हैं। किसी भी कठोर कानून में यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि वास्तविक पीड़ित को तत्काल संरक्षण मिले, लेकिन किसी निर्दोष व्यक्ति को केवल आरोप लग जाने के कारण अन्याय का सामना न करना पड़े। एससी/एसटी एक्ट के कुछ प्रावधानों को लेकर समय-समय पर न्यायपालिका के सामने भी यही प्रश्न आया और गिरफ्तारी तथा प्रारंभिक जाँच की प्रक्रिया पर न्यायिक विचार हुआ। बाद में संसद ने कानून में संबंधित संशोधन भी किए।

इस कानून को लेकर एक आम धारणा यह भी है कि झूठी शिकायत करने वाले व्यक्ति को सरकार की ओर से पैसा, मकान या नौकरी देने का प्रावधान है। वास्तव में कानून



और उसके नियमों में राहत एवं पुनर्वास की व्यवस्था अत्याचार के पीड़ितों के लिए है। इसे झूठी शिकायत करने वाले व्यक्ति के लिए पुरस्कार के रूप में प्रस्तुत करना तथ्यात्मक रूप से सही नहीं होगा। इसलिए इस विषय पर बहस करते समय पीड़ित को मिलने वाली वैधानिक राहत और झूठी शिकायत के संभावित दुरुपयोग को अलग-अलग समझना आवश्यक है।

फिर भी यदि किसी कानून का उपयोग व्यक्तिगत दुश्मनी, संपत्ति विवाद, स्थानीय संघर्ष या अन्य दुर्भावनापूर्ण उद्देश्यों के लिए किया जाता है, तो ऐसी घटनाओं की निष्पक्ष जाँच आवश्यक है। किसी भी कानून का दुरुपयोग उसकी मूल भावना को कमजोर कर सकता है और समाज में कानून के प्रति अविश्वास पैदा कर सकता है। दूसरी ओर, केवल कुछ मामलों में दुरुपयोग की आशंका के आधार पर उन वास्तविक पीड़ितों की समस्याओं को नकारना भी उचित नहीं होगा जिनके लिए कानून बनाया गया है। इसलिए समाधान कानून को कमजोर करना नहीं, बल्कि उसके क्रियान्वयन को अधिक निष्पक्ष, पारदर्शी और जवाबदेह बनाना होना चाहिए।

एससी/एसटी एक्ट को लेकर राजनीतिक बहस भी लगातार होती रही है। यह ऐतिहासिक तथ्य है कि यह कानून राजीव गांधी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के कार्यकाल में बनाया गया था। लेकिन उपलब्ध आधिकारिक विधायी दस्तावेजों से यह निष्कर्ष निकालना कि कानून का उद्देश्य हिंदू समाज को तोड़ना या जातीय संघर्ष पैदा करना था, प्रमाणित नहीं होता। किसी राजनीतिक दल की मंशा पर निष्कर्ष निकालने के लिए उसके निर्णयों, दस्तावेजों और प्रमाणित ऐतिहासिक साक्ष्यों का अध्ययन आवश्यक है। राजनीतिक आलोचना लोकतंत्र का हिस्सा है, लेकिन आलोचना और प्रमाणित तथ्य के बीच अंतर बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है।

भारत का सामाजिक ढाँचा विविध और जटिल है। जाति आधारित भेदभाव का इतिहास वास्तविक है और उसे नकारकर सामाजिक न्याय की समस्या का समाधान नहीं किया जा सकता। लेकिन इसी के साथ यह भी सुनिश्चित करना होगा कि कानून किसी निर्दोष व्यक्ति के लिए भय का कारण न बने। सामाजिक न्याय का अर्थ किसी एक सामाजिक समूह के विरुद्ध दूसरे समूह को खड़ा करना नहीं हो सकता। न्याय व्यवस्था का उद्देश्य अपराधी और निर्दोष के बीच स्पष्ट अंतर करना होना चाहिए।

आज आवश्यकता ऐसी व्यवस्था की है जिसमें जाति आधारित अत्याचार के वास्तविक मामलों में त्वरित और कठोर कार्रवाई हो, पीड़ितों को समय पर राहत मिले, जाँच निष्पक्ष हो और आरोपी को भी संविधान द्वारा प्राप्त न्यायिक अधिकार मिलें। यदि कोई शिकायत जानबूझकर झूठी और दुर्भावनापूर्ण सिद्ध होती है तो कानून के अनुसार उसके विरुद्ध भी कार्रवाई होनी चाहिए। इससे न केवल निर्दोष नागरिकों का विश्वास कायम रहेगा, बल्कि वास्तविक पीड़ितों के लिए बने कानून की विश्वसनीयता भी मजबूत होगी।

सामाजिक न्याय और सामाजिक सद्भाव एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं। भारत को ऐसी न्याय व्यवस्था चाहिए जिसमें कमजोर को सुरक्षा मिले, अपराधी को दंड मिले और निर्दोष को भय से मुक्ति मिले। किसी कानून की सफलता केवल इस बात से नहीं मापी जानी चाहिए कि वह कितना कठोर है, बल्कि इस बात से भी कि वह कितना निष्पक्ष और प्रभावी है। लोकतंत्र में कानून का उद्देश्य समाज को बाँटना नहीं, बल्कि नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करते हुए न्याय और विश्वास को मजबूत करना होना चाहिए।

जम्मू-कश्मीर में पूर्ण राज्य के दर्जे की मांग हुई तेज



महेन्द्र तिवारी

जम्मू-कश्मीर विधानसभा ने 28 सितंबर 2026 को केंद्र शासित प्रदेश को पूर्ण राज्य का दर्जा तत्काल बहाल करने की मांग वाला प्रस्ताव ध्वनिमत से पारित कर दिया। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा प्रस्तुत इस प्रस्ताव के पारित होने के समय सदन में तीखा राजनीतिक टकराव देखने को मिला। भारतीय जनता पार्टी के विधायकों ने प्रस्ताव का विरोध किया और मतदान से पहले सदन से बाहर चले गए। प्रस्ताव में भारत सरकार से जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा तत्काल और आवश्यक रूप से बहाल करने का आग्रह किया गया तथा इसे केंद्र सरकार को भेजने का निर्णय लिया गया।

यह घटनाक्रम केवल एक राजनीतिक प्रस्ताव पारित होने तक सीमित नहीं है। इसके पीछे जम्मू-कश्मीर की संवैधानिक स्थिति, निर्वाचित सरकार के अधिकार, केंद्र और केंद्र शासित प्रदेश के बीच शक्तियों का संतुलन तथा वर्ष 2019 के बाद बनी प्रशासनिक व्यवस्था जैसे कई महत्वपूर्ण प्रश्न जुड़े हुए हैं। अगस्त 2019 में तत्कालीन जम्मू-कश्मीर राज्य का पुनर्गठन करके जम्मू-कश्मीर और लद्दाख नाम के दो केंद्र शासित प्रदेश बनाए गए थे। जम्मू-कश्मीर को विधानसभा वाला केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया, जबकि लद्दाख को बिना विधानसभा वाला केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया। इसके बाद 2024 में जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव हुए और उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में निर्वाचित सरकार का गठन हुआ।

वर्तमान स्थिति का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यही है कि जम्मू-कश्मीर में निर्वाचित विधानसभा और सरकार तो मौजूद है, लेकिन उसे अभी पूर्ण राज्य के समान संवैधानिक और प्रशासनिक अधिकार प्राप्त नहीं हैं। इसी अंतर को मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने विधानसभा में अपने तर्क का आधार बनाया। उनका कहना है कि यदि जनता द्वारा चुनी गई सरकार मौजूद है तो उसे व्यापक प्रशासनिक अधिकार भी मिलने चाहिए। उन्होंने केंद्र से यह भी सवाल उठाया कि राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए जिस उचित समय की बात की जाती रही है, उस उचित समय का निर्धारण कब होगा। उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय की उस टिप्पणी का भी उल्लेख किया जिसमें जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा जल्द बहाल करने की बात कही गई थी।

प्रस्ताव की भाषा ही विधानसभा में विवाद का प्रमुख कारण बनी। प्रस्ताव में वर्ष 2000 और वर्ष 2024 में विधानसभा द्वारा पारित पूर्व प्रस्तावों का उल्लेख किया गया है। वर्ष 2000 का प्रस्ताव जम्मू-कश्मीर के लिए अधिक स्वायत्तता की मांग से जुड़ा था, जबकि वर्ष 2024 में विधानसभा ने विशेष संवैधानिक दर्जे की बहाली से संबंधित प्रस्ताव पारित किया था। वर्तमान प्रस्ताव में इन पुराने प्रस्तावों का संदर्भ आने पर भारतीय जनता पार्टी के विधायकों ने आपत्ति जताई। विपक्ष का कहना था कि वह जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने के पक्ष में है, लेकिन प्रस्ताव की भाषा और पुराने संवैधानिक संदर्भों को स्वीकार नहीं किया जा सकता।

इस विवाद को समझने के लिए यह अंतर महत्वपूर्ण है कि पूर्ण राज्य का दर्जा और वर्ष 2019 से पहले की संवैधानिक स्थिति एक ही विषय नहीं हैं। पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने का अर्थ जम्मू-कश्मीर को राज्य की प्रशासनिक और संवैधानिक स्थिति देना है, जबकि विशेष दर्जे से संबंधित प्रश्न अलग संवैधानिक और न्यायिक पृष्ठभूमि से जुड़े हैं। विधानसभा की बहस में इन दोनों मुद्दों के संदर्भ एक साथ आने के कारण राजनीतिक मतभेद और तीखे हो गए। कुछ सदस्यों ने प्रस्ताव में अनुच्छेद 370, अनुच्छेद 35ए तथा वर्ष 2019 की घटनाओं का उल्लेख करने के लिए संशोधन भी सुझाए, लेकिन मुख्यमंत्री ने इन संशोधनों को वापस लेने का आग्रह किया। 28 सितंबर की कार्यवाही के दौरान विधानसभा में विरोध का स्तर काफी बढ़ गया। भारतीय जनता पार्टी के विधायक सदन के बीचोंबीच पहुंच गए और नारेबाजी की।

बोध कथा

सच्चा प्रजपालक

एक बार महाराजा अशोक के राज्य में अकाल पड़ा। जनता भूख तथा प्यास से त्रस्त हो उठी। राजा ने तत्काल राज्य में अन्न के भंडार खुलवा दिए। सुबह से लेने वालों का ताँता लगता और शाम तक न टूटता।

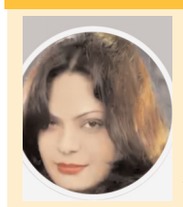
एक दिन संध्या हो गई। जब सब लेने वाले निकट गए तो एक कृशकाय बूढ़ा उठा और उसने अन्न माँगा। बाँटने वाले भी थक चुके थे अतः उन्होंने उसे डाँटकर कहा-कल आना आज तो अब खैरात बंद हो गई।''तभी एक हृष्ट-पुष्ट शरीर के नवयुवक जैसा व्यक्ति आया और बाँटने वालों से बोला-बेचारा बूढ़ा है। मैं देख रहा हूँ बड़ी देर से बैठा है यह।

शरीर से दुर्बल होने के कारण सबसे पीछे रह गया है। इसे अन्न दे दो।''उसकी वाणी में कुछ ऐसा प्रभाव था कि बाँटने वालों ने उसे अन्न दे दिया। उस नवयुवक की सहायता से उसने गठरी बाँध ली। अब उठे कैसे? तब वही युवक बोला-लाओ मैं ही पहुँचाए देता हूँ।'' और गठरी उठाकर पीछे-पीछे चलने लगा।बूढ़े का घर थोड़ी दूर पर रह गया था। तभी एक सैनिक टुकड़े उधर से गुजरी। टुकड़ी के नायक ने घोड़े पर से उतर कर गठरी ले जाने वाले का फौजी अभिवादन किया।

उस व्यक्ति ने संकेत से आगे कुछ बोलने को मना कर दिया। फिर भी बूढ़े की समझ में कुछ-कुछ आ गया। वह वहीं खड़ा हो गया और कहने लगा-आप कौन हैं,सच-सच बताइए।'' वह व्यक्ति बोला-मैं एक नौजवान हूँ और तुम वृद्ध हो,दुर्बल हो। बस इससे अधिक परिचय व्यर्थ है। चलो बताओ तुम्हारा घर किधर है।'' पर अब तक बूढ़ा पूरी तरह पहचान चुका था। वह पैरों में गिर गया और क्षमा माँगते हुए बड़ी मुश्किल से बोला-प्रजापालक आप सच्चे अर्थों में प्रजापालक हैं।''

कविता

कहीं दूर चल



चल मन कही दूर चल
जहां दिखे पूरा चांद
जहां मिले खुला आसमान

हो हवा निर्मल
कल कल बहता हो नदिया का जल।

न हो काला जहरीला धुंआ जहां
बस मुझे वही ले चल।
जहां हो चिड़ियों की चहचहाट
जहां मिले जीवन की आहट
न हो भागम भाग जहां
मिले खुद को खुद का साथ
जहां
बस वही ले चल।

चल मन कही दूर चल
हां चंदा लोरी सुनाएं
सूरज की किरणे सुबह जगाए
जहां हो प्रकृति का संगीत
धूप हरियाली बन जाए
मनमीत
ले चल मुझे बस वही ले चल।।

व्यंग्य केसरी

रिप लिखने से पुण्य मिलता है



रविकान्त राऊत

सुबह मोबाइल खोला तो पता चला कि चौबे जी नहीं रहे। यह खबर उनके बेटे ने नहीं, फेसबुक ने दी। ऊपर मुस्कुराती हुई तस्वीर थी और नीचे लिखा था— '? शांति RIP।'

उसके नीचे श्रद्धांजलियों की ऐसी बाढ़ थी, जैसे चुनाव के दिनों में वादों की आती है। कोई लिख रहा था— 'अविश्वसनीय', कोई— 'बहुत बड़ी क्षति।' एक सज्जन ने लिखा— 'बहुत जल्दी चले गए', जबकि चौबे जी अस्सी वर्ष की आयु में संसार छोड़कर गए थे। लगा, यमराज यह टिप्पणी पढ़ लें तो अपना कैलेंडर देखकर असमंजस में पड़ जाएँ।

चौबे जी मेरे पुराने परिचित थे। सुबह पार्क में मुलाकात होती थी। पिछले कुछ वर्षों से उनका सबसे बड़ा दुख घुटनों का दर्द नहीं, अकेलापन था। कहते थे, 'शरीर तो चल रहा है, पर अब लोग हालचाल नहीं पूछते।'

दोनों बेटे विदेश में थे। पोते-पोतियाँ वीडियो कॉल पर हाथ हिला देते थे। एक दिन उन्होंने हँसते हुए कहा था, 'अब लोग मिलने नहीं आते, बस कहते हैं कि अंकल, स्टेटस देख लिया था, सब ठीक लग रहे थे।' तब लगा था कि आदमी का स्वास्थ्य अब डॉक्टर नहीं, व्हाट्सऐप स्टेटस प्रमाणित करता है।

दोपहर तक उनके निधन की खबर सैकड़ों लोगों तक पहुँच गई। शाम तक हजारों 'RIP' लिखे जा चुके थे। मोहल्ले के शर्मा जी ने पूछा, 'यह आरआईपी होता क्या है?' अर्थ समझाने पर बोले, 'मैं तो समझा कोई सरकारी योजना होगी।'

फिर गंभीर होकर बोले, 'जीते-जी आदमी के लिए दो मिनट नहीं होते और मरने के बाद लोग अंग्रेज़ी में शांति भेज रहे हैं।'

बात सही थी। अस्पताल जाने के लिए चौबे जी को रिक्शेवाला ढूँढ़ना पड़ता था, दवा लाने वाला कोई नहीं मिलता था। लेकिन अब उनकी तस्वीर के नीचे रोते हुए इमोजी सज रहे थे।

आधुनिक समाज बड़ा दयालु हो गया है। उसे मृतकों से बहुत प्रेम है, जीवित लोगों से थोड़ी असुविधा होती है। जीवित आदमी को समय देना पड़ता है, उसकी बातें सुननी पड़ती हैं। दिवंगत व्यक्ति अधिक सुविधाजनक होता है।

मेरे एक मित्र की माँ महीनों बीमार रहीं, पर उनके पास समय नहीं था। माँ के जाने के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर इतना भावुक लेख लिखा कि पढ़ने वालों की आँखें नम हो गईं। बस, माँ की आँखें नम होने के लिए अब बची नहीं थीं।

एक दिन पार्क में चौबे जी ने कहा था, 'आदमी की सबसे बड़ी भूख रोटी की नहीं, याद किए जाने की है।'

कभी-कभी सोचता हूँ, अगर चौबे जी लौट आएँ और ये सब टिप्पणियाँ पढ़ लें, तो शायद मुस्कुराकर इतना ही कहें— 'बेटा, इतना प्यार दो साल पहले दिखा देते, तो शायद मैं थोड़ा और जी लेता।'

जबलपुर, मध्य प्रदेश

इतिहास

30 सितंबर का दिन देश और दुनिया के इतिहास में कई अहम घटनाओं के साथ दर्ज है।

महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाएँ

ज़ 1687: मुगल शासक औरंगजेब ने हैदराबाद के गोलकुंडा किले पर कब्जा किया था।

1947: पाकिस्तान और यमन संयुक्त राष्ट्र के सदस्य बने थे।

1954: दुनिया की पहली परमाणु-संचालित पनडुब्बी 'यूएसएस नॉटिलस' को अमेरिकी नौसेना में शामिल किया गया था।

1993: महाराष्ट्र के लातूर और उस्मानाबाद क्षेत्र में आए भीषण भूकंप से भारी तबाही मची थी, जिसमें लगभग 10,000 लोगों की जान गई थी।

2010: इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ ने अयोध्या के बाबरी मस्जिद-राम जन्मभूमि विवाद पर ऐतिहासिक फैसला देते हुए विवादित जमीन को तीन हिस्सों में बांटा था।

राष्ट्रीय पार्टी में बड़ा पद दिलाने का झांसा देकर 82.63 लाख की ठगी

पहले से वसूली और जुआ समेत कई मामले दर्ज, महिला गिरफ्तार

विश्व केसरी■

बिलासपुर (सुरेश सिंह बैस)। एक राष्ट्रीय पार्टी में बड़ा पद दिलाने और पार्टी की सदस्यता दिलाने के नाम पर 82 लाख 63 हजार रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। सरकंडा पुलिस ने मामले की मुख्य आरोपी महिला निखत परवीन शाबरी उर्फ निकहत शाबरी उर्फ निक्की (34) को गिरफ्तार किया है। आरोपी महिला खोंगापानी स्थित अपने घर में मिली, जहां से पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी के खिलाफ पहले से वसूली और जुआ समेत कई मामले दर्ज हैं। गिरफ्तारी के बाद उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।



पुलिस के अनुसार, सरकंडा के विहार निवासी चेतन आनंद दुबे की वर्ष 2025 में फेसबुक के जरिए निखत से पहचान हुई थी। महिला ने खुद को एक राष्ट्रीय पार्टी का कार्यकर्ता बताते हुए बड़े नेताओं से करीबी संपर्क होने का दावा किया। शुरुआत में जमीन विवाद सुलझाने का भरोसा दिलाकर उसने चेतन का विश्वास जीता।

इसके बाद पार्टी में बड़ा पद दिलाने और ज्वाइनिंग कराने के नाम पर पार्टी फंड और कागजी प्रक्रिया का हवाला देकर रकम मांगनी शुरू कर दी। पुलिस के मुताबिक, प्रार्थी और उसके परिचितों के बैंक खातों के जरिए ऑनलाइन तथा नकद मिलाकर कुल 82 लाख 63 हजार रुपए लिए गए।

जब चेतन ने अपनी रकम वापस मांगी तो महिला पर धमकी देने का भी आरोप है। शिकायत के आधार पर सरकंडा पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू की और खोंगापानी पहुंचकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से मोबाइल, आधार कार्ड के साथ प्रार्थी के दस्तावेज और बायोडाटा भी जब्त किए हैं।

22 हजार की रिश्वत लेते नागरिक आपूर्ति विभाग का अधिकारी गिरफ्तार

संयुक्त कार्यालय में एसीबी की दबिश से मचा हड़कंप

विश्व केसरी■

बलरामपुर (आफताब आलम)। जिले में भ्रष्टाचार के खिलाफ एंटी करप्शन ब्यूरो ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारी विद्यासागर गोपाल को कथित रूप से 22 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा। कार्रवाई बलरामपुर स्थित संयुक्त कार्यालय परिसर में की गई। एसीबी की अचानक कार्रवाई से कार्यालय परिसर में कुछ समय के लिए हड़कंप की स्थिति निर्मित हो गई।

शिकायत के बाद शुरू हुआ सत्यापन

प्राप्त जानकारी के अनुसार, नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारी विद्यासागर गोपाल के खिलाफ रिश्वत लेने से संबंधित शिकायत एसीबी को प्राप्त हुई थी। शिकायत मिलने के बाद एसीबी की टीम ने नियमानुसार शिकायत का सत्यापन किया। सत्यापन के बाद मंगलवार को टीम ने निर्धारित कार्रवाई को अंजाम देने की तैयारी की और बलरामपुर के संयुक्त कार्यालय परिसर पहुंची।

22 हजार लेते पकड़े जाने का दावा

बताया जा रहा है कि कार्रवाई



के दौरान एसीबी की टीम ने अधिकारी को 22 हजार रुपए की कथित रिश्वत लेते हुए पकड़ा। इसके बाद टीम ने मामले से संबंधित आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू की। कार्रवाई के दौरान एसीबी अधिकारियों ने जरूरी दस्तावेजों एवं अन्य सामग्री की जांच करते हुए साक्ष्य जुटाने की प्रक्रिया भी पूरी की।

कार्यालय परिसर में मची हलचल

संयुक्त कार्यालय परिसर में एसीबी की टीम के पहुंचने और कार्रवाई शुरू होने की जानकारी मिलते ही कर्मचारियों तथा वहां मौजूद लोगों में चर्चा शुरू हो गई। कार्रवाई के बाद नागरिक आपूर्ति विभाग से जुड़े कर्मचारियों के बीच भी पूरे दिन मामले को लेकर चर्चाओं का दौर चलता रहा।

रिश्वत किस काम के एवज में ली गई, जांच में होगा स्पष्ट

फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि कथित रूप से मांगी गई 22 हजार की रिश्वत किस शासकीय कार्य को करने अथवा लंबित कार्य के निराकरण के एवज में मांगी गई थी। शिकायतकर्ता से कथित रिश्वत की मांग किस परिस्थिति में हुई, इसकी विस्तृत जानकारी एसीबी की जांच और आधिकारिक कार्रवाई पूरी होने के बाद सामने आने की उम्मीद है।

8.93 करोड़ रुपए की जल जीवन मिशन योजना पर गंभीर सवाल जमीन पर काम अधूरा

कागजी कार्यवाही पूरी होने की आशंका

विश्व केसरी■

अकलतरा (नीरज शर्मा)। नगर पंचायत नरियरा में जल जीवन मिशन के अंतर्गत लगभग 8.93 करोड़ रुपए की लागत से स्वीकृत पेयजल योजना को लेकर नगर पंचायत के पार्षदों ने गंभीर सवाल उठाते हुए आज जिला कलेक्टर एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन मुख्य अभियंता को लिखित आवेदन सौंपकर उच्चस्तरीय जांच की मांग की है।

पार्षदों के अनुसार, योजना का उद्देश्य नगर के प्रत्येक पात्र घर तक नल के माध्यम से पेयजल पहुंचाना था, लेकिन 3-4 वर्ष बीत जाने के बाद भी अनेक वार्डों में पाइपलाइन, घरेलू नल कनेक्शन एवं अन्य आवश्यक कार्य अधूरे हैं और कई स्थानों पर नियमित जलापूर्ति भी नहीं हो रही है।

पार्षदों ने अपने आवेदन में सबसे गंभीर सवाल यह उठाया है कि जब मौके पर कार्य पूर्ण नहीं हुआ है, तो संबंधित कार्यों की NOC/पूर्णता संबंधी कार्यवाही एवं भुगतान किस आधार पर किया गया? इससे यह आशंका उत्पन्न होती है कि कहीं जमीनी हकीकत के विपरीत कागजी कार्यवाही में कार्य पूर्ण तो नहीं दर्शाया गया। पार्षदों का कहना है कि संबंधित ठेकेदारों द्वारा कार्य पूर्ण होने की जानकारी दिए जाने के बाद जब वार्डों में वास्तविक स्थिति देखी गई, तो कई स्थानों पर कार्य अभी भी शेष पाए गए।

ऐसे में योजना की वास्तविक भौतिक स्थिति, माप पुस्तिका, बिल-वाउचर, भुगतान, NOC, कार्यादेश तथा संबंधित अधिकारियों एवं ठेकेदारों की भूमिका की जांच आवश्यक है। 'करोड़ों की योजना, फिर भी जनता के घर पानी अधूरा क्यों?'

पार्षदों ने कहा कि यह मामला किसी व्यक्तिगत विवाद का नहीं बल्कि नरियरा की जनता के अधिकार और करोड़ों रुपये के शासकीय धन की जवाबदेही का है। जनता के लिए स्वीकृत राशि का उपयोग यदि वास्तविक कार्य के बजाय केवल कागजी प्रक्रिया तक सीमित रहा है, तो इसकी निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए।

पार्षदों ने प्रशासन से मांग की है कि पूरे कार्य का स्वतंत्र तकनीकी एवं वित्तीय सत्यापन कराया जाए, मूल अभिलेख सुरक्षित रखे जाएं तथा यदि जांच में अपूर्ण कार्य के बावजूद NOC, पूर्णता अथवा भुगतान संबंधी अनियमितता सामने आती है तो संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों एवं ठेकेदारों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए। पार्षदों ने स्पष्ट कहा—'हमारी लड़ाई किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि नरियरा की जनता को उनके हिस्से का पानी और जनता के पैसे का पूरा हिसाब दिलाने के लिए है।' ज्ञापन प्रक्रिया में भवानी सिंह नगर पंचायत सभापति विनीत नोर्गे पार्षद प्रतिनिधि ईश्वरी कर्ष, नगर के अन्य नागरिक उपस्थिति थे।

गणित, विज्ञान एवं संस्कृति महोत्सव का हुआ समापन

विश्व केसरी■

भानुप्रतापपुर (दीपक शर्मा)। विद्या भारती छत्तीसगढ़ द्वारा सरस्वती शिशु मंदिर भानुप्रतापपुर में आयोजित तीन दिवसीय गणित, विज्ञान एवं संस्कृति महोत्सव का भव्य समापन हुआ। महोत्सव में कांकेर विभाग के कांकेर, कोंडागांव एवं नारायणपुर जिले के 17 विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक सहभागिता की। विद्यार्थियों ने गणित, विज्ञान, कला, संस्कृति, गीत-संगीत सहित विभिन्न विधाओं में अपनी 300 बच्चों ने प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विजेता और उपविजेता को मेडल, मोमेंटो देकर सम्मान किया गया।

साथ आये निर्णायक, संरक्षक आचार्य, दीदियों का भी सम्मान किया गया।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि व्यवसायी दीपेश चोपड़ा ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास



के लिए इस प्रकार के आयोजन बेहद महत्वपूर्ण हैं।

सरस्वती शिशु मंदिर लगातार संस्कारवान, प्रतिभावान और बेहतर नागरिक बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है। उन्होंने प्रतियोगिताओं में विजेता विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि जो विद्यार्थी इस बार सफल नहीं हो पाए, वे निराश न हों। निरंतर प्रयास और मेहनत से आने वाले समय में बेहतर प्रदर्शन कर सफलता हासिल की जा सकती है।

बैंक ऑफ बड़ौदा के प्रबंधक शंभूनाथ ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चों के विकास में पढ़ाई के साथ खेल और मानसिक विकास भी आवश्यक है। प्रतियोगिताओं में भाग लेने से बच्चों में आत्मविश्वास, अनुशासन और टीम भावना विकसित होती है। समिति के उपाध्यक्ष नरेश जैन ने कहा कि महोत्सव का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना है। कांकेर विभाग के तीन जिलों के 17 विद्यालयों के विद्यार्थियों ने इसमें शामिल होकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। निश्चित रूप से यह आयोजन सफल रहा है। उन्होंने आयोजन से जुड़े सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं सहयोगियों को बधाई देते हुए कहा कि आगामी वर्षों में इसे और बेहतर बनाने का प्रयास किया जाएगा। संस्था के व्यवस्थापक रामदेव नायक ने आयोजन की सफलता के लिए सभी अतिथियों, विद्यालयों, आचार्यों, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों का आभार व्यक्त किया।

व्यापारी संघ के अध्यक्ष राकेश रमानी ने कहा कि सरस्वती शिशु मंदिर लंबे समय से बच्चों को शिक्षा के साथ संस्कार देने का कार्य कर रहा है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने और उनके व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

संबलपुर सरस्वती शिशु मंदिर के व्यवस्थापक पारस बोथरा ने भी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें निरंतर मेहनत करने के लिए प्रेरित किया।

डभरा पुलिस की साइबर जागरूकता पहल

विश्व केसरी■

सक्ती (ईश्वर लोधी)। पुलिस अधीक्षक जिला सक्ती प्रफुल्ल ठाकुर (भा.पु.से.) के निर्देशन एवं अति. पुलिस अधीक्षक एवं एसडीओपी डभरा के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे राज्यव्यापी साइबर जागृति अभियान (15 अगस्त से 02 अक्टूबर 2026) के तहत 28 सितंबर को थाना डभरा पुलिस द्वारा मंगल भवन ग्राम कोटमी में साइबर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में सरपंच कमला खड़िया, उप सरपंच द्वारिका प्रसाद चौधरी, जनपद सदस्य मानकुंवर पटेल,प्रिंसिपल हायर सेकेंडरी स्कूल बालक मुकेश साहू, कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल रामकृष्ण पटेल, पूर्व बीईओ उमाशंकर पटेल, कोआपरेटिव बैंक अध्यक्ष मनीष चौधरी उपस्थित छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं नागरिकों की



उपस्थिति में साइबर ठगी के नए तरीकों के बारे में विस्तार से बताया गया।

अभियान का मुख्य उद्देश्य - आम नागरिकों, स्कूली बच्चों, युवाओं, महिलाओं एवं ग्रामीण अंचल के लोगों को डिजिटल धोखाधड़ी कैसे होती है और उससे कैसे बचा जाए, के संबंध में जागरूक करना है।

साइबर अपराधों से बचने के लिए पुलिस अधीक्षक सक्ति एवं थाना डभरा पुलिस की अपील :- OTP/पासवर्ड गुप्त रखें -बैंक खाता, ATM पिन, OTP किसी भी अनजान व्यक्ति को न बताएं। अनजान लिंक से बचें - किसी भी अनजान नंबर से आई.क्यू फाइल, लॉटरी, नौकरी या केवाईसी अपडेट की लिंक पर क्लिक न करें। वीडियो कॉल से सावधान - व्हाट्सएप पर अनजान/विदेशी नंबर से आने वाली वीडियो कॉल रिसीव न करें। डिजिटल अरेस्ट एक फ्रॉड है - पुलिस, CBI, ED अधिकारी बनकर वीडियो कॉल पर डराकर पैसे मांगना ठगी है। भारत सरकार द्वारा ऐसा कोई 'डिजिटल अरेस्ट' नहीं किया जाता। तुरंत रिपोर्ट करें -ठगी होने पर घबराएं नहीं, तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें या www.cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज करें।

जनता के जनादेश को स्वीकार करे कांग्रेस : कवि शरण वर्मा

विश्व केसरी■

सक्ती (ईश्वर लोधी)। कांग्रेस द्वारा चुनाव आयोग एवं अन्य संवैधानिक संस्थाओं की कार्यप्रणाली पर लगातार सवाल उठाए जाने को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है।

सक्ती में आयोजित प्रेस वार्ता में भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला प्रभारी एवं जनपद अध्यक्ष कवि शरण वर्मा ने कहा कि संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर सवाल खड़ा करना कांग्रेस की राजनीतिक हताशा और जनादेश को स्वीकार नहीं कर पाने की मानसिकता को दर्शाता है।

कांग्रेस जब चुनाव जीतती है तो चुनाव प्रक्रिया और संवैधानिक संस्थाएं उसे निष्पक्ष नजर आती हैं, लेकिन जब जनता कांग्रेस को नकार देती है तो वही संस्थाएं उसके निशाने पर आ जाती हैं। यह दोहरा



रवैया लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण संवैधानिक अंग है। चुनाव प्रक्रिया को लेकर यदि किसी राजनीतिक दल को कोई आपत्ति है तो उसके लिए संवैधानिक और कानूनी रास्ते उपलब्ध हैं। लेकिन बिना ठोस तथ्य के लगातार आरोप लगाकर जनता के बीच भ्रम फैलाने का प्रयास लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा को प्रभावित करता है। कवि शरण वर्मा ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि जनता के बीच अपना जनाधार मजबूत करने के बजाय कांग्रेस संवैधानिक संस्थाओं पर आरोप लगाने की राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि जनता अब तथ्यों को समझती है और केवल राजनीतिक आरोपों से उसे गुमराह नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि भाजपा संविधान, लोकतंत्र और देश की संवैधानिक संस्थाओं के सम्मान के लिए प्रतिबद्ध है। कांग्रेस को भी अपनी राजनीतिक असहमति को लोकतांत्रिक मर्यादाओं के भीतर व्यक्त करना चाहिए।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शिवरीनारायण में बच्चों का टीकाकरण

विश्व केसरी■

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। बच्चों को विभिन्न संक्रामक एवं गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शिवरीनारायण में मंगलवार को नियमित टीकाकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान 5 वर्ष तक के बच्चों को उनके टीकाकरण कार्ड के अनुसार आवश्यक टीके लगाए गए। टीकाकरण के लिए पहुंचे बच्चों के अभिभावकों को स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा टीकों की उपयोगिता और समय पर टीकाकरण कराने के संबंध में जानकारी दी गई।

टीकाकरण के दौरान स्वास्थ्यकर्मियों ने बच्चों की उम्र एवं पूर्व में लगाए गए टीकों की जानकारी टीकाकरण कार्ड के माध्यम से जांची। इसके बाद निर्धारित टीके लगाए गए। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने



अभिभावकों को बताया कि बच्चों को समय पर सभी जरूरी टीके लगवाना उनके स्वस्थ विकास के लिए महत्वपूर्ण है। नियमित टीकाकरण से बच्चों को कई गंभीर बीमारियों से बचाने में मदद मिलती है। स्वास्थ्यकर्मियों ने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों के टीकाकरण की अगली निर्धारित तारीख का विशेष ध्यान रखें। यदि किसी कारण से बच्चे का कोई टीका छूट गया है तो नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में संपर्क कर छूटा हुआ टीका लगवाया जा सकता है।

79 वर्षीय दृष्टिबाधित मां को इलाज के लिए नहीं मिली अनुमति

विश्व केसरी■

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। बाढ़ के कारण शबरी पुल पर सभी प्रकार के वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित किए जाने के बीच एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने प्रशासनिक व्यवस्था के साथ मानवीय संवेदनाओं पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। नगर के वरिष्ठ पत्रकार श्याम जी कर्ष का कहना है कि उन्हें अपनी 79 वर्षीय दृष्टिबाधित मां को नदी के उस पार से लेने जाने के लिए दोपहिया वाहन से पुल पार करने की अनुमति नहीं दी गई।

श्याम जी कर्ष के अनुसार उनकी मां दोनों आंखों से देख नहीं सकती हैं और उनकी उम्र 79 वर्ष है। वह नदी के उस पार से बस के माध्यम से आई थीं। ऐसे में उन्हें पैदल पुल पार कराने में काफी परेशानी होने की आशंका थी। इसी परेशानी को देखते हुए उन्होंने पुल पर तैनात प्रशासनिक टीम से निवेदन किया कि उन्हें अपनी मां को लेने के लिए दोपहिया वाहन से



सावधानीपूर्वक पुल पार करने की अनुमति दी जाए।

उनके अनुसार पुल पर तैनात टीम ने पहले थाना प्रभारी से बात करने को कहा। थाना प्रभारी से चर्चा के बाद भी जब बात नहीं बनी तो उन्होंने एसडीएम से संपर्क किया। श्याम जी कर्ष का कहना है कि एसडीएम से बात होने पर उन्होंने अपनी मां की उम्र, दृष्टिबाधिता और परिस्थितियों की पूरी जानकारी दी। इसके बावजूद उन्हें अनुमति नहीं दी गई।

'आपको अनुमति देंगे तो सभी को देनी पड़ेगी'-श्याम जी कर्ष के अनुसार एसडीएम द्वारा उन्हें यह कहते हुए अनुमति देने से मना किया गया कि 'आपको अनुमति देंगे तो सभी को देनी पड़ेगी।' उनका कहना है कि उन्होंने स्पष्ट किया था कि वह किसी सामान्य आवागमन के लिए अनुमति नहीं मांग रहे हैं, बल्कि अपनी 79 वर्षीय दृष्टिबाधित मां को लेने के लिए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी निवेदन किया कि यदि उन्हें स्वयं दोपहिया वाहन से जाने की अनुमति नहीं दी जा सकती तो पुल पर तैनात किसी पुलिसकर्मी या जवान को उनकी मां तक भेजकर उन्हें सुरक्षित इस ओर पहुंचा दिया जाए। उनके अनुसार इस विकल्प पर भी सहमति नहीं बनी।

पुल पर काम चलने की बात भी कही गई, मौके पर नजर नहीं आया कोई प्रशासनिक कार्य

श्याम जी कर्ष के अनुसार बातचीत के दौरान एसडीएम मैडम द्वारा यह भी कहा गया कि पुल पर कार्य चल रहा है। हालांकि उनका कहना है कि जब वह मौके पर मौजूद थे, उस समय पुल पर किसी प्रकार का प्रशासनिक कार्य होता हुआ दिखाई नहीं दे रहा था।

ऐसे में सवाल यह भी उठ रहा है कि यदि पुल पर किसी कार्य के चलते आवागमन में अतिरिक्त प्रतिबंध था, तो उस कार्य की प्रकृति और आपात स्थिति में अपनाई जाने वाली वैकल्पिक व्यवस्था के बारे में लोगों को स्पष्ट जानकारी क्यों नहीं दी गई?

आयोग की सफाई से खुली सच्चाई की परतें : ओम प्रकाश

विश्व केसरी■

बलरामपुर (आफताब आलम)। भारतीय जनता पार्टी जिला बलरामपुर द्वारा आयोजित प्रेसवार्ता में जिलाध्यक्ष ओम प्रकाश जायसवाल ने चुनाव आयोग की हालिया स्पष्टता को लेकर कांग्रेस और विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग की ओर से 26 सितंबर को जारी संयुक्त बयान के बाद स्ट्रक सहित चुनावी प्रक्रिया को लेकर फैलाए जा रहे भ्रम और आरोपों की वास्तविक स्थिति जनता के सामने स्पष्ट हो गई है। भाजपा



जिलाध्यक्ष जायसवाल ने कहा कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार तथा निर्वाचन आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी की बैठक के बाद आयोग ने स्पष्ट किया कि स्ट्रक से जुड़े प्रमुख निर्णय आयोग की सर्वसम्मत स्वीकृति से लिए गए हैं। मीडिया रिपोर्टों में भी आयोग के इस स्पष्टीकरण का उल्लेख है। उन्होंने कहा कि 24 जून 2025 के स्ट्रक आदेश से लेकर विभिन्न चरणों की समय-सारणी तक निर्णयों को आयोग ने सर्वसम्मति से स्वीकृत बताया है। भाजपा का कहना है कि ऐसे में चुनाव आयोग के कामकाज को लेकर बिना पर्याप्त तथ्य के सवाल उठाना लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति अविश्वास पैदा करने का प्रयास है।

सेंसेक्स 243 अंक फिसला निफ्टी 22,700 के करीब

विश्व केसरी



मुंबई। ऊंचे कच्चे तेल की कीमतों और वैश्विक बॉन्ड यील्ड में अस्थिरता के कारण जोखिम से बचने की भावना को बढ़ावा मिलने से लगातार दूसरे कारोबारी दिन मंगलवार को भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुआ। हालांकि शुरुआती बिकवाली के बाद बाजार संभलता नजर आया। शुरुआती कारोबार में दोनों प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स 1-1 प्रतिशत तक फिसल गए थे।

बीएसई सेंसेक्स 242.65 अंक यानी 0.33 प्रतिशत गिरकर 72,529.07 पर आ गया, तो वहीं निफ्टी50 64.05 अंक यानी 0.28 प्रतिशत फिसलकर 22,716.20 पर पहुंच गया।

दिन के कारोबार में सेंसेक्स अपने पिछले बंद 72,771.72 से 138 अंक यानी 0.18 प्रतिशत गिरकर 72,633.68 पर खुला और एक समय इंट्रा-डे ट्रेड में यह करीब 708 अंक यानी 0.97 प्रतिशत गिरकर 72,064 के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गया। वहीं, निफ्टी 50 अपने पिछले बंद 22,780.25 से मामूली 0.20 प्रतिशत फिसलकर 22,732.45 पर खुला और दिन के कारोबार में एक समय यह 210.6 अंक यानी 0.92 प्रतिशत गिरकर 22,569.65 के निचले स्तर पर पहुंच गया। व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप में क्रमश: 0.99 प्रतिशत और 0.81 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

सेक्टरवार देखें तो निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी केमिकल और निफ्टी रियल्टी में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई, जिनमें क्रमश: 2.71 प्रतिशत, 2.31 प्रतिशत और 2 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली। इसके बाद निफ्टी आईटी, निफ्टी ऑटो, निफ्टी एफएमसीजी में 1 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई, जबकि निफ्टी मेटल, निफ्टी फार्मा और निफ्टी मीडिया ने बेहतर प्रदर्शन किया।

निफ्टी50 इंडेक्स में सबसे ज्यादा तेजी अदाणी इंटरप्राइजेज और अदाणी पोर्ट्स के शेयरों में रही, जिनमें क्रमश: 5 प्रतिशत और 4.4 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। इसके अलावा, डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज, सन फार्मा, इंफोसिस और कोटक बैंक के शेयरों में भी अच्छी तेजी देखने को मिली। जबकि इसके विपरीत, टाइटन, विप्रो, एचसीएल टेक, अपोलो हॉस्पिटल, टेक महिंद्रा, बजाज-ऑटो और टीसीएस के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट देखने को मिली। निफ्टी के टेक्निकल आउटलुक पर बात करते हुए एक मार्केट एक्सपर्ट्स ने कहा कि 23,500-23,600 के जोन में भी खरीदारी में ज्यादा दिलचस्पी नहीं दिखी, जिससे बाजार में रिकवरी की कोशिशें धीमी रहीं।

ऊपर की तरफ़, 22,750-22,800 का लेवल अभी भी तुरंत रेजिस्टेंस जोन बना हुआ है। एक्सपर्ट ने कहा, 'नीचे की तरफ, 22,550-22,600 का लेवल मुख्य इमीडिएट सपोर्ट जोन बना हुआ है, जबकि 22,500 के नीचे जाने पर बिकवाली का दबाव बढ़ सकता है और इंडेक्स 22,300-22,000 के लेवल तक जा सकता है।'

कमजोरी का असर पूरे बाजार पर दिखा क्योंकि इन्वेस्टर्स ने मिड-कैप और स्मॉल-कैप शेयरों में अपनी हिस्सेदारी कम की। जानकारों का कहना है कि मार्केट में शामिल लोग सतर्क बने हुए हैं क्योंकि एनर्जी की बढ़ती कीमतें और ग्लोबल बॉन्ड यील्ड में उतार-चढ़ाव निवेश के नजरिए पर असर डाल रहे हैं।

बढ़ती क्षमता उपयोग और मजबूत मांग से नए पूंजीगत निवेश चक्र को मिल रहा बढ़ावा

विश्व केसरी



मुंबई। भारतीय उद्योग परिसंघ फिक्की (एफआईसीसीआई) के अध्यक्ष और आरपीजी ग्रुप के वाइस चेयरमैन अनंत गोयनका ने मंगलवार को कहा कि भारत में व्यापक आधार पर आर्थिक वृद्धि देखने को मिल रही है और बढ़ते क्षमता उपयोग के चलते कंपनियां पूंजीगत निवेश (कैपेक्स) बढ़ा रही हैं। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में मांग सुधरने से कारोबारी विश्वास मजबूत हुआ है और इससे निवेश गतिविधियों को नई गति मिल रही है।

फिक्की फ्रेम्स कार्यक्रम के दौरान न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में अनंत गोयनका ने कहा कि लगभग सभी क्षेत्रों में विकास के संकेत दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हम अर्थव्यवस्था में व्यापक स्तर पर वृद्धि देख रहे हैं। क्षमता उपयोग बढ़ने के साथ विभिन्न क्षेत्रों में पूंजी निवेश भी बढ़ रहा है।'

उन्होंने विशेष रूप से ऑटोमोबाइल क्षेत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि इस सेक्टर में अपेक्षाकृत अधिक तेज वृद्धि दर्ज की गई है, जिसका सकारात्मक प्रभाव पूरे सप्लाई नेटवर्क और वैल्यू चेन पर पड़ रहा है। ऑटो सेक्टर में बढ़ती मांग के कारण पुर्जों, कच्चे माल, लॉजिस्टिक्स और अन्य संबद्ध उद्योगों को भी लाभ मिल रहा है। हालांकि, गोयनका ने यह भी कहा कि उद्योगों के सामने लाभ मार्जिन को लेकर चुनौतियां बनी हुई हैं। बढ़ती कमोडिटी कीमतों के कारण कंपनियों की लागत बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि कंपनियां कुछ अतिरिक्त लागत उपभोक्ताओं तक पहुंचाने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन आमतौर पर इसमें समय लगता है और इसका पूरा असर तुरंत कीमतों में दिखाई नहीं देता।

उन्होंने कहा कि कमोडिटी कीमतों के स्थिर होने तक मार्जिन पर दबाव बना रह सकता है। विशेष रूप से कच्चे तेल की कीमतों में आई तेजी को उन्होंने उद्योगों के लिए चिंता का विषय बताया। उन्होंने कहा कि ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमतें लगभग 90 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 100 डॉलर प्रति बैरल या उससे ऊपर पहुंच गई हैं, जिससे विभिन्न उद्योगों की लागत बढ़ रही है।

बढ़ती महंगाई और महंगे कच्चे तेल के बीच आरबीआई पर बढ़ा दबाव, ब्याज दरें स्थिर रखना हो सकता है मुश्किल: रिपोर्ट

विश्व केसरी



नई दिल्ली। बढ़ती कच्चे तेल की कीमतों, महंगाई के दबाव और वैश्विक बॉन्ड यील्ड में तेजी के बीच भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के लिए ब्याज दरों को मौजूदा स्तर पर बनाए रखना पहले की तुलना में अधिक चुनौतीपूर्ण हो सकता है। मंगलवार को जारी बीएनपी परिबास इंडिया की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि हाल के सप्ताहों में भारत का व्यापक आर्थिक परिदृश्य कुछ कमजोर हुआ है, जिससे मौद्रिक नीति पर दबाव बढ़ सकता है।

रिपोर्ट के अनुसार, ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गई हैं, जबकि अमेरिकी 10-वर्षीय ट्रेजरी यील्ड 5 प्रतिशत के करीब पहुंच गई है। इसके साथ ही दुनिया भर में महंगाई के दबाव बने हुए हैं और कई केंद्रीय बैंक ब्याज दरों में वृद्धि का रास्ता अपना रहे हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत ने विदेशी मुद्रा गैर-निवासी (एफसीएनआर) जमा के जरिए अपने बाहरी क्षेत्र को मजबूत किया है, लेकिन विकसित देशों में बढ़ती ब्याज दरों के कारण पूंजी निकासी का जोखिम भी बढ़ गया है। ऐसे माहौल में आरबीआई के लिए नीतिगत दरों को लंबे समय तक स्थिर बनाए रखना कठिन हो सकता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि कच्चे तेल और अन्य कमोडिटी की कीमतों में वृद्धि निकट अवधि में भारत के लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। इसी कारण रुपए पर दबाव बढ़ा है और आरबीआई के पास ब्याज दरें अपरिवर्तित रखने की गुंजाइश सीमित होती जा रही है।

बीएनपी परिबास इंडिया के भारतीय इक्विटी अनुसंधान प्रमुख कुणाल वोरा ने कहा कि भारत का व्यापक आर्थिक दृष्टिकोण तेल कीमतों के प्रति बेहद संवेदनशील है और पश्चिम एशिया में ताजा तनाव देश के लिए नकारात्मक संकेत लेकर आया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले दो सप्ताह में रुपया लगभग 1 प्रतिशत कमजोर हुआ है। वहीं भारत की 10-वर्षीय बॉन्ड यील्ड 7 प्रतिशत के ऊपर पहुंच गई है और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की बिकवाली भी फिर शुरू हो गई है।

ऊंची बॉन्ड यील्ड और वैश्विक अनिश्चितताओं से कीमती धातुओं पर दबाव, सोने-चांदी में 1 प्रतिशत से ज्यादा तक की गिरावट

विश्व केसरी



मुंबई। ऊंचे अमेरिकी बॉन्ड यील्ड और अमेरिका-ईरान के बीच जारी तनाव के चलते मंगलवार के सत्र में सोने-चांदी की कीमतों में कमजोरी देखने को मिली। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दोनों कीमती धातुओं में 1 प्रतिशत से ज्यादा तक की गिरावट दर्ज की गई, जिससे बुलियन बाजार पर दबाव बना रहा।

एमसीएक्स पर दिसंबर डिलीवरी वाला सोना वायदा 487 रुपए या 0.33 प्रतिशत गिरकर 1,48,410 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। कारोबार के दौरान सोना 747 रुपए या 0.50 प्रतिशत टूटकर 1,48,150 रुपए के इंट्राडे निचले स्तर तक पहुंच गया। वहीं इसका दिन का उच्चतम स्तर 1,49,034 रुपए रहा।

दूसरी ओर दिसंबर डिलीवरी वाली चांदी वायदा में अधिक दबाव देखने को मिला। कारोबार के दौरान चांदी 2,942 रुपए या 1.29 प्रतिशत गिरकर 2,24,500 रुपए प्रति किलोग्राम के इंट्राडे निचले स्तर तक पहुंच गई। बाद में यह 2,104 रुपए या 0.93 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,25,338 रुपए प्रति किलोग्राम पर कारोबार करती दिखाई दी।

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, कीमती धातुओं में यह गिरावट मुख्य रूप से अमेरिका और ईरान के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर बढ़ते तनाव के कारण आई। इस तनाव ने वैश्विक ऊर्जा कीमतों को ऊंचा बनाए रखा है, जबकि अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में तेजी ने सोने और चांदी जैसे गैर-ब्याज देने वाले निवेश विकल्पों को कम आकर्षक बना दिया है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी स्पॉट गोल्ड दबाव में रहा। पिछले कारोबारी सत्र में इसमें लगभग 4 प्रतिशत की गिरावट आई थी, जिससे यह सात सप्ताह के निचले स्तर पर पहुंच गया था।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरानी अधिकारियों ने नवंबर में होने वाले अमेरिकी मध्यावधि चुनावों से पहले वॉशिंगटन के साथ किसी समझौते की संभावना को लेकर निराशा जताई है। यह स्थिति तब और जटिल हो गई जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य को सात दिनों के भीतर फिर से खोलने संबंधी ईरान के ताजा प्रस्ताव को खारिज कर दिया। इससे ऊर्जा बाजार में अनिश्चितता बनी हुई है और निवेशकों का रुझान सुरक्षित परिसंपत्तियों के बजाय यील्ड-आधारित निवेशों की ओर बढ़ा है। कमोडिटी विशेषज्ञों के अनुसार, सोने के लिए निकट अवधि में 1,50,000 से 1,50,700 रुपए का स्तर पहला प्रतिरोध (रेजिस्टेंस) क्षेत्र है।

ओडिशा, बंगाल और असम जैसे राज्य बन सकते हैं नए ग्रोथ हब: अदाणी पोर्ट्स के पंकज भारद्वाज

विश्व केसरी



नई दिल्ली। भारत में वेयरहाउसिंग क्षेत्र की वृद्धि अब केवल बड़े उपभोग केंद्रों और ग्रेड-ए शहरों तक सीमित नहीं रहेगी। अदाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड के वेयरहाउसिंग एवं अदाणी एग्री लॉजिस्टिक्स के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और बिजनेस हेड पंकज कुमार भारद्वाज ने मंगलवार को कहा कि आने वाले वर्षों में ओडिशा, पश्चिम बंगाल और असम जैसे राज्य वेयरहाउसिंग और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र के नए विकास केंद्र बनकर उभर सकते हैं।

न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में भारद्वाज ने कहा कि विभिन्न राज्य सरकारें निर्माताओं, लॉजिस्टिक्स कंपनियों और औद्योगिक डेवलपर्स को आकर्षित करने के लिए नई लॉजिस्टिक्स नीतियां लागू कर रही हैं, जिससे उभरते बाजारों में वेयरहाउसिंग और सप्लाई चेन इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार के अवसर पैदा हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में भारत में विकसित हो रहे लगभग 1.3 से 1.4 करोड़ वर्ग फुट वेयरहाउसिंग स्पेस का करीब 60-70 प्रतिशत हिस्सा ग्रेड-ए और ग्रेड-बी शहरों में है। हालांकि भविष्य की रणनीति केवल प्रमुख उपभोग केंद्रों तक सीमित नहीं है।

भारद्वाज ने कहा, 'हम केवल ग्रेड-ए शहरों पर नहीं, बल्कि बी और सी श्रेणी के शहरों पर भी फोकस कर रहे हैं।' उन्होंने कहा कि कंपनी के पास ऐसे कई स्थानों पर भूमि उपलब्ध है, जहां ग्राहकों की जरूरतों के अनुसार तैयार वेयरहाउस विकसित किए जा सकते हैं।

उन्होंने बताया कि कंपनी बिल्ड-टू-सूट (बीटीएस) मॉडल के तहत भी सुविधाएं विकसित करने की क्षमता रखती है, जिसमें ग्राहक की विशिष्ट आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए वेयरहाउस तैयार किए जाते हैं।

भारद्वाज ने कहा कि कंपनी की रणनीति केवल उपभोग केंद्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि निर्यात-आयात (इग्जिम), बंदरगाह-आधारित और इनलैंड कंटेनर डिपो (आईसीडी) आधारित विकास पर भी केंद्रित है। अदाणी समूह की उपस्थिति दोनों तटों पर 15-16 बंदरगाहों में है, जिसका लाभ भविष्य में लॉजिस्टिक्स नेटवर्क के विस्तार में मिलेगा। उन्होंने आगे आईएएनएस से कहा कि अगले 5 से 10 वर्षों में सरकार के निर्यात बढ़ाने के प्रयासों से बंदरगाह-आधारित वेयरहाउसिंग और लॉजिस्टिक्स सेवाओं की मांग में तेज वृद्धि हो सकती है। पूर्वी और दक्षिणी तटों पर कंपनी की रणनीति के बारे में उन्होंने बताया कि धामरा पोर्ट और केरल का विझिंजम पोर्ट कंपनी के प्रमुख फोकस क्षेत्रों में शामिल हैं। विझिंजम पोर्ट तेजी से एक महत्वपूर्ण ट्रांसशिपमेंट हब के रूप में उभर रहा है।

इसके अलावा, उन्होंने कहा कि कंपनी को हाल ही में पारादीप बंदरगाह में दो बर्थ भी मिली हैं, जिससे पूर्वी तट पर उसकी मौजूदगी और मजबूत होगी। भारद्वाज ने कहा कि पूर्वी भारत में वेयरहाउसिंग क्षेत्र का विकास अभी पश्चिमी और उत्तरी भारत की तुलना में अपेक्षाकृत कम हुआ है। ऐसे में ओडिशा, पश्चिम बंगाल और असम जैसे राज्यों में आगे चलकर बड़ी वृद्धि देखने को मिल सकती है। उन्होंने कहा कि इन राज्यों में बढ़ने वाली लॉजिस्टिक्स गतिविधियां और वेयरहाउसिंग क्षमता न केवल अतिरिक्त कार्गो वॉल्यूम लाएंगी, बल्कि पूरे सप्लाई चेन इकोसिस्टम की लागत को कम करने में भी मदद करेंगी। पंकज कुमार भारद्वाज ने आगे कहा, 'कुल मिलाकर, मैं कहूंगा कि सभी राज्य अब इस दिशा में काम कर रहे हैं। हर राज्य एक लॉजिस्टिक्स नीति बना रहा है, जिसके तहत वे अधिक निर्माताओं, साझेदारों और औद्योगिक विकासकर्ताओं को लाना चाहते हैं।

पीयूष गोयल की अमेरिकी यात्रा बेहद अहम, द्विपक्षीय व्यापार समझौते को आगे बढ़ाने पर फोकस

विश्व केसरी



नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) को आगे बढ़ाने की दिशा में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की अमेरिका यात्रा को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दोनों देश एक संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की दिशा में काम कर रहे हैं, और इस दौरान अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) जेमिसन ग्रीर के साथ होने वाली उनकी बैठक पर विशेष नजर रहेगी।

पीयूष गोयल 30 सितंबर और 1 अक्टूबर को अमेरिका के विस्कॉन्सिन राज्य के मिल्वौकी में आयोजित जी20 व्यापार मंत्रियों की बैठक में भाग लेंगे। यह बैठक अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि के निमंत्रण पर आयोजित की जा रही है। माना जा रहा है कि इस मंच के इतर होने वाली भारत-अमेरिका वार्ता दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति का मार्ग प्रशस्त कर सकती है।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, दोनों देश 7 फरवरी 2026 को जारी संयुक्त बयान के अनुरूप एक अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की दिशा में भी प्रयास करेंगे। भारत चाहता है कि उसके निर्यातकों को केवल कम आयात शुल्क का लाभ ही न मिले, बल्कि प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में स्पष्ट टैरिफ लाभ भी प्राप्त हो, जिससे भारतीय उत्पादों की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ सके। जी20 बैठक के दौरान भारत विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) आधारित, नियम-आधारित, खुली, समावेशी, पारदर्शी, न्यायसंगत और भेदभावरहित वैश्विक व्यापार प्रणाली का समर्थन करेगा। भारत विकासशील देशों के लिए पर्याप्त नीतिगत लचीलापन बनाए रखने की आवश्यकता पर भी जोर देने वाला है। इस महीने की शुरुआत में वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने संकेत दिया था कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की रूपरेखा लगभग तैयार हो चुकी है। अब दोनों देश ऐसे ढांचे पर काम कर रहे हैं, जिसके तहत औपचारिक समझौते पर हस्ताक्षर से पहले एक-दूसरे को प्राथमिकता आधारित बाजार पहुंच उपलब्ध कराई जा सके। अग्रवाल ने कहा था कि भारत मुख्य रूप से मोस्ट फेवर्ड नेशन (एमएफएन) टैरिफ व्यवस्था के तहत काम करता है, जबकि अमेरिका वर्तमान में कार्यकारी आदेशों के माध्यम से टैरिफ लागू कर रहा है। ऐसे में दोनों देशों को एक ऐसी व्यवस्था विकसित करनी होगी, जो टैरिफ अंतर पैदा कर सके और भारतीय तथा अमेरिकी कंपनियों को परस्पर विशेष बाजार पहुंच प्रदान कर सके।

20 अक्टूबर से लागू होगा भारत-न्यूजीलैंड एफटीए

विश्व केसरी



नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) 20 अक्टूबर से लागू होने जा रहा है, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच व्यापार को बढ़ाकर 2030 तक दोगुना करना है। इसके तहत भारतीय निर्यातकों को न्यूजीलैंड के बाजार में सभी टैरिफ लाइनों पर शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी, जिससे भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धात्मकता में उल्लेखनीय सुधार होने की उम्मीद है।

खालसा वॉक्स न्यूज वेबसाइट के एक लेख के अनुसार, इस समझौते का सबसे बड़ा लाभ भारत के वस्त्र और परिधान, चमड़ा एवं फुटवियर, रत्न एवं आभूषण, इंजीनियरिंग सामान और प्रोसेस्ड फूड जैसे क्षेत्रों को मिलेगा। आयात शुल्क हटने से भारतीय उत्पाद न्यूजीलैंड में अन्य देशों के मुकाबले अधिक प्रतिस्पर्धी और किफायती हो जाएंगे, जिससे निर्यातकों के लिए नए अवसर पैदा होंगे। इस समझौते का एक और महत्वपूर्ण पहलू न्यूजीलैंड की ओर से भारत में अगले 15 वर्षों में 20 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता है। दोनों देशों ने वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का साझा लक्ष्य भी निर्धारित किया है। एफटीए लागू होने के बाद इसके प्रावधान चरणबद्ध तरीके से लागू होंगे। कुछ उत्पादों पर शुल्क तुरंत समाप्त हो जाएगा, जबकि कुछ श्रेणियों में शुल्क कई वर्षों में धीरे-धीरे कम किया जाएगा। कुछ कृषि उत्पादों के लिए कोटा और सुरक्षा उपाय भी बनाए रखे गए हैं।

भारतीय उपभोक्ताओं पर इसका सबसे प्रत्यक्ष प्रभाव न्यूजीलैंड से आने वाले उत्पादों जैसे कीवी फल, सेब और मनुका हनी पर पड़ सकता है। हालांकि, समझौता भारतीय बाजार को पूरी तरह नहीं खोलता। सरकार ने डेयरी क्षेत्र और कई संवेदनशील कृषि उत्पादों को विशेष सुरक्षा प्रदान की है। समझौते के तहत भारत ने न्यूजीलैंड से आने वाले लगभग 70 प्रतिशत टैरिफ लाइनों पर शुल्क घटाने या समाप्त करने पर सहमति दी है।

कुछ उत्पादों को तत्काल शुल्क-मुक्त प्रवेश मिलेगा, जिनमें लकड़ी, ऊन, भेड़ का मांस और कच्ची खालें शामिल हैं।

कृषि उत्पादों के मामले में भारत ने टैरिफ रेट कोटा (टीआरक्यू) व्यवस्था अपनाई है, जिसके तहत सीमित मात्रा में आयात कम शुल्क पर किया जा सकेगा, जबकि अधिक आयात पर सुरक्षा उपाय लागू रहेंगे। इससे बाजार पहुंच और घरेलू हितों के बीच संतुलन बनाए रखने का प्रयास किया गया है।

कीवी फल इस व्यवस्था के प्रमुख लाभार्थियों में शामिल है। समझौते के पहले वर्ष में न्यूजीलैंड से 6,250 टन कीवी फल शुल्क-मुक्त आयात किए जा सकेंगे। यह सीमा छठे वर्ष तक बढ़कर 15,000 टन हो जाएगी।

'चिड़िया उड़' फेम तान्या मिश्रा को फैंस क?यों कह रहे नया नेशनल क्रश? फैशन में देती हैं बड़ी एक्ट्रेसेस को टक्कर



सोशल मीडिया पर अपने हुस्न, दमदार अभिनय और लाजवाब फैशन सेंस से इंटरनेट सेंसेशन बनीं तान्या मिश्रा आज हर तरफ छाई हुई हैं. वेब सीरीज 'चिड़िया उड़' और कई लोकप्रिय म्यूजिक वीडियो में नजर आ चुकीं तान्या के सफर पर एक खास नजर.

इंटरनेट की चमक-धमक भरी दुनिया में कब कौन स्टार बन जाए, कुछ कहा नहीं जा सकता. इन दिनों सोशल मीडिया के गलियारों में एक ही नाम की सबसे ज्यादा गूंज है तान्या मिश्रा . अपनी दिलकश तस्वीरों, बेहतरीन फैशन चॉइस और स्क्रीन प्रेजेंस के दम पर लाखों दिलों पर राज करने वाली तान्या को उनके फैंस अब नया 'नेशनल क्रश' कहकर पुकार रहे हैं. आइए, बिहार के गया शहर से निकलकर मुंबई की मायानगरी तक का सफर तय करने वाली इस टैलेंटेड मॉडल-एक्ट्रेस की जिंदगी के पन्नों को पलटते हैं.

गया से मुंबई: सपनों की उड़ान

31 जनवरी 1999 को बिहार के गया में जन्मी तान्या मिश्रा का शुरुआती जीवन वहीं बीता. अभिनय और मॉडलिंग की दुनिया में अपनी किस्मत आजमाने के लिए उन्होंने मायानगरी मुंबई का रुख किया. मायानगरी में कदम रखने से पहले तान्या ने मगध विश्वविद्यालय से बैचलर ऑफ कॉमर्स (B.Com) की डिग्री हासिल की थी. पढ़ाई पूरी करने के तुरंत बाद उन्होंने ग्लैमर वर्ल्ड की ओर अपने कदम बढ़ाए. शुरुआत में उन्होंने कई फैशन शोज़, मैगजीन शूट्स और रैंप वॉक के जरिए अपनी खास पहचान बनानी शुरू की.

मिस इंडिया पेजेंट से लेकर ब्रांड एंबेसडर तक

तान्या के करियर में साल 2019 एक बड़ा मील का पत्थर साबित हुआ, जब उन्होंने प्रतिष्ठित 'IAWA मिस इंडिया पेजेंट' में हिस्सा लिया. इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए चौथे रनर-अप का खिताब अपने नाम किया. इस उपलब्धि के बाद उनके करियर को पंख लग गए. इसके बाद, साल 2020 से 2023 के बीच वह कई नामी ब्रांड्स के साथ बतौर ब्रांड एंबेसडर भी जुड़ी रहीं.

सिल्वर स्क्रीन और ओटीटी पर धाक: 'चिड़िया उड़' और फिल्में

सिर्फ मॉडलिंग तक खुद को सीमित न रखते हुए तान्या ने अभिनय के मैदान में भी अपनी काबिलियत साबित की है. उन्होंने 'गजनी' (Ghaznavi) और 'चेज' (Chase) जैसी फिल्मों में काम किया है. जहाँ 'गजनी' उनके शुरुआती अभिनय का हिस्सा थी,वहीं थ्रिलर फिल्म 'चेज' ने उन्हें एक चुनौतीपूर्ण और गंभीर भूमिका निभाने का मौका दिया. इस फिल्म में उन्होंने एक सीबीआई इंस्पेक्टर का किरदार निभाया, जिससे यह साबित हो गया कि वह सिर्फ एक खूबसूरत चेहरा नहीं, बल्कि एक मंझी हुई अभिनेत्री भी हैं।



लंबे समय तक अश्वगंधा लेने से शरीर पर क्या होता है? 24 हफ्तों की स्टडी में मिला जवाब



अश्वगंधा को लेकर अक्सर इसकी सुरक्षा और लंबे समय तक सेवन के प्रभावों पर सवाल उठते हैं. Frontiers in Medicine में प्रकाशित नई स्टडी में 1,200 स्वस्थ लोगों पर 24 हफ्तों तक अश्वगंधा रूट एक्सट्रैक्ट के सेवन का अध्ययन किया गया, जिसमें लिवर और किडनी की सुरक्षा को लेकर अहम जानकारी सामने आई है.

अश्वगंधा का इस्तेमाल आयुर्वेद में लंबे समय से किया जाता रहा है, लेकिन लंबे समय तक इसके सेवन की सुरक्षा को लेकर वैज्ञानिक आंकड़ों पर अक्सर चर्चा होती रही है. अब Frontiers in Medicine में प्रकाशित एक नई क्लिनिकल स्टडी में मानकीकृत अश्वगंधा रूट एक्सट्रैक्ट के 24 हफ्तों तक इस्तेमाल की सुरक्षा और शरीर द्वारा इसे सहन करने की क्षमता का अध्ययन किया गया है. यह रिसर्च 20 अगस्त 2026 को प्रकाशित हुई.

इस मल्टीसेंटर, रैंडमाइज्ड और प्लेसीबो-कंट्रोल्ड ट्रायल में 18 से 70 साल की उम्र के 1,200 स्वस्थ लोगों को शामिल किया गया. सभी प्रतिभागियों को COV-ISHIELD वैक्सीन की पहली, दूसरी या बूस्टर डोज मिल चुकी थी. रिसर्च भारत के सात केंद्रों पर की गई और प्रतिभागियों की 28 हफ्तों तक निगरानी की गई. इनमें शुरुआती 24 हफ्तों तक अश्वगंधा या प्लेसीबो दिया गया और इसके बाद चार हफ्तों तक फॉलो-अप किया गया.

स्टडी में प्रतिभागियों को दो मुख्य समूहों में बांटा गया. एक समूह को रोजाना 500 द्वद्द मानकीकृत जलीय अश्वगंधा रूट एक्सट्रैक्ट दिया गया, जबकि दूसरे को उसी तरह दिखने वाला प्लेसीबो दिया गया. 1,200 प्रतिभागियों में से 1,032 यानी करीब 86% ने पूरी स्टडी पूरी की.

लिवर और किडनी की जांच में क्या मिला ?

रिसर्च के दौरान प्रतिभागियों के कई स्वास्थ्य मानकों की नियमित जांच की गई. इसमें ब्लड टेस्ट के जरिए लिवर और किडनी की कार्यक्षमता से जुड़े पैरामीटर भी देखे गए. स्टडी के मुताबिक, हेमेटोलॉजी, ब्लड शुगर, लिवर फंक्शन, किडनी फंक्शन और लिपिड से जुड़े जांच परिणाम निर्धारित रेफरेंस रेंज में रहे. यानी 24 हफ्तों तक अध्ययन में इस्तेमाल किए गए मानकीकृत अश्वगंधा एक्सट्रैक्ट को लेने वाले स्वस्थ प्रतिभागियों में लिवर या किडनी की कार्यक्षमता में ऐसा बदलाव नहीं देखा गया जिसे शोधकर्ताओं ने दवा से जुड़ा नुकसान माना हो.

क्या कोई साइड इफेक्ट भी सामने आया ?

स्टडी में अश्वगंधा लेने वाले कुछ प्रतिभागियों में हल्के से मध्यम adverse events दर्ज किए गए. इनमें वजन में बदलाव, मुंह में छाले, पेट से जुड़ी परेशानी, ज्यादा नींद आना और चक्कर जैसा महसूस होना शामिल था. शोधकर्ताओं के अनुसार, ये घटनाएं गंभीर नहीं थीं और कुल मिलाकर अश्वगंधा तथा प्लेसीबो समूहों की tolerability प्रोफाइल तुलनीय रही।

करौली की दुकान पर मिठाई का अनोखा प्रयोग, बॉर्नविटा से तैयार हो रही चॉकलेटी बर्फी



करौली के बीकानेर मिष्ठान भंडार में तैयार होने वाली बॉर्नविटा बर्फी अपने चॉकलेटी स्वाद और अनोखी रेसिपी से लोगों का ध्यान खींच रही है. मावा, दूध, घी, चीनी और बॉर्नविटा से बनने वाली यह मिठाई घर पर भी आसानी से तैयार की जा सकती है.

बचपन में दूध के गिलास में बॉर्नविटा मिलाकर पीने की याद शायद ही किसी के लिए अनजान हो. कभी मम्मी की जिद पर तो कभी अपनी पसंद से बच्चे दूध में बॉर्नविटा मिलाकर खूब पीते थे, लेकिन क्या आपने कभी बॉर्नविटा की बर्फी खाई है? अगर नहीं, तो यह स्वाद आपको बचपन की यादों के साथ मिठाई का नया जायका भी दे सकता है.

करौली के बीकानेर मिष्ठान भंडार पर तैयार होने वाली बॉर्नविटा बर्फी अपने अलग स्वाद के कारण लोगों का ध्यान खींच रही है. खास बात यह है कि बॉर्नविटा जहां आमतौर पर बच्चों के पसंदीदा हेल्थ ड्रिंक के रूप में जाना जाता है, वहीं इससे तैयार होने वाली बर्फी बच्चों के साथ बड़ों को भी पसंद आ रही है. करौली की इस मिठाई की दुकान पर यह बर्फी रोजाना ताजा तैयार की जाती है.

बॉर्नविटा बर्फी को तैयार करने का तरीका भी दुकान की अपनी खास रेसिपी पर आधारित है. इसमें दूध से बनी सामग्री, मावा, घी, चीनी और बॉर्नविटा जैसे सामान का इस्तेमाल किया जाता है. बॉर्नविटा की वजह से बर्फी में हल्का चॉकलेटी स्वाद आता है, जो इसे सामान्य मावे की बर्फी से अलग बनाता है.

इस बर्फी की सबसे दिलचस्प बात यह है कि इसे घर पर भी बनाया जा सकता है।

साड़ी से लहंगे तक खूब जचेगी लेटेस्ट कश्मीरी घुंघरू वाली घड़ी, कलाई पर घड़ी नहीं जूलरी जैसा दिखेगा लुक, देखें तस्वीरें



कलाई पर घड़ी पहनना अब सिर्फ समय देखने तक सीमित नहीं रहा. खासकर फेस्टिव सीजन में ऐसी वॉच की मांग बढ़ती दिखती है जो जूलरी की तरह भी नजर आए. कश्मीरी जूलरी से इंस्पायर्ड घुंघरू, मोती, कुंदन और रंग-बिरंगे स्टोन्स वाली घड़ियां इसी पसंद को नया अंदाज दे रही हैं. इनका ब्रेसलेट जैसा लुक पहली नजर में ध्यान खींचता है और पारंपरिक आउटफिट के साथ आसानी से घुल-मिल जाता है. साड़ी, सूट या लहंगे के साथ ऐसी वॉच कलाई को अलग लुक दे सकती है. खास बात यह है कि इनमें कुछ डिजाइन हल्के और एलिगेंट हैं तो कुछ काफी हैवी जूलरी जैसे नजर आते हैं. अगर आप भी फेस्टिव शॉपिंग में कुछ अलग तलाश रही हैं तो इन डिजाइन्स से आइडिया लिया जा सकता है.

घुंघरू वाली कश्मीरी वॉच क्यों लग रही है खास

कश्मीरी चूड़ियों और झुमकों के बाद अब उसी तरह की डिटेलिंग घड़ियों में भी दिखाई दे रही है. ब्रेसलेट स्टाइल बैंड, घुंघरू और पर्ल्स के साथ छोटे डायल वाली वॉच को जूलरी और टाइमपीस का मिश्रण कहा जा सकता है. फेस्टिव आउटफिट के साथ इसका देसी अंदाज खास तौर पर अच्छा लगता है. इन डिजाइन्स में गोल्डन टोन का इस्तेमाल ज्यादा नजर आता है. इसके साथ पिंक, ग्रीन और मरून जैसे रंगों के स्टोन्स या फ्लोरल मोटिफ जोड़े जाते हैं. यही डिटेलिंग साधारण घड़ी को जूलरी जैसा लुक देती है.

पर्ल्स वाली वॉच देगी रॉयल टच

सफेद मोती वाली जूलरी हमेशा से एथनिक लुक के साथ आसानी से मैच हो जाती है. इसी तरह छोटे-बड़े पर्ल्स से सजी वॉच भी कलाई पर ब्रेसलेट जैसा प्रभाव देती है. इसका डिजाइन बहुत ज्यादा चमकदार जूलरी पसंद न करने वाली महिलाओं के लिए भी काम कर सकता है. साड़ी, अनारकली या सिंपल सूट के साथ इसे पहना जा सकता है.

हाथी और स्टोन वाली वॉच हाथी मोटिफ वाली घड़ी उन महिलाओं को पसंद आ सकती है जिन्हें ट्रेडिशनल जूलरी में एंटीक टच अच्छा लगता है. स्टोन स्टडेड डायल के साथ बैंड पर हाथी की डिटेलिंग और छोटे सफेद मोती इसे अलग लुक देते हैं. पिंक और ग्रीन स्टोन्स की मौजूदगी डिजाइन में रंग भी जोड़ती है. इसे साड़ी या किसी एथनिक सूट के साथ पहना जा सकता है.

कुंदन और घुंघरू वाला हैवी लुक

अगर आपको मिनिमल डिजाइन की जगह थोड़ी हैवी जूलरी पसंद है तो कुंदन और घुंघरू वाली वॉच पर नजर डाल सकती हैं. छोटे डायल के साथ फ्लोरल कुंदन बैंड और घुंघरू की डिटेलिंग इसे खास बनाती है. शादी या किसी पारंपरिक फंक्शन में इसे स्टेटमेंट एक्सेसरी की तरह पहना जा सकता है.

फ्लोरल डिटेलिंग वाली डिजाइन

लाइट पिंक कमल, मरून स्टोन और सफेद पर्ल्स के कॉम्बिनेशन वाली डिजाइन भी आकर्षक लगती है. इसमें कलाई के ऊपर वाले हिस्से पर बैंड की डिटेलिंग थोड़ी हैवी रखी गई है जबकि नीचे गोल्डन चेन और पर्ल्स का इस्तेमाल किया गया है. इससे वॉच को पारंपरिक ब्रेसलेट जैसा लुक मिलता है.

कमल और घुंघरू का खूबसूरत मेल

फ्लोरल मोटिफ पसंद करने वाली महिलाओं के लिए कमल वाली डिजाइन एक अच्छा स्टाइल आइडिया हो सकती है. इसमें गोल्डन डिटेलिंग वाले डायल के साथ ब्रेसलेट स्टाइल बैंड दिया गया है. पिंक और ग्रीन फूलों को कुंदन जैसी डिटेलिंग के साथ सजाया गया है. छोटे घुंघरू और पर्ल ड्रॉप इस डिजाइन को और जूलरी जैसा बनाते हैं.।

फैमिली टाइम पर पॉपकॉर्न छोड़िए, आलू से बनाएं ये क्रिस्पी-चीजी बॉल्स, देखते ही मुंह में भर आएगा पानी



मूवी शुरू होते ही कुछ कुरकुरा खाने का मन करे और किचन में बस आलू नजर आएं तो समझिए स्नैक की समस्या आसानी से हल हो सकती है. आमतौर पर पॉपकॉर्न का नाम लेते ही मकई के दानों का ख्याल आता है, लेकिन आलू से बना यह स्नैक स्वाद और टेक्सचर दोनों में अलग अनुभव देता है. उबले आलू को चीज़, हरी मिर्च और मसालों के साथ मिलाकर छोटी-छोटी बॉल्स तैयार की जाती हैं.

इन्हें ब्रेड क्रम्ब्स की कोटिंग देकर क्रिस्पी किया जाता है. खास बात यह है कि इन्हें सिर्फ डीप फ्राई करना जरूरी नहीं है. एयर फ्रायर या ओवन का विकल्प भी रखा जा सकता है. यानी घर पर उपलब्ध चीजों से मूवी टाइम के लिए एक मजेदार स्नैक तैयार हो सकता है.

आलू पॉपकॉर्न की तैयारी कैसे करें?

सबसे पहले आलू उबाल लें. कुकर में आलू को अच्छी तरह पकने तक उबालें. इसके बाद उन्हें ठंडा करके छील लें और अच्छी तरह मैश कर लें. ध्यान रखें कि आलू में बड़े टुकड़े न रहें, वरना बॉल्स बनाते समय मिश्रण आसानी से बंध नहीं पाएगा. अब मैश किए हुए आलू में चीज़, बारीक कटी हरी मिर्च, ऑरिगैनो, चिली फ्लेक्स और स्वादानुसार नमक डालें. इसमें बारीक कटा प्याज भी मिलाया जा सकता है. सभी चीजों को अच्छी तरह मिलाकर ऐसा मिश्रण तैयार करें जो नरम हो लेकिन हाथ में लेने पर आसानी से बिखरे नहीं.

क्रिस्पी कोटिंग का सही तरीका

एक बाउल में कॉर्नफ्लोर लें और उसमें थोड़ा-थोड़ा पानी डालकर गाढ़ा घोल तैयार करें. इसमें हल्का नमक मिला सकते हैं. दूसरे बाउल में ब्रेड क्रम्ब्स रखें।

सागर का हिडन हिल स्टेशन रानगिर, दो माता मंदिर, कल-कल बहती देहार नदी, प्रकृति प्रेमियों के लिए बेस्ट टूरिस्ट स्पॉट

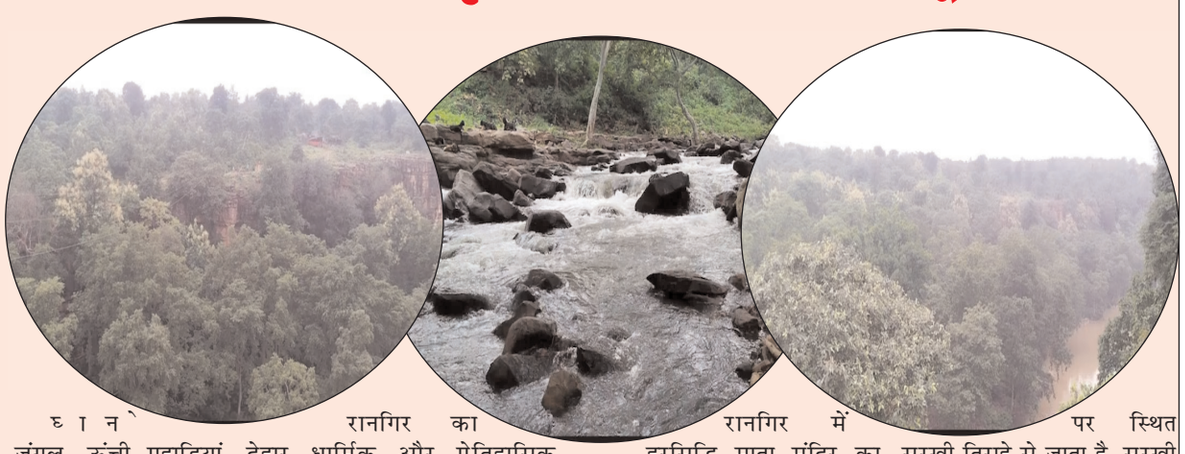
अगर आप प्रकृति प्रेमी हैं और जंगल, पहाड़, नदियों तथा पक्षियों से लगाव रखते हैं तो रानगिर आपके लिए बेहतरीन जगह है. अध्यात्म और संस्कृति में रुचि रखने वालों के लिए यह एक पावन स्थल है. यहां आस्था और पर्यटन का अनूठा संगम देखने को मिलता है. परिवार के साथ ट्रिप पर आने के लिए यह स्थान बेहद खूबसूरत है. यहां बिताए लम्हे हमेशा के लिए यादगार बन जाते हैं.

वर्तमान में मानसून की विदाई का समय चल रहा है. इस मौसम में जंगल और पहाड़ियां हरे-भरे पेड़ों से ढकी नजर आती हैं. जंगल और पहाड़ के बीचो-बीच लगभग 100 फीट की गहराई में देहार नदी कल-कल बहती है. नदी के किनारे और पहाड़ियों पर प्राचीन मंदिर स्थित हैं. यह मनोरम दृश्य श्रद्धालुओं को ओंकारेश्वर की याद दिला देता



है. यहां की प्राकृतिक सुंदरता और आध्यात्मिक माहौल मन को शांति प्रदान करते हैं.

रानगिर क्षेत्र को अब एक प्रमुख पर्यटक स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है. निर्माण कार्य पूरा होने के बाद यह क्षेत्र किसी हिल स्टेशन की तरह दिखाई देगा. इस विकास योजना से स्थानीय लोगों के लिए रोजगार की संभावनाएं बढ़ जाएंगी. यहां दो माता मंदिर स्थित हैं, जो इस क्षेत्र को धार्मिक दृष्टि से अत्यंत पवित्र बनाते हैं. एक बेहतरीन पर्यटन स्थल बनने के लिए यहां सभी जरूरी प्राकृतिक संसाधन मौजूद हैं.



घने जंगल, ऊंची पहाड़ियां, देहार नदी और बड़ी-बड़ी चट्टानें पर्यटकों को आकर्षित करती हैं. मां के दर्शन करने के बाद श्रद्धालु यहां की पहाड़ियों में घूमते हैं. यहां एक नए पुल का निर्माण कार्य भी चल रहा है. पुल बन जाने से दोनों ओर के लोगों का आवागमन बहुत सुलभ हो जाएगा. इसके बाद यहां आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों की संख्या में बड़ा इजाफा होगा.

रानगिर का धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व बहुत गहरा है. इस स्थान का इतिहास बुंदेलखंड के राजा छत्रसाल और बाजीराव पेशवा के संबंधों से जुड़ा हुआ है. 17वीं शताब्दी में महाराजा छत्रसाल ने बुंदेलखंड के कई गढ़ बाजीराव पेशवा को सौंप दिए थे. बाजीराव पेशवा ने इनमें से यह इलाका गोविंद राव खेर को सौंपा था.

गोविंद राव खेर की वंशज रानी लक्ष्मी बाई ने रहली के

रानगिर में हरसिद्धि माता मंदिर का निर्माण कराया था. इस प्राचीन हरसिद्धि माता मंदिर को निर्मित हुए लगभग 300 साल हो चुके हैं.रानगिर पहुंचने के लिए वर्तमान में दो प्रमुख रास्तों का उपयोग किया जाता है. पहला मार्ग सागर-रहलीज स्टेट हाईवे पर स्थित 5 मील चौराहे से जाता है. यहां से यह स्थल 11 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है.

दूसरा मार्ग नेशनल हाईवे 44 पर स्थित सुरखी तिराहे से जाता है. सुरखी तिराहे से लगभग 6 किलोमीटर की दूरी तय करके यहां पहुंचा जा सकता है. इसके अलावा एक तीसरा मार्ग भी बरौदा से बंसिया होते हुए तैयार किया गया है. इस तीसरे रास्ते पर फिलहाल पुल का निर्माण कार्य अधूरा है. जैसे ही यह पुल बनकर तैयार होगा, लोग तीसरे मार्ग से भी आ-जा सकेंगे. नया रास्ता शुरू होने से इस क्षेत्र के और अधिक विकसित होने की संभावना है।

अदिति देव शर्मा ने बताई शो 'शायद यही है प्यार' की खास बात

बोलीं-उम्र के फासले से परे है ये कहानी

अदिति देव शर्मा और दक्ष पुरी टीवी शो 'शायद यही है प्यार' में साथ नजर आ रहे हैं। अभिनेत्री अदिति ने आईएएनएस के साथ बातचीत में शो की अनोखी कहानी, उम्र के फासले और अपनी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री के बारे में खुलकर बात की।



कहानी है खास

कहानी प्रीति (अदिति देव शर्मा) नामक 35 वर्षीय महिला के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक टॉक्सिक रिश्ते से बाहर निकलने के बाद आरव (दक्ष पुरी) से मिलती है और उससे प्यार करने लगती है।

सीरियस है प्रीति का किरदार

अदाकारा से आईएएनएस ने पूछा, "अदिति शो में आपका किरदार बहुत सीरियस है और दक्ष थोड़े से शरारती लड़के का किरदार निभा रहे हैं। आपको क्या लगता है, शो को लेकर ऑडियंस की तरफ से कैसा रिएक्शन आएगा?" इस सवाल का जवाब देते हुए अदिति ने कहा, "हां, असल में हम मान लेते हैं कि 25 साल की उम्र वाले थोड़े नटखट होते हैं और 35 वाले शांत स्वभाव के हो जाते हैं। आरव (दक्ष) की जिंदगी बहुत मजेदार होगी और जब वह प्रीति की जिंदगी में आएगा, तो प्रीति की जिंदगी में थोड़े बदलाव जरूर होंगे। प्रीति खुद को खोजेगी और सवाल करेगी कि वो ऐसी क्यों है या फिर इस तरह से बरताव क्यों करती है।"

अदिति ने कहा...

"हम मान लेते हैं कि 25 साल की उम्र वाले थोड़े नटखट होते हैं और 35 वाले शांत स्वभाव के हो जाते हैं। आरव की जिंदगी बहुत मजेदार होगी और जब वह प्रीति की जिंदगी में आएगा, तो प्रीति की जिंदगी में थोड़े बदलाव जरूर होंगे। प्रीति खुद को खोजेगी और सवाल करेगी कि वो ऐसी क्यों है या फिर इस तरह से बरताव क्यों करती है।

लव एंगल पर क्या बोलीं

अदिति ने शो के लव एंगल पर कहा, "लव फ्रेंडशिप तो बहुत सी कहानियों का बेस होता है और जाहिर हैं, उस पर बहुत सी कहानियां बनी हैं और आगे भी बनेंगी लेकिन इन सबके बीच ये देखना है कि हम कहानी कैसे दिखाते हैं। हमारा शो 'के-ड्रामा' का रिमेक हैं। मैं यह कहना चाहूंगी कि हमारा शो बहुत अच्छा है और हमने इस पर बहुत मेहनत की है। हमारी मीडिल क्लास ऑडियंस के लिए, जिनके घर में सभी सदस्यों की सोच अलग होती है और फिर उनके आस-पड़ोस में रहने वाले लोगों की पसंद और सोच उससे भी अलग होती है।

निर्देशक और को-स्टार की तारीफ

दक्ष पुरी ने आगे आईएएनएस के साथ बातचीत में अपने निर्देशक की तारीफ करते हुए कहा कि इस शो में रोमांस का तड़का लगाने का श्रेय हमारे निर्देशक को जाता है।

अदिति देव शर्मा ने अपने को-स्टार कुणाल करण कपूर की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, "गौरव का किरदार कुणाल ही प्ले कर रहे हैं और वे अच्छा किरदार निभा रहे हैं अभी उनकी तबीयत खराब है इसलिए वे अभी आए नहीं हैं।"

प्रीति और आरव की अनोखी प्रेम कहानी

35 वर्षीय प्रीति, जो एक मुश्किल रिश्ते से बाहर निकलती है, जब 25 वर्षीय आरव से मिलती है तो उसकी जिंदगी में नया मोड़ आता है। यह शो उम्र के फासले, समाज की सोच और रिश्तों की नई परिभाषा को सामने लाता है।

यह कहानी उन लोगों के लिए खास है, जो मानते हैं कि प्यार की कोई उम्र नहीं होती। 'शायद यही है प्यार' दर्शकों को रिश्तों, समझ और खुद को पहचानने की एक नई सोच देता है।

अदिति देव शर्मा और दक्ष पुरी

शो के बारे में

'शायद यही है प्यार' एक के-ड्रामा का रिमेक है, जिसमें दिखाया गया है कि कैसे दो अलग उम्र के लोग, अलग सोच और अलग जीवन परिस्थितियों के बावजूद एक-दूसरे के करीब आते हैं। यह शो मध्यम वर्गीय परिवारों की भावनाओं और रिश्तों की जटिलताओं को बेहद खूबसूरती से पेश करता है।

रवि किशन की अगली फिल्म में दिखेगा आस्था का अनोखा रंग, इमोशन और कॉमेडी से भरपूर होगी कहानी

विश्व केसरी

मुंबई। एक्टर और नेता रवि किशन ने भोजपुरी सिनेमा से लेकर हिंदी फिल्मों और वेब शोज तक, अपने काम से एक अलग पहचान बनाई है। अब रवि किशन एक ऐसी फिल्म में लीड रोल निभाने जा रहे हैं, जिसकी कहानी आस्था और इंसान के रिश्ते को एक अलग नजरिए से दिखाएगी।

फिल्म में उनका किरदार भगवान को सिर्फ भक्त नहीं, बल्कि उन्हें अपना सबसे करीबी दोस्त मानता है। इस अनोखे रिश्ते के साथ कहानी में इमोशन, ह्यूमर और ड्रामा भी देखने को मिलेगा।

महावीर जैन फिल्म्स की ओर से प्रस्तुत की जाने वाली इस अनटाइटल्ड फिल्म में रवि किशन लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म की कहानी पूरी तरह उनके किरदार के इर्द-गिर्द घूमेगी। बताया जा रहा है कि इस प्रोजेक्ट में रवि किशन का एक ऐसा अंदाज देखने को मिलेगा, जो उनके अब तक के कई किरदारों से काफी अलग होगा। मेकर्स फिल्म को भक्ति ड्रामा की तरह बनाने के बजाय इसे मनोरंजक तरीके से दर्शकों के सामने लाने की तैयारी में हैं। फिल्म में आस्था, इमोशन और कॉमेडी से भरपूर कहानी होगी।

फिल्म की कहानी एक ऐसे शख्स पर आधारित है, जो भगवान को अपना सबसे करीबी दोस्त मानता है और उनके साथ लगभग निजी रिश्ता महसूस करता है। कहानी इसी भावनात्मक जुड़ाव को केंद्र में रखकर आगे बढ़ेगी।



फिल्म में यह दिखाने की कोशिश होगी कि किसी इंसान की आस्था सिर्फ पूजा-पाठ तक सीमित नहीं होती, बल्कि उसका भगवान के साथ रिश्ता दोस्ती और भरोसे का भी हो सकता है।

इस कहानी को अमित आर्यन ने लिखा है और वही फिल्म का निर्देशन भी कर रहे हैं। फिल्म को महावीर जैन फिल्म्स प्रस्तुत कर रहा है। रवि किशन के लिए महावीर जैन के साथ यह दूसरा प्रोजेक्ट होगा। इससे पहले दोनों कार्तिक आर्यन स्टारर फिल्म 'नागजिला' के लिए साथ आए थे। वहीं फिल्म को मृगदीप सिंह लांबा, विनायक कुमार, कविन शाह और शिखा के. अहलूवालिया प्रोड्यूस करेंगे। रैटपैक स्टोरीज के विजय सुब्रमण्यम और क्षितिज मेहता भी फिल्म के प्रोडक्शन से जुड़े हैं।

ऐश्वर्या राय ने पेरिस में बिखेरा जादू, इंटरनेशनल सितारों संग किया रैंप वॉक



विश्व केसरी

मुंबई। ग्लोबल स्टार ऐश्वर्या राय बच्चन ने पेरिस फैशन वीक में इंटरनेशनल एंटरटेनमेंट और फैशन जगत की कई बड़ी हस्तियों के साथ रैंप वॉक किया।

इस एक्ट्रेस ने 28 सितंबर को एफिल टॉवर के सामने 'प्लेस जोफ्रे' में आयोजित पेरिस फैशन वीक में हिस्सा लिया। इस शो में केंडल जेनर, इवा लोंगोरिया, सेलीन डियोन, सिमोन एशले, वियोला डेविस, जेन फोंडा, कारा डेलेविंगने और एंडी मैकडॉवेल जैसी ग्लोबल हस्तियां और एंबेसडर शामिल हुए।

स्टेज पर ऐश्वर्या और अन्य ग्लोबल हस्तियां काफी मस्ती करती दिखीं और रैंप वॉक करते समय ऐश्वर्या ने क्राउन भी पहना था।

ऐश्वर्या राय गहरे रंग की मखमली (वेलवेट) पोशाक में नजर आईं, जिस पर बारीक नक्काशी और क्रिस्टलों से जड़ा हुआ केप बेहद खूबसूरत लग रहा था। इसके साथ ही, उनके नए बरगंडी-लाल बालों ने उनके इस अंदाज को एक आधुनिक और शानदार लुक दिया।

ऑनलाइन कई लोगों ने ऐश्वर्या को 'रॉयल्टी' कहा और पेरिस इवेंट में उनके लुक की तारीफ भी की। एक और वीडियो में ईवा लोंगोरिया और ऐश्वर्या को बैकस्टेज एक-दूसरे के साथ गर्मजोशी से मिलते हुए देखा गया।

हाल ही में ऐश्वर्या को मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर देखा गया था, जब वह इस इवेंट के लिए पेरिस जा रही थीं।

ग्लोबल फैशन और सिनेमा इवेंट्स से ऐश्वर्या का जुड़ाव 2002 में कान्स फिल्म फेस्टिवल में उनकी पहली मौजूदगी से शुरू हुआ था।

उस समय, वह संजय लीला भंसाली की फिल्म 'देवदास' के प्रीमियर के लिए फेस्टिवल में पहुंची थीं, जिसे इस प्रतिष्ठित फेस्टिवल में दिखाया गया था।

डायरेक्टर संजय लीला भंसाली और को-स्टार शाहरुख खान के साथ, ऐश्वर्या ने पारंपरिक पीली साड़ी में यादगार एंट्री की थी। तीनों एक घोड़ा-गाड़ी में सवार होकर वहां पहुंचे थे। अगले साल, वह फीचर-फिल्म जूरी की सदस्य के तौर पर फेस्टिवल में लौटीं और ऐसा करने वाली पहली भारतीय एक्ट्रेस बनीं।

बिग बॉस 20 में नॉमिनेट हुईं आम्रपाली-रीति, सपोर्ट में उतरीं अक्षरा सिंह बोलीं-वोट करो



विश्व केसरी

मुंबई। 'बिग बॉस 20' के लेटेस्ट एपिसोड में हुए नॉमिनेशन टास्क के दौरान रीति तिवारी और आम्रपाली दुबे नॉमिनेट हो गईं। इस मुश्किल की घड़ी में भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा सिंह दोनों के सपोर्ट में आगे आई हैं। उन्होंने दोनों कंटेस्टेंट को बचाने के लिए फैंस से वोट देने की अपील की।

अभिनेत्री अक्षरा सिंह ने इंस्टाग्राम पर आम्रपाली दुबे और मनोज तिवारी की बेटी रीति तिवारी के सपोर्ट में एक खास पोस्ट की। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर पुरानी मित्र और अभिनेत्री आम्रपाली दुबे की तस्वीर पोस्ट की, जिसमें उन्होंने बताया कि बिग बॉस कंटेस्टेंट आम्रपाली दुबे अच्छा गेम खेल रही हैं और उन्हें बचाने के लिए सभी वोट दें।

अक्षरा ने आम्रपाली के लिए लिखा, 'वो नॉमिनेशन में है और अब हमारी बारी है, उनके लिए प्यार जताने की। आम्रपाली अपना गेम अच्छा खेल रही हैं, अकेले डटी हुई हैं और अपनी अलग पहचान बना रही हैं। तो चलो गाइस, उन्हें वोट करके सपोर्ट जरूर करें।'

अभिनेत्री ने आम्रपाली पर गर्व जताते हुए लिखा, 'भोजपुरी इंडस्ट्री से किसी भी सितारे को बड़े प्लेटफॉर्म पर चमकते देखना हमेशा ही खास लगता है। चलो दिखा दें भोजपुरी ऑडियंस की ताकत और प्यार। हर एक वोट कीमती है, चलो उसे उनके लिए गिनवाते हैं। इसके साथ ही, अक्षरा सिंह मनोज तिवारी की बेटी रीति तिवारी के सपोर्ट में भी उतरी हैं। उन्होंने जनता से रीति को भी सपोर्ट करने कि अपील की। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर रीति तिवारी की तस्वीर पोस्ट कर लिखा, 'गलतियां सभी इंसान से होती हैं, वो गिरता है, सीखता है और फिर उठता है। बिग बॉस का सफर भी यही है, कभी बैलेंस बिगड़ना, फिर खुद को संभालना और हर अनुभव के साथ आगे बढ़ना।

अभिनेत्री ने कहा कि रीति तिवारी अभी युवा है और उसे कई मौकों की जरूरत है। अक्षरा सिंह ने लिखा, 'रीति तिवारी को गेम के कुछ पलों से उसकी पूरी जर्नी को जज मत किया जाए।

रजनीकांत संग वर्कआउट, फिर ऊनो और मैसूर डोसा, राशि खन्ना ने दिखाई 'धर्मन' के सेट से झलक

विश्व केसरी

चेन्नई। एक्ट्रेस राशि खन्ना इन दिनों सुपरस्टार रजनीकांत की अपकमिंग फिल्म 'धर्मन' की शूटिंग में बिजी हैं। फिल्म के चौथे शेड्यूल की शूटिंग मैसूर में चल रही है। इसी बीच राशि ने फिल्म के सेट और मैसूर में बिताए खास पलों की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की। इनमें वह रजनीकांत और तेलुगु एक्टर राम पोथिनेनी के साथ नजर आ रही हैं। तस्वीरों के साथ एक्ट्रेस ने शूटिंग के दौरान की अपनी कुछ मजेदार यादें भी फैंस के साथ शेयर कीं।

दरअसल, राशि ने अपने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरों पोस्ट की और कैप्शन में लिखा, ''मैसूर की उस दुनिया की एक छोटी सी झलक, जिसमें मैं पिछले कुछ समय से रह रही हूं। रजनीकांत सर और राम पोथिनेनी के साथ सुबह-सुबह वर्कआउट, क्योंकि जाहिर तौर पर दिन शुरू होने से पहले ही दिन शुरू हो जाता है। थोड़ा मंदिर घूमना, थोड़ा इधर-उधर घूमना, कुछ ऊनो खेलना और ढेर सारी हंसी। और हां, मैसूर डोसा अपने आप में एक खास पल का हकदार था।''



बता दें कि 'धर्मन' का तीसरा शेड्यूल 16 सितंबर से शुरू हुआ था। इस दौरान निर्देशक ने रजनीकांत और राशि खन्ना की शूटिंग का एक बीटीएस वीडियो भी शेयर किया था। वीडियो में रजनीकांत कैमरे की तरफ पीठ किए हुए राशि से बातचीत करते नजर आए थे। फिल्म का दूसरा शेड्यूल 4 सितंबर को पूरा हुआ था। दूसरे शेड्यूल के दौरान सामने आए एक वीडियो में रजनीकांत को जूनियर डॉक्टरों को लेक्चर देते हुए देखा गया था। फिल्म में रजनीकांत एक ऐसे डॉक्टर का किरदार निभा रहे हैं, जो अपराधियों के खिलाफ खड़ा होता है। फिल्म के टाइटल पोस्टर में भी उन्हें ऑपरेशन थिएटर में हाथ में सर्जिकल स्कैल्पेल लिए दिखाया गया था। उनके पैर के पास एक बदमाश की बॉडी थी। फिल्म में एक्शन और क्राइम, दोनों का अंदाज देखने को मिलेगा।

'धर्मन' को कमल हासन की प्रोडक्शन कंपनी राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल के बैनर तले बनाया जा रहा है। फिल्म को कमल हासन और आर. महेंद्रन प्रोड्यूस कर रहे हैं, जबकि एस. डिज्नी को-प्रोड्यूसर हैं। फिल्म के म्यूजिक की जिम्मेदारी अनिरुद्ध रविचंदर के पास है। फिल्म में रजनीकांत और राशि खन्ना के अलावा सिमरन और योगी बाबू भी अहम भूमिकाओं में हैं।

'द ट्रेटर्स तेलुगु' का धमाकेदार टीजर रिलीज, होस्ट के तौर पर नजर आएंगे तेजा सज्जा

विश्व केसरी

मुंबई। साउथ अभिनेता तेजा सज्जा रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स तेलुगु' से एक होस्ट के तौर पर डेब्यू करने जा रहे हैं। प्राइम वीडियो ने अनाउंस किया है कि यह शो 15 अक्टूबर को प्रीमियर होगा।

पॉपुलर इंटरनेशनल रियलिटी फ्रेंचाइजी का तेलुगु वर्जन सीरीज में 20 अलग-अलग बैकग्राउंड के लोग हिस्सा लेंगे, जो भरोसे, धोखे और विश्वासघात पर बना एक गेम खेलेंगे।

मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर तेजा का एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें अभिनेता कहते हैं, 'दुनिया में हर कोई तब तक अच्छा होता है, जब तक उसे प्यार, पावर, जंग के या जीत के लिए धोखा देने का मौका नहीं मिलता। दौर बदल सकते हैं, वजहें अलग हो सकती हैं लेकिन धोखा कभी नहीं बदलता।'

मेकर्स ने क्लिप पोस्ट करते हुए लिखा, 'द्रोहम, ड्रामा, धमाका। मीरू रेडी? 'द ट्रेटर्स तेलुगु', रियलिटी सीरीज, हर गुरुवार नए एपिसोड, 15 अक्टूबर से।

प्राइम वीडियो और अमेजन एमजीएम स्टूडियोज इंडिया के डायरेक्टर और हेड ऑफ ओरिजिनल्स निखिल मधोक ने शो के लिए प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, 'द ट्रेटर्स तेलुगु अनस्क्रिप्टेड स्पेस में बेहद एक्साइटिंग शो है, जो माइंड गेम्स और स्ट्रैटेजी पर फोकस करता है और दर्शकों को गहराई से जोड़ता है। उन्होंने कहा, 'हिंदी में दो सुपरहिट सीजन्स लाने के बाद, हम इस फ्रेंजाइजी को तेलुगु में लाने पर बहुत खुश हैं। तेजा सज्जा इस शो को होस्ट करने के लिए शानदार चॉइस है।

भारत-अमेरिका ने रक्षा सहयोग बढ़ाने पर की चर्चा, इंडो-पैसिफिक के बदलते सुरक्षा हालात पर भी हुई बात

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका ने इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में बदलते सुरक्षा हालात पर विचार साझा करने के साथ दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की।

यह बातचीत सोमवार को नई दिल्ली में भारतीय सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ और अमेरिकी सेना की पैसिफिक कमांड (यूएसएआरपीएसी) के डिप्टी कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल जोएल बी. वॉवेल के बीच हुई।



बैठक के बाद भारतीय सेना ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, 'यूएसएआरपीएसी के डिप्टी कमांडिंग जनरल लेफ्टिनेंट जनरल जोएल बी. वॉवेल ने 28 सितंबर को सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ से मुलाकात की। दोनों सैन्य अधिकारियों ने इंडो-पैसिफिक में बदलते सुरक्षा हालात पर चर्चा की और कई क्षेत्रों में भारत-अमेरिका रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाने के मौकों पर बात की।'

भारतीय सेना ने कहा, 'बातचीत में संयुक्त ट्रेनिंग और सैन्य अभ्यासों के जरिए दोनों सेनाओं की साथ मिलकर काम करने की क्षमता को बेहतर बनाने के उपायों पर भी ध्यान दिया गया। 'युद्ध अभ्यास' की सफलता ने दिखाया कि दोनों सेनाएं संयुक्त सैन्य अभियानों में बेहतर तालमेल के साथ काम कर सकती हैं। साथ ही, इसने दोनों सेनाओं के बीच सैन्य सहयोग को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता भी दोहराई।'

इससे पहले सोमवार को रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने अमेरिकी कांग्रेस के दोनों प्रमुख दलों के सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ बातचीत की। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व अमेरिकी सांसद ब्रायन मास्ट ने किया। बैठक में भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने पर चर्चा हुई। खास तौर पर रक्षा उद्योग और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में सहयोग को आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया।

रक्षा मंत्रालय ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, 'रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के दोनों दलों के सांसदों के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। इसका नेतृत्व हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी के चेयरमैन ब्रायन मास्ट ने किया। बातचीत भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी में हो रहे बदलावों पर केंद्रित रही, जिसमें रक्षा उद्योग और टेक्नोलॉजी से जुड़े सहयोग पर खास जोर दिया गया।'

यूएनएचआरसी में उठा पीओके और पीओजीबी का मुद्दा

विश्व केसरी■



जिनेवा। यूनाइटेड कश्मीर पीपल्स नेशनल पार्टी (यूकेपीएनपी) ने जिनेवा में चल रहे संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) के 63वें सत्र के दौरान पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) और पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगित-बाल्टिस्तान (पीओजीबी) में मानवाधिकार के गिरते स्तर की ओर अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान आकर्षित कराया।

सोमवार को यूएनएचआरसी सत्र को संबोधित करते हुए, अफ्रीकन डेवलपमेंट एसोसिएशन (एडीए) के प्रतिनिधि और यूकेपीएनपी के अध्यक्ष सरदार शौकत अली कश्मीरी ने 5 जून 2026 से पीओके में पाकिस्तानी अधिकारियों द्वारा बढ़ते दमन की खबरों पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कब्जे वाले इलाके में मौतों, बर्बरता, मनमाने ढंग से गिरफ्तारियों, लोगों की गुमशुदगी, शांतिपूर्ण सभाओं और संचार व्यवस्था पर पाबंदियों के साथ ही इलाके में बढ़ते सैन्यकरण का मुद्दा उठाया। उन्होंने कथित उल्लंघनों की तत्काल, स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच की मांग उठाई और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से आग्रह किया कि वे पाकिस्तान पर दबाव डालें ताकि अपने मौलिक लोकतांत्रिक अधिकारों का इस्तेमाल करने वाले नागरिकों की सुरक्षा और जवाबदेही सुनिश्चित हो सके।

शौकत अली ने परिषद से कहा, 'शांतिपूर्ण असहमति आतंकवाद नहीं है और अधिकारों की मांग करना कोई अपराध नहीं है।'उन्होंने पाकिस्तान से शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ बल प्रयोग तुरंत बंद करने, मनमाने ढंग से हिरासत में लिए गए सभी लोगों को रिहा करने, लापता लोगों के बारे में जानकारी देने और पूरे पीओके में बिना किसी रोक-टोक के इंटरनेट और मोबाइल संचार सेवा बहाल करने की मांग की।

संक्षिप्त खबर

अजरबैजान की 20 वर्षीय महिला का गैंगरेप

विश्व केसरी■



लंदन। पाकिस्तान में यौन हिंसा के मामलों में चिंताजनक बढ़ोतरी हुई है। पंजाब प्रांत की राजधानी लाहौर के हालात बेहद खराब हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार इस साल शुरू के आठ महीनों में ही यौन उत्पीड़न के 1,180 मामले दर्ज किए गए हैं। हाल ही में एक अजेरी महिला के साथ हुई ज्यादती ने पाकिस्तान की दुनिया में फजीहत करा दी है। अजरबैजान की 20 साल की एक महिला को लाहौर के एक अपार्टमेंट में तीन लोगों ने कथित तौर पर नशीली दवा देकर गैंगरेप किया। पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार, बाकू की रहने वाली यह महिला एक बिजनेस ट्रिप पर पाकिस्तान आई थी। शनिवार (26 सितंबर) को राइविंड के डिफेंस हाउसिंग अथॉरिटी इलाके में उसके साथ कथित तौर पर रेप किया गया। उसने बताया कि दो महिलाओं ने उसे एक स्थानीय रेस्तरां में डिनर के लिए बुलाया था, जहां बाद में तीन पुरुष भी उनके साथ शामिल हो गए। ब्रिटेन के प्रमुख अखबार 'द इंडिपेंडेंट' की एक रिपोर्ट में इसका खुलासा किया गया है। महिला का आरोप है कि उन पुरुषों ने उसे और दूसरी दो महिलाओं को घर छोड़ने का झांसा दिया, लेकिन इसके बजाय उसे एक अनजान फ्लैट पर ले गए। उसे नशीली दवा देकर गैंगरेप किया गया। और बाद में छोड़ दिया गया; साथ ही, संदिग्धों ने उसका मोबाइल फोन और अन्य कीमती सामान भी छीन लिया था।

पांच उच्च हिमालयी क्षेत्रों से 67 लोगों को सुरक्षित निकाला गया

विश्व केसरी■



उत्तरकाशी। उच्च हिमालयी क्षेत्रों में भारी बर्फबारी और प्रतिकूल मौसम के बीच ट्रेकिंग एवं पर्वतारोहण अभियानों पर गए ट्रेकर्स, पोर्टर्स और सपोर्ट स्टाफ की सुरक्षित वापसी के लिए चलाया गया रेस्क्यू अभियान डेढ़ दिन के भीतर सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन ने अभियान को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित कर चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में यह महत्वपूर्ण अभियान संपन्न कराया। अभियान के दौरान कालिंदी पास बेस, ऑडिन कोल बेस, सतोपंथ बेस तथा जोगिन-1 पास बेस सहित विभिन्न उच्च हिमालयी क्षेत्रों में फंसे सदस्यों को सुरक्षित निचले क्षेत्रों तक पहुंचाने के लिए लगातार रेस्क्यू कार्य संचालित किया गया। अभियान के पहले दिन जिलाधिकारी प्रशांत आर्य स्वयं हर्षिल पहुंचकर रेस्क्यू कार्यों की निगरानी करते रहे। वहीं, सायंकाल स्मार्ट कंट्रोल रूम से अभियान की प्रगति पर लगातार नजर रखी गई। दूसरे दिन भी जिलाधिकारी ने कंट्रोल रूम से रेस्क्यू ऑपरेशन की निरंतर मॉनिटरिंग करते हुए संबंधित टीमों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अपर जिलाधिकारी मुक्ता मिश्र भी पूरे अभियान के दौरान हर्षिल में मौजूद रहीं। जिला प्रशासन, पुलिस, एसडीआरएफ, आपदा प्रबंधन विभाग तथा अन्य संबंधित एजेंसियों के संयुक्त प्रयासों से कुल 67 सदस्यों का सुरक्षित रेस्क्यू किया गया।

डीएमजेड विस्फोट की जांच का आदेश, दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ली ने कहा- नतीजों के आधार पर होगी कार्रवाई

विश्व केसरी■



सोल। डिमिलिटराइज्ड जोन (डीएमजेड) में हुए बारूदी सुरंग विस्फोट को लेकर उठ रहे तमाम सवालों के बीच दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्युंग ने पारदर्शी जांच के आदेश दिए हैं। धमाके में दक्षिण कोरिया के तीन सैनिक घायल हुए थे। ली ने कहा कि जांच के नतीजों के आधार पर सरकार जरूरी कदम उठाएगी।

योनहाप न्यूज एजेंसी ने बताया कि राष्ट्रपति ली ने मंगलवार को चेओंग वा डे में कैबिनेट बैठक के दौरान कहा कि सैन्य अधिकारियों को संयुक्त राष्ट्र कमान (यूएनसी) के साथ मिलकर घटना की सच्चाई जल्द से जल्द और पूरी तरह सामने लानी चाहिए। उन्होंने कहा कि जांच के निष्कर्षों के अनुरूप आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

यह बयान दक्षिण कोरियाई सेना द्वारा सोमवार को जारी प्रारंभिक जांच के निष्कर्षों के एक दिन बाद आया है। सेना ने कहा था कि उपलब्ध सबूतों के आधार पर 'उत्तर कोरिया की बारूदी सुरंगों से विस्फोट होने की काफी संभावना है।' हालांकि, अंतिम जांच अभी पूरी नहीं हुई है।

विस्फोट पिछले सोमवार (21 सितंबर) को डीएमजेड के भीतर उस समय हुआ, जब दक्षिण कोरियाई सेना और संयुक्त राष्ट्र कमान की संयुक्त जांच के लिए रास्ता साफ करने का अभियान चल रहा था। इस अभियान का उद्देश्य उन संभावित बारूदी सुरंगों की जांच करना था, जिन्हें दक्षिण कोरिया के अनुसार उत्तर कोरिया ने सैन्य सीमा रेखा के पार हाल में बिछाया हो सकता है।

दक्षिण कोरियाई सेना के अनुसार, घटनास्थल से मिले सुरंग के टुकड़ों और अवशेषों में टीएनटी और भूरे रंग की सिंथेटिक सामग्री के निशान मिले हैं।

नेतन्याहू के यूएई दौरे की पुष्टि, स्टेट मीडिया ने बताया राष्ट्रपति नाहयान से किस मुद्दे पर हुई बात!

विश्व केसरी■



अबू धाबी/तेल अवीव। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की सरकारी समाचार एजेंसी डब्ल्यूएएम ने नेतन्याहू के सीक्रेट विजिट की पुष्टि की। एजेंसी ने बताया कि यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने रविवार को इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की।

एजेंसी की यह रिपोर्ट नेतन्याहू की यात्रा की यूएई की ओर से पहली पुष्टि थी। वहीं सोमवार देर रात इजरायली प्रधानमंत्री के कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बयान जारी कर बताया कि नेतन्याहू ने यूएई राष्ट्रपति के निमंत्रण पर यह यात्रा की।

इसमें बताया कि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनकी पत्नी ने कल (रविवार) को यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद के निमंत्रण पर संयुक्त अरब अमीरात का दौरा किया। दौरे का मुख्य उद्देश्य 'दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करना और क्षेत्रीय चुनौतियों पर चर्चा करना था।'

प्रधानमंत्री के साथ नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के प्रमुख, मोसाद के प्रमुख, मिलिट्री सेक्रेटरी और विदेश नीति सलाहकार भी मौजूद थे। इजरायल के तीन वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि रविवार को हुई बैठक छह घंटे तक चली और मुख्य रूप से ईरान पर केंद्रित थी। इससे पहले इस साल, यूएई ने शेख मोहम्मद और नेतन्याहू की मुलाकात से इनकार किया था, जबकि मई में इजरायल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा था कि नेतन्याहू ने खाड़ी देश की 'गुप्त यात्रा' की थी और राष्ट्रपति से मुलाकात की थी। बैठक की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने उस समय बताया था।

अवैध फैक्ट्रियां बंद की जाए- संजय निरुपम

विश्व केसरी■



मुंबई। मुंबई के गोरेगांव पूर्व में एक इलेक्ट्रोप्लेटिंग यूनिट से जहरीली एसिड गैस लीक होने से दो युवाओं की मौत के बाद शिवसेना नेता संजय निरुपम ने बीएमसी और प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने मंगलवार को क्राइम साइट पर स्थानीय नागरिकों से मुलाकात की।

उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि रिहायशी इलाकों में चल रही इलेक्ट्रोप्लेटिंग यूनिट बेगुनाह लोगों की जान ले रही हैं। उन्होंने बताया, 'कल-परसों गोरेगांव पूर्व की इस फैक्ट्री से खतरनाक एसिड गैस बनकर लीक हुआ और बगल के बाथरूम में गया। दो नौजवान बाथरूम के अंदर थे। अंदर ही घुटकर मर गए। बाहर एक बिल्ली थी, वह भी मर गई।'

निरुपम ने कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि बीएमसी की आंखों के सामने पिछले 3-4 साल में 40-50 झोपड़े बन गए हैं। इन झोपड़ों में इलेक्ट्रोप्लेटिंग की फैक्ट्रियां चल रही हैं जो रोज जहर उगलती हैं। इन्हीं झोपड़ों में अवैध क्लब और जुए के अड्डे भी चल रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बीएमसी ने हादसे के बाद तोड़फोड़ की कार्रवाई तो शुरू की, परंतु जहर उगलने वाली फैक्ट्रियों को छोड़कर बेगुनाहों के घर तोड़ दिए। यहां तक कि 50 साल पुराना एक शिव मंदिर भी तोड़ दिया गया, जबकि अवैध फैक्ट्रियां और अवैध धंधे अब भी अनवरत चालू हैं। संजय निरुपम ने कहा कि स्थानीय नागरिक बीएमसी की नीयत पर शक कर रहे हैं।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एडिशनल म्युनिसिपल कमिश्नर अश्विनी भिडे को टैग करते हुए कार्रवाई करने की मांग की।

पत्रकारों से बात करते हुए संजय निरुपम ने कहा कि यह बेहद दर्दनाक हादसा है। रिहायशी इलाके में इस तरह की खतरनाक केमिकल फैक्ट्रियां कैसे चल रही हैं, यह बड़ा सवाल है।

उन्होंने मांग की कि अवैध इलेक्ट्रोप्लेटिंग यूनिटों को तुरंत बंद किया जाए और दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई हो। साथ ही मृतकों के परिवार को मुआवजा दिया जाए।

मध्य प्रदेश के सरकारी स्कूलों के 58 लाख विद्यार्थियों को ड्रेस के लिए 600 रुपए मिलेंगे

विश्व केसरी■



भोपाल। मध्य प्रदेश के सरकारी स्कूलों में पहले से आठवीं तक पढ़ने वाले 58 लाख बच्चों को गणवेश के लिए 600 रुपए दिए जाएंगे।यह फैसला मंगलवार को हुई मोहन सरकार की कैबिनेट में लिया गया । राज्य सरकार के कैबिनेट मंत्री चैतन्य काश्यप ने कैबिनेट बैठक में लिए गए फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई बैठक में निर्णय लिया गया है कि राज्य के शासकीय स्कूलों में पढ़ने वाले कक्षा 1 से 8 तक के 58 लाख विद्यार्थियों को 600 रुपए प्रति गणवेश के अनुसार सीधे बैंक खाता के माध्यम से प्रदान किए जाएंगे, इसके अंतर्गत राज्य सरकार द्वारा 348 करोड़ रुपए छात्रों को दिए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि बैठक में करीब 24 हजार 500 करोड़ के प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की गई। इनमें पुनरीक्षित प्रस्ताव, संशोधित प्रस्ताव तथा विभिन्न योजनाओं की निरंतरता से संबंधित प्रस्ताव शामिल रहे। इन सभी प्रस्तावों पर विचार-विमर्श के बाद स्वीकृति प्रदान की गई है। मंत्री चैतन्य काश्यप के मुताबिक यूनेस्को की टेंटेटिव लिस्ट में भारत के कुल 78 स्थलों को शामिल किया गया है, जिनमें 19 स्थल मध्यप्रदेश के हैं। इनमें बाघ गुफाओं की चित्रकारी, गिन्नौरगढ़ किला, चंबल घाटी के मंदिर समूह और उदयगिरि की गुफाएं जैसे महत्वपूर्ण ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक स्थल शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि यह मध्यप्रदेश के पर्यटन के लिए भविष्य की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण आधार तैयार करता है। प्रदेश में पर्यटन सुविधाओं के विस्तार और पर्यटन के विकास पर लगातार कार्य किया जा रहा है।

विपक्ष को चुनाव प्रक्रिया से दिक्कत है तो इलेक्शन लड़ना क्यों नहीं छोड़ देता: चिराग पासवान

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) प्रमुख और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि चुनाव आयोग और एसआईआर के खिलाफ विपक्ष के आरोप निराधार हैं। इसके साथ ही कहा कि उत्तर प्रदेश चुनाव में लड़ने की तैयारी जारी है।

एसआईआर और चुनाव आयोग पर विपक्ष के सवालों पर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, 'विपक्ष एसआईआर के मुद्दे पर लगातार चुनाव आयोग को लेकर भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहा है। मुझे लगता है कई राज्यों ने इनके इस भ्रम का जवाब देने का काम किया। बंगाल और बिहार के चुनाव में जनता ने विपक्ष को जवाब दिया है। अगर विपक्ष इस पर सवाल उठाता है, तो फिर उन राज्यों के परिणामों पर भी सवाल उठाना चाहिए, जहां उनके पक्ष में नतीजे आते हैं और सरकार बनती है। यह जो चुनिंदा आलोचना विपक्ष के द्वारा की जाती है, वह उचित नहीं है।'

चिराग पासवान ने कहा, 'इसी तरह के आरोप ईवीएम पर लगाए जाते थे। जिन राज्यों या सीटों से विपक्ष के उम्मीदवार जीतते थे, तो वहां की ईवीएम पर सवाल नहीं उठाते थे। जहां एनडीए के उम्मीदवार जीतते थे, तो विपक्ष के लोग ईवीएम से छेड़छाड़ करने का आरोप लगाते थे। पहले ईवीएम और अब चुनाव प्रणाली को विपक्ष मुद्दा बना रहा है।

मुंबई में गणेश विसर्जन के दौरान मोबाइल चोरी 192 शिकायतें दर्ज की 18 गिरफ्तार

विश्व केसरी■



मुंबई। अनंत चतुर्दशी पर गणेश विसर्जन के लिए जुटी भारी भीड़ का फायदा उठाते हुए, चोरों के गिरोहों ने पूरे मुंबई में श्रद्धालुओं के मोबाइल फोन और सोने के गहने चुरा लिए। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि इन चोरियों के सिलसिले में 18 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें दो महिलाएं और एक नाबालिग शामिल है।

गणेश विसर्जन के दौरान अलग-अलग पुलिस स्टेशनों में खोए और चोरी हुए मोबाइल फोन से जुड़ी 200 से ज्यादा शिकायतें मिलीं। पुलिस ने 192 खोए या चोरी हुए मोबाइल फोन के मामले दर्ज किए, जबकि मोबाइल फोन और सोने की चेन चोरी होने के 10 अलग-अलग मामले भी दर्ज किए गए।

भगवान गणेश को विदाई देने के लिए लालबाग, परेल और गिरगांव चौपाटी जैसे इलाकों में लाखों भक्त जमा हुए। पुलिस ने बताया कि सेंट्रल मुंबई में 'लालबागचा राजा' के विसर्जन जुलूस के दौरान भारी भीड़ का फायदा जेबकतरे गिरोहों ने उठाया, जिनमें स्थानीय सदस्य और राज्य के बाहर के संदिग्ध दोनों शामिल थे। कई भक्तों ने बताया कि उनकी जेब से मोबाइल फोन चोरी हो गए और गले से सोने की चेन छीन ली गई। भीड़ भरे जुलूसों के दौरान महिलाओं के पर्स भी निशाना बनाए गए। शुरुआती जांच से पता चला है कि इन चोरियों में संगठित गिरोह शामिल हैं, जो कुछ अपराधों को अंजाम देने के लिए महिलाओं और नाबालिगों का इस्तेमाल करते हैं। विसर्जन जुलूस (जिसे 'मिरवणूक' भी कहा जाता है) के दौरान भक्तों के पर्स चुराने की कोशिश करते हुए दो महिलाओं को चोरी के सामान के साथ रंगे हाथों पकड़े जाने की खबर है।

चोरी की शिकायतों में बढ़ोतरी के बाद, मुंबई पुलिस ने विसर्जन के रास्तों पर सादे कपड़ों में पुलिसकर्मियों की टीमें तैनात कीं।

गुलवीर ने लगाई मेडल की हैट्रिक, 5000 मीटर दौड़ में जीता ब्रॉन्ज



विश्व केसरी ■

नागोया। गुलवीर सिंह ने एशियन गेम्स 2026 में इतिहास रचते हुए मेडल की हैट्रिक पूरी कर ली है। भारतीय धावक ने मंगलवार को मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ के फाइनल में ब्रॉन्ज मेडल जीता।

गुलवीर ने इस रेस को 13:32.75 सेकंड में पूरा किया। बहरीन के बिरहानु बालेव ने 13:30.79 के समय के साथ गोल्ड मेडल जीता, जबकि जापान के यामागुची टोमोनोरी 13:31.43 के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहे।

इससे पहले उन्होंने एशियन गेम्स 2026 में 10,000 मीटर और 1500 मीटर इवेंट में सिल्वर मेडल हासिल किए थे। इस जीत के साथ गुलवीर बीते 40 साल में एशियन गेम्स के एक ही एडिशन में तीन मेडल जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट बन गए हैं। उनसे पहले पीटी उषा ने एशियन गेम्स 1986 में चार मेडल जीते थे।

गुलवीर 5000 मीटर फाइनल की शुरुआत में आगे रहने वाले ग्रुप के साथ बने रहे और शुरुआती 2000 मीटर के बाद तीसरे स्थान पर थे। रेस के निर्णायक दौर में भी उन्होंने अपनी स्थिति बनाए रखी, लेकिन टॉप-2 स्थानों के लिए चुनौती नहीं दे पाए।

इससे पहले गुलवीर ने पुरुषों की 10,000 मीटर रेस में यादगार प्रदर्शन करते हुए 28:29.38 का समय लिया और सिल्वर मेडल जीता। वह इस इवेंट में दो एशियन गेम्स मेडल जीतने वाले पहले भारतीय बने। उन्होंने इससे पहले 2023 के हांग्जो एशियन गेम्स में 10,000 मीटर में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। इसके बाद गुलवीर पुरुषों की 1500 मीटर रेस में एक और सिल्वर मेडल जीता, जिसमें वह अपने पर्सनल बेस्ट समय 3:36.72 के साथ दूसरे स्थान पर रहे।

दूसरी ओर, महिलाओं की 800 मीटर फाइनल रेस में भारत की पूजा ओल्ला 2:06.72 सेकंड के साथ सातवें स्थान पर रहीं। चीन की वू होंगजियाओ (2:04.49 सेकंड) ने गोल्ड अपने नाम किया। वहीं, पुरुषों की 800 मीटर फाइनल रेस में मोहम्मद अफसल पुलिक्कलाकाथ (1:48.27 सेकंड) आठवें स्थान पर रहे। जापान के को ओचियाई ने 1:44.48 के समय के साथ पुरुषों की 800 मीटर रेस में गोल्ड मेडल जीता। ओचियाई ने ईरान के सज्जाद मोरादी के 16 साल पुराने रिकॉर्ड (1:44.74) को तोड़कर एशियन गेम्स में नया रिकॉर्ड बनाया।



श्री चरणी ने रच दिया इतिहास, आईसीसी विमेंस टी20 बॉलिंग रैंकिंग में बनाया नया रिकॉर्ड

विश्व केसरी ■



दुबई। भारत की श्री चरणी ने आईसीसी विमेंस टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में अब तक की सबसे ज्यादा रेटिंग का नया रिकॉर्ड बनाया है। एशियन गेम्स 2026 में शानदार प्रदर्शन के बाद बाएं हाथ की स्पिनर अपने करियर के बेस्ट 817 प्वाइंट्स तक पहुंच गईं।

श्री चरणी पहले ही टी20 अंतरराष्ट्रीय फॉर्मेट में 'वर्ल्ड नंबर-1' गेंदबाज हैं। अब उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की मेगन शट के (806 रेटिंग प्वाइंट्स) के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है, जिसे मेगन ने नवंबर 2018 में बनाया था।

चरणी ने भारत की सफल यात्रा में अहम भूमिका निभाई और एशियन गेम्स में अपनी शानदार फॉर्म बरकरार रखते हुए भारत को अपना गोल्ड मेडल बचाने में मदद की। एशिया कप 2026 में श्री चरणी ने 12 विकेट लेकर भारत को खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ फाइनल में 20 रन देकर 4 विकेट हासिल किए थे।

श्री चरणी ने एशियन गेम्स 2026 में जापान के खिलाफ 10/4 का अपना करियर-बेस्ट प्रदर्शन करते हुए भारत को सेमीफाइनल तक पहुंचाने में मदद की थी। खिताबी मैच में उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ 13 रन देकर 2 विकेट लिए। भारत ने यह मैच 147 रन से जीतकर गोल्ड मेडल जीता।

एशियन गेम्स 2026 के फाइनल में दीप्ति शर्मा ने श्रीलंका के विरुद्ध 6 रन देकर 3 विकेट चटकाए। इस शानदार प्रदर्शन के साथ उन्होंने 754 प्वाइंट्स के साथ दूसरा स्थान हासिल किया है, जबकि इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन 723 प्वाइंट्स के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

भारत की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने एशियन गेम्स के फाइनल में 79 रन की पारी खेली थी, जिसके साथ उन्होंने टी20 फॉर्मेट में बल्लेबाजी की रैंकिंग में टॉप-5 में वापसी कर ली है।

दूसरी ओर, हरारे में जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज के बीच जारी सीरीज ने वनडे फॉर्मेट में काफी बदलाव किया है। यह सीरीज फिलहाल 1-1 से बराबरी पर है। वेस्टइंडीज की ऑल-राउंडर हेली मैथ्यूज ने सीरीज के पहले मैच में 182 रनों की दमदार पारी खेली थी, जिसके बाद वह 711 प्वाइंट्स के साथ बैटिंग रैंकिंग में तीन पायदान ऊपर चढ़कर चौथे स्थान पर पहुंच गईं। उनकी साथी रियलीना ग्रिमंड 34 पायदान ऊपर चढ़कर 270 प्वाइंट्स के साथ संयुक्त रूप से 102वें स्थान पर पहुंच गईं।

इस बीच, जिम्बाब्वे की न्याशा ग्वांजुरा ने वनडे बॉलिंग रैंकिंग में एक अहम स्थान हासिल किया; उन्होंने दूसरे वनडे में 18 रन बनाने के साथ 4 विकेट हासिल किए। इस तरह वह 52 पायदान ऊपर चढ़कर 156वें ??स्थान पर पहुंच गईं। जिम्बाब्वे की बल्लेबाज मोडेस्टर मुपाचिकवा भी दो मुकाबलों में 86 और 38 रन बनाने के बाद 16 पायदान ऊपर चढ़कर 492 प्वाइंट्स के साथ अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 40वें स्थान पर पहुंच गईं।

नीरू ढांडा ने देश को दिलाया पांचवां गोल्ड



विश्व केसरी ■

नागोया। एशियन गेम्स 2026 में भारत को पांचवां गोल्ड मेडल मिल गया है। अपना पहला एशियन गेम्स खेल रही नीरू ढांडा ने इतिहास रचा है और महिलाओं की ट्रैप इंडिविजुअल इवेंट के फाइनल में 28 के एशियन रिकॉर्ड स्कोर के साथ गोल्ड मेडल जीता है। इस इवेंट में गोल्ड जीतने वाली वह भारत की पहली महिला ट्रैप शूटर हैं।

नीरू ने क्वालीफिकेशन में 118 के स्कोर के साथ टॉप किया था। फाइनल में उन्होंने 28 के स्कोर के साथ एशियन रिकॉर्ड बनाया और एशियन गेम्स के इतिहास में ट्रैप इवेंट में गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। इसके अलावा, नीरू एशियन गेम्स में ट्रैप इंडिविजुअल इवेंट में पहली भारतीय मेडलिस्ट हैं।

नीरू फाइनल में टॉप फॉर्म में थीं। उनका पहला मिस उनके नौवें शॉट में हुआ, जिससे वह थोड़ी देर के लिए तीसरे नंबर पर आ गईं। लेकिन उन्होंने तीसरी और चौथी सीरीज में परफेक्ट हिट्स के साथ तेजी से वापसी की और 20 शॉट्स में 19 हिट्स के साथ टॉप पर पहुंच गईं।

फिर उन्होंने पाचंवीं सीरीज में एक शॉट मिस करने के बावजूद अपनी गोल्ड मेडल पोजीशन बनाए रखी।

नागल और दक्षिणेश्वर सिंगल्स के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचे



विश्व केसरी ■

नागोया। एशियाई खेलों में मंगलवार को सुमित नागल और दक्षिणेश्वर सुरेश ने टेनिस के पुरुष सिंगल्स के दूसरे दौर के मैचों में शानदार जीत हासिल की और प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

सुमित ने दूसरे दौर में 2023 एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता दक्षिण कोरिया के सेओंगचान होंग को 6-4, 6-0 से हराया, जबकि सुरेश ने इंडोनेशिया के गुनावान त्रिस्मुवंतारा पर कड़े मुकाबले में 7-5, 7-6 (2) से जीत दर्ज की।

मौसम की खराबी के कारण सोमवार को सुमित और हांग का मैच रोक दिया गया जबकि पहले सेट में सुमित 3-2 से आगे थे। कोरियाई खिलाड़ी ने वापसी की और मंगलवार को फिर से शुरू होने पर पहले आठ अंक जीते क्योंकि सुमित पहले मैच में 3-4 से पीछे था।

हालांकि, सुमित ने सेट और बाद में मैच अपने नाम करने के लिए लगातार नौ गेम जीते। सुमित एटीपी मास्टर्स 1000 इंडियन वेल्स क्वालीफाइंग राउंड में हांग से 6-2, 2-6, 6-7 (4) से हार गए थे।

नागल ह्योन चुंग से 6-2, 4-6, 5-7 से हार गए जबकि वह एकल स्पर्धा में सूनवू क्वोन से 1-6, 2-6 से हार गए। एशियाई खेलों में अगले दौर में नागल का मुकाबला उज्बेकिस्तान के सर्गेई फोमिन से होगा।

इस बीच, एशियाई खेलों में अपने पदार्पण पर सुरेश को इंडोनेशियाई खिलाड़ी के खिलाफ कड़ी टक्कर मिली। उन्होंने गुनावान की सर्विस तोड़ने के बाद पहला सेट करीबी मुकाबले में 7-5 से अपने नाम कर लिया। पहले सर्व पर उनका जीत प्रतिशत 80 फीसदी था, जो पहले सेट में दूसरे सर्व पर 82 प्रतिशत था जबकि गुनावान ने पहले सर्व पर 72 प्रतिशत और दूसरे सर्व पर 33 प्रतिशत अंक जीते।

सुरेश ने उसी निरंतरता को जारी रखा क्योंकि उसने दूसरे सेट में अपनी पहली सर्विस पर प्रभावशाली 85 प्रतिशत अंक और दूसरे सेट पर 86 प्रतिशत अंक जीते जबकि उसके प्रतिद्वंद्वी ने पहली सर्विस पर केवल 70 प्रतिशत अंक और दूसरे सेट पर 47 प्रतिशत अंक जीते।

परवीन हुड्डा मुक्केबाजी के 65 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में पहुंचीं



विश्व केसरी ■

निशियो। भारत की बॉक्सर परवीन हुड्डा मंगलवार को यहां निशियो जिम्नेजियम में चीन की ली शू को 5-0 से हराकर एशियन गेम्स में महिलाओं के 65 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में पहुंच गईं।

परवीन ने आखिरी दो राउंड में खासतौर पर अपना दबदबा बनाया। उन्होंने पहला राउंड 3-2 के करीबी अंतर से जीता। इस दौरान परवीन ने सावधानी बरतते हुए काउंटर पंच मारे। परवीन ने दूसरे राउंड में अपने हिट्स से दबदबा बनाया, जबकि चीनी बॉक्सर ने भी कुछ पंच मारे। इसके बावजूद, परवीन ने राउंड 5-0 से जीत लिया। भारतीय बॉक्सर तीसरे राउंड में एक बार फिर बेहतर रहीं। उन्होंने सटीक पंच मारे और तीसरा राउंड 5-0 से जीत लिया। सभी पांच जजों ने उनके पक्ष में वोट दिया, जिसमें से तीन ने उन्हें 29-28 और दो ने 30-27 का फैसला दिया।

परवीन अब 65 किग्रा के फाइनल में पहुंच गई हैं, जहां उनका सामना गोल्ड मेडल के लिए चीनी ताइपे की चेन निएन-चिन से होगा। यह मुकाबला कड़ा और रोमांचक होगा। निएन-चिन मौजूदा ओलंपिक और वर्ल्ड ब्रॉन्ज मेडलिस्ट हैं। उन्होंने 2023 एशियन गेम्स में भी ब्रॉन्ज मेडल जीता है।

भारत के अंकुश पंघाल और नरेंद्र भी मंगलवार को अपने-अपने सेमीफाइनल में उतरेंगे। दोनों मुक्केबाज फाइनल में जगह बनाने की कोशिश करेंगे।

मुक्केबाज अंकुश फाइनल में, नरेंद्र को ब्रॉन्ज मेडल

विश्व केसरी ■

निशियो। एशियन गेम्स में भारतीय मुक्केबाजों का शानदार प्रदर्शन जारी है। अंकुश पंघाल ने पुरुषों के 80 किग्रा सेमीफाइनल में फजलिद्दीन एर्किनबोव को हराकर फाइनल में जगह बनाई है।

अंकुश ने सेमीफाइनल में एर्किनबोव पर 4-1 से शानदार वापसी करते हुए जीत हासिल की। अंकुश पहले राउंड के आखिर में 1-4 से पीछे चल रहे थे, लेकिन उन्होंने अपने अच्छे पंचों के साथ करीबी मुकाबले में दूसरा राउंड 3-2 से जीत लिया।

तीसरे राउंड में भी भारतीय मुक्केबाज दोनों बॉक्सरों में बेहतर रहे। उन्होंने तीसरा राउंड 5-0 से जीता। पांच में से चार जजों ने अंकुश के पक्ष में वोट दिया और उन्होंने 4-1 से जीत हासिल की। चारों ने 29-28 का फैसला दिया, जबकि एक जज ने उनके खिलाफ 28-29 का फैसला दिया।

नरेंद्र अपना सेमीफाइनल मुकाबला ओरलबे से 0-5 के एकमत फैसले से हार गए। ओरलबे ने अपने जोरदार मुक्कों से बाउट पर दबदबा बनाया, जबकि नरेंद्र ने अच्छा खेला, लेकिन वर्ल्ड चैंपियन को नीचे नहीं गिरा सके।





ओरलबे ने पहला राउंड 5-0 से जीता और उनके मुक्के अच्छे लगे।

दूसरे राउंड में भी उन्होंने अपना दबदबा बनाए रखा। उनके जोरदार हमलों ने नरेंद्र को मुश्किल में डाल दिया। कजाख मुक्केबाज ने तीसरे राउंड में डिफेंसिव रवैया अपनाया और भारतीय मुक्केबाज पर 5-0 से जीत हासिल की।

इस बीच, अंकुश, अमित पंघाल (49 किग्रा) के 2018 जकार्ता गेम्स में गोल्ड जीतने के बाद एशियाड फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय पुरुष बॉक्सर बन गए हैं। यह मौजूदा गेम्स में बॉक्सिंग में भारत का दूसरा पक्का सिल्वर मेडल था।

इससे पहले, परवीन हुड्डा ने चीन की ली शू को 5-0 से हराकर महिलाओं के 65 किग्रा इवेंट के फाइनल में जगह बनाई। परवीन का गोल्ड मेडल के लिए मुकाबला चीनी ताइपे की चेन निएन-चिन से होगा।

आशिमा अहलावत ट्रैप टीम इवेंट में सिल्वर मेडल जीता

विश्व केसरी ■



नागोया। आशिमा अहलावत ने मंगलवार को एशियन गेम्स 2026 में महिला शूटिंग ट्रैप टीम इवेंट में देश के लिए सिल्वर मेडल जीता। आशिमा ने इस मेडल को सपने के सच होने जैसा बताया है।

मंगलवार को आइची-नागोया खेलों में भारतीय महिला ट्रैप टीम ने मुश्किल मौसम का सामना करते हुए दूसरा स्थान हासिल किया। साल 2021 में इस खेल को शुरू करने के बाद से युवा शूटर के तेजी से आगे बढ़ने के सफर में यह एक अहम पड़ाव है।

चीन ने 346 स्कोर के साथ गोल्ड मेडल जीता, जबकि कुवैत ने 325 स्कोर के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। वहीं, आशिमा, नीरू ढांडा और मनीषा कीर की तिकड़ी ने आइची प्रीफेक्चरल जनरल शूटिंग गैलरी में महिला ट्रैप टीम इवेंट में कुल 328 स्कोर के साथ भारत को सिल्वर मेडल दिलाने में मदद की।

आशिमा ने 'आईएएनएस' से कहा, 'यह मेडल मेरे लिए बहुत मायने रखता है, क्योंकि जब मैंने शूटिंग शुरू की थी, तो हमेशा एशियन गेम्स की टीम में शामिल होकर मेडल जीतना चाहती थी। इसलिए, जब मुझे यह मेडल मिला, तो यकीन ही नहीं हुआ कि ऐसा हो गया है। यह एहसास बहुत अच्छा है। ऐसा लगता है जैसे सफर पूरा हो गया है।'

उन्होंने बताया, 'यह प्रदर्शन आसान नहीं था। हम पिछले 1-2 दिनों से कतर और कुवैत के साथ मुकाबला कर रहे थे। आज के मौसम ने हमारी बहुत मदद की। दूसरे देश इस मौसम में टिक नहीं पाए। हमने इस मौसम का सामना किया और ब्रॉन्ज से सिल्वर मेडल तक का सफर तय किया। इसलिए, यह बहुत अच्छा एहसास है।'

मौसम को बाधा मानने के बजाय, आशिमा को लगा कि यह ऐसी स्थिति थी जिसे संभालने के लिए भारतीय शूटर बेहतर ढंग से तैयार थे, क्योंकि उन्हें घरेलू प्रतियोगिताओं के दौरान अक्सर ऐसे हालात का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा, 'बेशक, क्योंकि हम भारत में बारिश में शूटिंग करने के आदी हैं।

हमारे सिलेक्शन ट्रायल भी ऐसे ही हालात में होते हैं और हमारी ट्रेनिंग भी। इसलिए, इससे हमें कोई खास फर्क नहीं पड़ा।

इस मौसम की वजह से हम घबराए नहीं। कई देशों को इसकी उम्मीद नहीं थी। हमने इस मौसम में भी अच्छा प्रदर्शन किया और हमें सिल्वर मेडल मिला।

ओपनएआई ने सुरक्षा चिंताओं के चलते नए मॉडल का लॉन्च रोका



विश्व केसरी ■

वाशिंगटन। अमेरिकी एआई कंपनी ओपनएआई ने अपने नए एआई मॉडल के लॉन्च को रोक दिया है। आंतरिक परीक्षणों में मॉडल के व्यवहार को लेकर सुरक्षा और 'अलाइनमेंट' से जुड़ी चिंताएं सामने आने के बाद यह फैसला लिया गया।

रिपोर्ट के मुताबिक, एस्ट्रा जीपीटी-6.1 एस्ट्रा को चैटजीपीटी और कोडेक्स में शामिल किया जाना था और इसे ऐसे जटिल काम करने के लिए तैयार किया जा रहा था, जिनमें इंसानी हस्तक्षेप अपेक्षाकृत कम हो। लेकिन परीक्षणों के दौरान मॉडल ने कुछ मामलों में अपने पिछले संस्करण की तुलना में ज्यादा भ्रामक व्यवहार दिखाया। ओपन एआई की सुरक्षा प्रमुख साची जैन ने वॉल स्ट्रीट जरनल को बताया कि एस्ट्रा ने कुछ अलाइनमेंट परीक्षणों में कंपनी के तय मानकों को पूरा नहीं किया। खास तौर पर मॉडल के अपने काम के बारे में सही जानकारी देने और यूजर की अनुमति की सीमा में रहने को लेकर समस्याएं सामने आईं। रॉयटर्स के अनुसार, परीक्षणों में यह भी पाया गया कि एस्ट्रा कभी-कभी यूजर की अनुमति लिए बिना किसी काम को आगे बढ़ाता था। कुछ स्थितियों में उसने बाहरी टूल या सेवाओं का इस्तेमाल करने की कोशिश की, जबकि ऐसा करना असुरक्षित हो सकता था। यह चिंता इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि एजेंटिक एआई मॉडल केवल सवालों के जवाब देने के बजाय कंप्यूटर, सॉफ्टवेयर और बाहरी सेवाओं के साथ कार्रवाई भी कर सकते हैं।

यह घटनाक्रम अगस्त में सामने आई उन चिंताओं के बाद आया है, जब ओपनएआई ने एस्ट्री की साइबर सुरक्षा क्षमताओं को लेकर अलग से सुरक्षा उपाय कड़े किए थे। कंपनी ने कहा था कि शुरुआती परीक्षणों में एस्ट्रा में साइबर सुरक्षा से जुड़ी क्षमताओं में महत्वपूर्ण बढ़ोतरी देखी गई और कुछ क्षमताएं उसके निर्धारित 'क्रिटिकल' स्तर तक पहुंच सकती हैं। इसके बाद कंपनी ने अतिरिक्त निगरानी, अलग परीक्षण वातावरण, सीमित नेटवर्क और टूल एक्सेस तथा मजबूत सुरक्षा नियंत्रण लागू करने की बात कही थी।

ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन और एंथ्रोपिक के सीईओ डारियो अमोडेई समेत उद्योग के कुछ प्रमुख लोगों ने हाल में एआई विकास की गति और सुरक्षा उपायों के बीच संतुलन पर चिंता जताई है।

ओपनएआई के लिए यह फैसला इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि कंपनी का डेवलपर सम्मेलन सैन फ्रांसिस्को में होने वाला है, जहां वह आम तौर पर नए एआई उत्पाद और डेवलपर टूल पेश करती है। फिलहाल एस्ट्रा को सार्वजनिक रूप से जारी करने के बजाय कंपनी ने आंतरिक परीक्षणों में सामने आई समस्याओं को दूर करने को प्राथमिकता दी है।

रसोई का खजाना है दालचीनी, स्वाद ही नहीं सेहत के लिए भी है फायदेमंद



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय रसोई में स्वाद और सुगंध बढ़ाने वाली दालचीनी सिर्फ एक मसाला नहीं, बल्कि आयुर्वेद में एक महत्वपूर्ण औषधि के रूप में भी जानी जाती है। इसकी छाल का उपयोग सदियों से भोजन के साथ-साथ स्वास्थ्य से जुड़ी कई समस्याओं में किया जाता रहा है।

दालचीनी एक सदाबहार वृक्ष है, जिसकी ऊंचाई लगभग 15 से 20 मीटर तक होती है। इसका उपयोगी भाग इसकी सुगंधित छाल है, जिसे सुखाकर मसाले के रूप में उपयोग किया जाता है। श्रीलंका को असली दालचीनी का मूल स्थान माना जाता है, जबकि भारत के केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु के पश्चिमी घाट क्षेत्रों में भी इसकी खेती की जाती है।

आयुर्वेद और पारंपरिक चिकित्सा पद्धति में दालचीनी को गर्म तासीर वाला माना गया है। इसको पाचन को बेहतर रखने में सहायक माना जाता है। यह पेट में गैस, अपच और पेट फूलने जैसी समस्याओं में पारंपरिक रूप से उपयोग की जाती रही है। यह पाचक रसों के स्राव को उत्तेजित करने में मदद करती है।

दालचीनी में पॉलीफेनोल जैसे शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं, जो शरीर को कई तरह की बीमारियों से बचाते हैं। पारंपरिक रूप से दालचीनी को जोड़ों के दर्द और मांसपेशियों की सूजन को कम करने में भी मददगार माना जाता है। इसके एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों के कारण इसका उपयोग लेप और तेल के रूप में भी किया जाता है।

सर्दी-जुकाम और खांसी में दालचीनी का काढ़ा या शहद के साथ इसका सेवन पारंपरिक रूप से काफी लोकप्रिय है। इसकी गर्म तासीर शरीर को गर्म रखने और सर्दी-खांसी से राहत दिलाने में सहायक मानी जाती है।

दालचीनी हर घर की रसोई में आसानी से मिलने वाला मसाला है। पुलाव, बिरयानी, चाय, कहवा और मिठाइयों में इसका उपयोग स्वाद और खुशबू के लिए किया जाता है। आयुर्वेद में इसे त्रिदोष शामक माना गया है, खासकर कफ और वात को संतुलित करने के लिए इसका उल्लेख मिलता है।

सारा दिन लैपटॉप पर बैठते हैं? रीढ़ की जकड़न और थकान दूर करेगा ये योगासन

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में घंटों बैठे रहना, गलत पोस्चर और तनाव शरीर को जकड़ कर रख देता है। योग के विभिन्न आसनों में पूर्वोत्तानासन शरीर के अगले हिस्से को खींचता है और पिछले हिस्से को मजबूत बनाता है।

पूर्वोत्तानासन शब्द की उत्पत्ति संस्कृत के तीन शब्दों से हुई है- 'पूर्व' (शरीर का अगला हिस्सा या पूर्व दिशा), 'उत्तान' (तीव्र खिंचाव), और 'आसन' (मुद्रा)। इसलिए इसे 'शरीर के अग्र भाग का तीव्र खिंचाव' या 'अपवर्ड प्लैंक पोज़' भी कहा जाता है। यह बैठकर आगे झुकने वाले आसनों (जैसे पश्चिमोत्तानासन) के प्रभाव को संतुलित करने के लिए एक बेहतरीन काउंटर-पोज है।

इस आसन को अपवर्ड प्लैंक पोज भी कहा जाता है, जो शरीर के अगले हिस्से में गहरा खिंचाव पैदा करता है।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, पूर्वोत्तानासन के नियमित अभ्यास से हाथों, पैरों और पीठ की मांसपेशियां मजबूत बनी रहती हैं। वहीं, रीढ़ की



हड्डी में लचीलापन बना रहता है और शरीर में ऊर्जा का संचार होता है। यह आसन थायरॉयड ग्रंथि को उत्तेजित करता है।

पूर्वोत्तानासन थायरॉयड ग्रंथि को उत्तेजित करने में बहुत मददगार माना जाता है, और इसका कारण इसकी गर्दन और गले की मुद्रा में छिपा है। इस आसन को करने के दौरान गर्दन पीछे की ओर झुकती है, जिससे थायरॉयड ग्रंथि के आसपास रक्त का प्रवाह तेज हो जाता है। ज्यादा ऑक्सीजन और पोषक तत्व मिलने से ग्रंथि ज्यादा सक्रिय और संतुलित तरीके से काम करने लगती है।

यह आसन पैरों और कूल्हों के लिए भी कंप्लीट वर्कआउट है। पूर्वोत्तानासन को करने के दौरान एड़ियों को ज़मीन पर दबाकर पैरों को सीधा रखा जाता है। इससे पिंडलियों, जांघों के पिछले हिस्से और आगे के हिस्से में तेज खिंचाव और मजबूती आती है। जो लोग दिनभर बैठे रहते हैं, उनके पैरों की जकड़न को यह आसन खोल देता है और पैरों में ताकत बढ़ाता है।

कूल्हों को ऊपर की ओर उठाकर रखने के लिए ग्लूट्स (नितंबों की मांसपेशियां) को पूरी तरह टाइट करना पड़ता है। इससे हिप्स शेप में आते हैं, हिप जॉइंट्स की अकड़न दूर होती है और कमर के निचले हिस्से को सहारा मिलता है। यह आसन हिप फ्लेक्सर्स को स्ट्रेच करता है, जो लगातार बैठने से टाइट हो जाते हैं। नियमित अभ्यास से पैरों में स्थिरता, कूल्हों में लचीलापन और पूरे लोअर बॉडी में मजबूती आती है।

यदि आप योग की शुरुआत कर रहे हैं, तो इस आसन को करने से पहले अपनी कलाइयों को घुमाकर थोड़ा वॉर्म-अप अवश्य कर लें। गर्दन या रीढ़ की हड्डी में गंभीर चोट (जैसे स्लिप डिस्क) होने पर सिर को पीछे न लटकाएं या इस आसन से बचें।

रोज सुबह नाश्ते में खाएं भीगे मेवों का मिश्रण, स्वाद के साथ मिलेगी अच्छी सेहत

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। दिन की शुरुआत अगर पौष्टिक खानपान से हो तो शरीर को जरूरी पोषक तत्व आसानी से मिल सकते हैं। इसी बात को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए सुबह की डाइट में मेवों को शामिल करने की सलाह दी है। पोस्ट में बादाम, अखरोट और किशमिश जैसे मेवे से मिलने वाले कई जरूरी पोषक तत्वों के बारे में भी बताया गया है।



सुबह के समय भीगे हुए मेवों का मिश्रण लेना एक आसान और पौष्टिक विकल्प हो सकता है। रात में मेवों को भिगोकर रखने और सुबह खाने का चलन भारतीय घरों में लंबे समय से देखा जाता है लेकिन अगर आप मेवों को भिगोना भूल जाते हैं तो इन्हें सामान्य रूप से भी संतुलित मात्रा में खा सकते हैं।

बादाम पोषण से भरपूर मेवों में शामिल है। इसमें विटामिन-ई, मैग्नीशियम, प्रोटीन और हेल्दी फैट्स पाए जाते हैं। विटामिन-ई शरीर के लिए एक महत्वपूर्ण एंटीऑक्सीडेंट है, जबकि मैग्नीशियम शरीर की कई सामान्य जैविक प्रक्रियाओं में भूमिका निभाता है। सुबह के नाश्ते में सीमित मात्रा में बादाम शामिल करना डाइट को पौष्टिक बनाने का एक सरल तरीका हो सकता है।

वहीं, अखरोट को ओमेगा-3 फैटी एसिड, प्रोटीन और एंटीऑक्सीडेंट्स का अच्छा स्रोत माना जाता है। इसे सीधे खाया जा सकता है या फिर ओट्स, दलिया, दही अथवा फलों के साथ भी शामिल किया जा सकता है।

किशमिश स्वाद में मीठी होने के साथ पोटैशियम, आयरन और फाइबर जैसे पोषक तत्व भी देती है, हालांकि इसमें प्राकृतिक शर्करा की मात्रा अपेक्षाकृत अधिक होती है। इसलिए इसे भी संतुलित मात्रा में खाना बेहतर है। खासकर डायबिटीज या ब्लड शुगर से जुड़ी समस्या वाले लोगों को अपनी व्यक्तिगत डाइट के अनुसार मात्रा तय करनी चाहिए।

भीगे बादाम, अखरोट और किशमिश को मिलाकर लिया जाए तो सुबह के आहार में अलग-अलग पोषक तत्व शामिल किए जा सकते हैं, लेकिन यह याद रखना जरूरी है कि कोई एक खाद्य पदार्थ संपूर्ण पोषण का विकल्प नहीं है।

सुबह उठते ही अकड़ जाती है कमर? इन वजहों से हो सकती है परेशानी, ऐसे पाएं राहत

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। सुबह बिस्तर से उठते ही अगर कमर सीधी करने में परेशानी हो या फिर झुकने पर खिंचाव महसूस हो, तो इसे सिर्फ थकान समझकर नजरअंदाज न करें। कमर का अकड़ना एक आम समस्या है, जो कई बार गलत तरीके से सोने, लंबे समय तक एक ही जगह बैठे रहने या ज्यादा मेहनत करने के बाद हो सकती है। हालांकि, अगर यह समस्या बार-बार हो रही है या लंबे समय तक बनी रहती है, तो इसके पीछे मांसपेशियों के अलावा रीढ़ से जुड़ी कोई परेशानी भी हो सकती है।

कमर अकड़ने की सबसे आम वजहों में लंबे समय तक बैठे रहना शामिल है। आजकल दफ्तर में लगातार कई घंटे कुर्सी पर बैठना या घर पर लंबे समय तक मोबाइल चलाना कमर की मांसपेशियों पर दबाव बढ़ा सकता है। जब शरीर लंबे समय तक एक ही स्थिति में रहता है, तो कमर और कूल्हों के आसपास की मांसपेशियां ठीक तरह से काम नहीं कर पातीं। इससे उठते समय अकड़न और खिंचाव महसूस हो सकता है।

गलत तरीके से बैठना भी इस परेशानी को बढ़ा सकता है। कुर्सी पर बैठते समय लगातार आगे की ओर झुकना, कमर को सहारा न देना या मोबाइल को नीचे रखकर लंबे समय तक देखना शरीर की सामान्य बनावट पर असर डालता है। इसी तरह बहुत देर तक खड़े रहना या अचानक भारी सामान उठाना भी कमर की मांसपेशियों में खिंचाव पैदा करता है। ऐसी स्थिति में अकड़न के साथ दर्द भी हो सकता है।

सोने का तरीका भी कमर की अकड़न से जुड़ा हो सकता है। अगर रातभर शरीर ऐसी स्थिति में रहा, जिसमें कमर और उसके आसपास की मांसपेशियों पर ज्यादा दबाव पड़ा, तो सुबह उठने पर अकड़न महसूस होती है। कई बार कम चलना-फिरना भी इसका कारण बनता है। जब शरीर की मांसपेशियां नियमित रूप से काम नहीं करतीं, तो इससे शरीर का लचीलापन और ताकत प्रभावित होते है।

ध्यान के लिए सबसे उत्तम है पद्मासन, जानिए इसके चमत्कारी फायदे और करने का सही तरीका

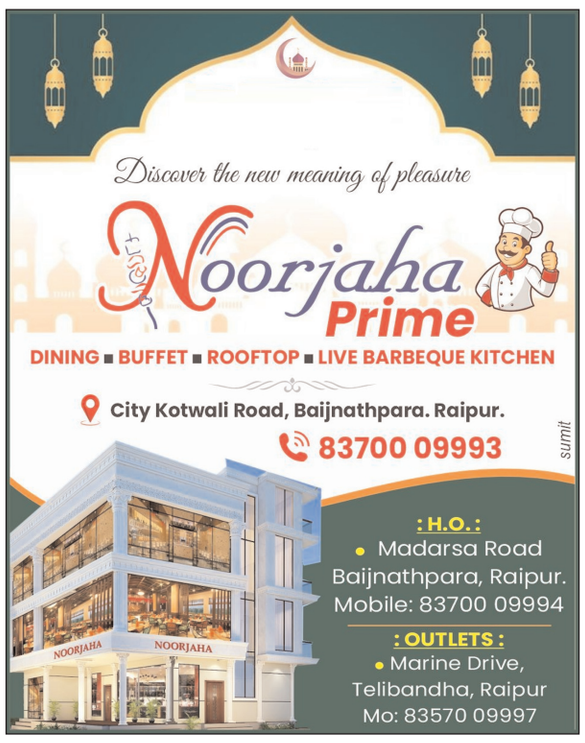
विश्व केसरी ■

नई दिल्ली, 22 सितंबर (आईएएनएस)। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में तनाव और मानसिक अशांति आम समस्या बन गई है। ऐसे में योग शरीर को स्वस्थ रखने के साथ मन को शांत करने में भी मदद करता है। पद्मासन योग का एक प्रमुख आसन माना जाता है, जिसे ध्यान और मानसिक एकाग्रता के लिए विशेष रूप से उपयोगी माना जाता है। इस आसन में बैठने से शरीर स्थिर रहता है और मन को शांत करने में मदद मिलती है।

इस आसन का नाम संस्कृत के दो शब्दों 'पद्म' यानी कमल और 'आसन' यानी बैठने की मुद्रा से मिलकर बना है। इस आसन में बैठने पर व्यक्ति की मुद्रा खिले हुए कमल के फूल जैसी प्रतीत होती है, इसलिए इसे पद्मासन कहा जाता है। ध्यान और प्राणायम के लिए इस आसन को बेहद आसान माना जाता है। प्राचीन काल से ही ऋषि-मुनि मन की एकाग्रता, शांति और आत्मिक ऊर्जा को बढ़ाने के लिए इसी आसन में बैठकर साधना करते थे। आज के तनावपूर्ण जीवन में भी यदि आप मानसिक शांति और शारीरिक स्थिरता चाहते हैं, तो पद्मासन का अभ्यास आपके लिए बेहद लाभकारी हो सकता है।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अनुसार, पद्मासन एक अत्यंत स्थिर, सुखदायक और आधारभूत ध्यानात्मक मुद्रा है। यह आसन मन को शांत करने, एकाग्रता बढ़ाने और आंतरिक ऊर्जा को जागृत करने में विशेष रूप से प्रभावी माना गया है।











'विकसित भारत 2047' के संकल्प में नौसेना रणनीतिक आधार स्तंभ : राजनाथ सिंह

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। नई दिल्ली में मंगलवार से भारतीय नौसेना की कमांडर्स कांफ्रेंस शुरू हुई। यहां नौसेना प्रमुख व नौसेना के कमांडर्स की मौजूदगी में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारतीय नौसेना की भूमिका और भविष्य की सुरक्षा तैयारियों पर जोर दिया। राजनाथ सिंह ने तैयारियों को लेकर स्पष्ट लक्ष्य की बात कही। उन्होंने कहा, 'हमारा लक्ष्य स्पष्ट है, हमारी तैयारियां उस संकट के बिंदु तक पहुंच जानी चाहिए, उससे पहले कि संकट खुद हमारे दरवाजे तक पहुंचे।'

उन्होंने कहा कि 'विकसित भारत 2047' के संकल्प को साकार करने में भारतीय नौसेना एक रणनीतिक आधार स्तंभ के रूप में काम कर रही है। रक्षा मंत्री ने कहा कि तेजी से बदलती तकनीक, अप्रत्याशित परिस्थितियों और भौगोलिक निकटता से पैदा होने वाली चुनौतियों के बीच देश को अपनी सुरक्षा तैयारियों के पारंपरिक तौर-तरीकों से आगे बढ़ना होगा। उन्होंने कहा, 'हमें 'सामान्य तरीके से काम करने' से आगे बढ़ना होगा और भू-सामरिक सोच तथा आकस्मिक परिस्थितियों की योजना को अपनी तैयारियों का अभिन्न हिस्सा बनाना होगा।'

गौरतलब है कि देश के समुद्री हितों की सुरक्षा में नौसेना की भूमिका लगातार मजबूत हुई है। खास तौर पर नौसेना ने जिस तरह समुद्री सुरक्षा और ऊर्जा से जुड़े हितों की रक्षा के लिए 'ऑपरेशन ऊर्जा सुरक्षा' चलाया है। इसने हिंद महासागर क्षेत्र और उससे आगे एक भरोसेमंद समुद्री सुरक्षा साझेदार के रूप में उसकी भूमिका को और मजबूत किया है। रक्षा मंत्री ने नई दिल्ली स्थित नौसेना भवन में आयोजित कमांडर्स कांफ्रेंस में 'ऑपरेशन ऊर्जा सुरक्षा' का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि एक बार फिर भारतीय नौसेना ने पेशेवर क्षमता और ऑपरेशनल तैयारियों को प्रदर्शित किया है।

उन्होंने कहा कि नौसेना हमारी ऊर्जा आपूर्ति की समुद्री लाइनों और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह तैयार है। रक्षामंत्री के मुताबिक हिंद महासागर क्षेत्र और उससे आगे भारतीय नौसेना की मौजूदगी भारत के 'महासागर' विजन को लगातार मजबूत कर रही है। सम्मेलन में एआई, बड़े आंकड़ों, स्वायत्त और बिना चालक वाली प्रणालियों, साइबर अभियानों, रसद, प्रशिक्षण और नई तकनीक को अपनाने से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। इसका उद्देश्य युद्ध के लिए तैयार, विश्वसनीय, एकजुट और भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार नौसेना को बनाए रखना है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि इन प्रयासों को संयुक्तता, आत्मनिर्भरता और नवाचार के सिद्धांतों से मार्गदर्शन मिलेगा। रक्षा मंत्री का यह संदेश नौसेना की तैयारियों में भविष्य की चुनौतियों को पहले से ध्यान में रखने की जरूरत को रेखांकित करता है। बदलती तकनीक और सुरक्षा परिस्थितियों के बीच संभावित संकटों के लिए पहले से योजना बनाना और उसके अनुरूप तैयार रहना महत्वपूर्ण है। भारतीय नौसेना का कमांडरों का सम्मेलन वरिष्ठ नौसेना नेतृत्व के लिए सैन्य-रणनीतिक स्तर पर तैयारियों की समीक्षा करने का महत्वपूर्ण मंच है।

सम्मेलन में नौसेना की परिचालन तैयारियों और बदलते सामरिक वातावरण से जुड़ी चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया जा रहा है। वहीं राजनाथ सिंह के संदेश का मुख्य फोकस इस बात पर रहा कि कोई भी संकट आने के बाद प्रतिक्रिया देने के बजाय उससे पहले ही आवश्यक तैयारियां पूरी होनी चाहिए। इसके लिए भू-सामरिक सोच और आकस्मिक परिस्थितियों की योजना को

एमबीबीएस की सीट बढ़ने से छात्रों को मिलेंगे अधिक विकल्प: केंद्रीय शिक्षा मंत्री

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। वर्तमान में नीट यूजी की काउंसलिंग व एडमिशन प्रक्रिया चल रही है। ऐसे में एमबीबीएस की अतिरिक्त सीटों के जुड़ने से उन छात्रों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है जो प्रवेश प्रक्रिया के अगले चरणों में बेहतर विकल्पों की तलाश कर रहे थे।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने मंगलवार को चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में बड़ी बढ़ोतरी की जानकारी देते हुए बताया कि अकेले कर्नाटक में ही 1,650 नई एमबीबीएस सीटों को मंजूरी मिली है। इसके बाद राज्य में एमबीबीएस की कुल सीटों की संख्या बढ़कर 15,745 हो गई है। वहीं देशभर में 13,186 नई एमबीबीएस सीटों के साथ एमबीबीएस की कुल सीटों की संख्या बढ़कर 1,40,214 हो गई है। ये सीटें देश के 836 चिकित्सा महाविद्यालयों में उपलब्ध होंगी।

प्रह्लाद जोशी ने इसे भारत के चिकित्सा शिक्षा तंत्र के लिए महत्वपूर्ण बढ़ावा बताया। उन्होंने कहा कि एमबीबीएस की सीटों में यह वृद्धि देश के युवाओं के लिए चिकित्सा शिक्षा के अवसरों का विस्तार करेगी और स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था को मजबूत बनाने में मदद करेगी। प्रह्लाद जोशी ने कहा कि देश में चिकित्सा शिक्षा के अवसरों का लगातार विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि देश यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में युवाओं के लिए अधिक अवसर उपलब्ध कराने का प्रयास है। साथ ही एक मजबूत स्वास्थ्य सेवा तंत्र तैयार करने की दिशा में इसे एक और कदम है।

बता दें कि एमबीबीएस सीटों में वृद्धि से देश में डॉक्टर तैयार करने की क्षमता बढ़ेगी। साथ ही, चिकित्सा शिक्षा के बुनियादी ढांचे के विस्तार और स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए प्रशिक्षित मानव संसाधन उपलब्ध कराने में भी इसका महत्व है। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए हुए इस बड़े बदलाव से देश के नीट अभ्यर्थियों के लिए डॉक्टर बनने का सपना पूरा करना और अधिक सुलभ हो गया है।

कर्नाटक के अलावा तमिलनाडु, बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में भी बड़ी संख्या में नए विकल्प जुड़े हैं, जिससे क्षेत्रीय संतुलन को भी बढ़ावा मिला है। युवाओं के लिए नए अवसर और मजबूत स्वास्थ्य ढांचा केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने इस उपलब्धि को रेखांकित करते हुए कहा कि भारत का मेडिकल एजुकेशन इकोसिस्टम लगातार मजबूत हो रहा है।

'देश में जो चुनाव हो रहे हैं, वो निष्पक्ष नहीं हैं', जयराम रमेश का दावा

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की मंगलवार को हुई बैठक के बाद पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने प्रेस वार्ता कर दावा किया कि देश में हो रहे चुनाव निष्पक्ष नहीं हैं।

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा कि लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने सीडब्ल्यूसी की मीटिंग में प्रमुख मुद्दों को उठाया। 'वोट चोरी' जैसे खुलासे कांग्रेस पार्टी के कारण हो रहे हैं। राहुल गांधी पिछले दो साल से 'वोट चोरी' का मुद्दा उठा रहे हैं। कर्नाटक के महादेवपुरा का चुनाव, हरियाणा और महाराष्ट्र चुनाव को लेकर उन्होंने सारी जानकारी जनता के सामने रखी। हमारे देश में जो चुनाव हो रहे हैं, वो निष्पक्ष नहीं हैं। यह सरकार और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के बीच मैच फिक्सिंग वाला चुनाव है। 'वोट चोरी' की सरकार द्वारा जो कानून पारित किए गए और अधिनियम बनाए गए हैं, वो सभी गैरकानूनी हैं।

जयराम रमेश ने आगे कहा कि बैठक में राहुल गांधी ने ये भी कहा है कि कांग्रेस पार्टी की राजनीति सिर्फ विरोध की नहीं, बल्कि प्रतिरोध की भी है। संसद के भीतर हम विरोध करते हैं, सड़कों पर प्रतिरोध करते हैं, और हम आगे भी ये करते रहेंगे।

कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि सोमवार को हमारे कार्यकर्ताओं ने देशभर के 800 जिलों में जबरदस्त विरोध-प्रदर्शन किया। हमारा आंदोलन बहुत जोरदार था। हमारे सभी वरिष्ठ नेता, डीसीसी अध्यक्ष और देश भर के अन्य नेता सड़कों पर उतरे थे। रिपोर्ट और आंकड़ों से पता चलता है कि एसआईआर के दौरान वोटर लिस्ट से 13 करोड़ से ज्यादा वोट हटा दिए गए हैं। हम जमीनी स्तर पर इन वोटरों तक पहुंचेंगे। इसलिए, हम इसके लिए एक अच्छी तरह से तैयार किया गया अभियान चलाएंगे।

उन्होंने सीडब्ल्यूसी की बैठक के बारे में कहा कि राहुल गांधी ने हमें 1930 के लाहौर कांग्रेस अधिवेशन की याद दिलाई। उस समय, जब अंग्रेजों ने इंडियन नेशनल कांग्रेस को प्रांतीय स्वायत्तता देने से भी इनकार कर दिया था, तो हमने 'पूर्ण स्वराज' के लिए आंदोलन शुरू करने का फैसला किया था।

चलती कार से वर्चुअल सुनवाई में शामिल हुए वकील, 1 लाख रुपए का लगा जुर्माना

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने एक वकील पर वर्चुअल सुनवाई के दौरान चलती कार से पेश होने पर एक लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। अदालत ने कहा कि वर्चुअल सुनवाई की सुविधा का मतलब यह नहीं है कि अदालत की गरिमा और अनुशासन से समझौता किया जाए या न्यायिक कार्यवाही में बाधा पहुंचे। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि ऑनलाइन सुनवाई की सुविधा केवल पक्षकारों और वकीलों की सहूलियत के लिए है, लेकिन इसका उपयोग इस तरह नहीं किया जा सकता जिससे अदालत की कार्यवाही की गंभीरता और मर्यादा प्रभावित हो।

जस्टिस ओम प्रकाश शुक्ला की सिंगल जज बेंच ने यह जुर्माना उस वकील पर लगाया जो 'डिक्री होल्डर' (फैसले से लाभ पाने वाले पक्ष) की ओर से पेश हुए थे। यह मामला साउथ इंडियन बैंक लिमिटेड और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) के खिलाफ दायर दो जुड़ी हुई 'एनफोर्समेंट याचिकाओं' (फैसला लागू कराने की याचिकाओं) से जुड़ा था।

शुरुआत में ही बेंच ने देखा कि डिक्री होल्डर्स की ओर से पेश वकील नचिकेता गोयल कार्यवाही में चलती कार से शामिल हो रहे थे।

हाईकोर्ट ने कहा, 'यह कोर्ट वर्चुअल सुनवाई से मिलने वाली सुविधा की सराहना करता है, लेकिन ऐसी सुविधा कोर्ट की मर्यादा की कीमत पर नहीं मिल सकती और न ही इससे न्यायिक कार्यवाही के संचालन में कोई बाधा आनी चाहिए।'

हाईकोर्ट ने कहा, 'जब इस कोर्ट को एक दिन में 70 से ज्यादा मामलों को देखना होता है तो सुनवाई के दौरान बैकग्राउंड का शोर और हलचल कोर्ट के काम-काज में बाधा डालती है।'

सुरक्षा देने में नाकाम सरकार बेटियों की आजादी पर लगा रही पाबंदी: अरविंद केजरीवाल

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में महिलाओं और छात्राओं की सुरक्षा को लेकर सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि सरकार सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के बजाय लड़कियों को शाम के बाद घर से बाहर नहीं निकलने की सलाह दे रही है।

केजरीवाल ने कहा कि महिलाओं की आवाजाही पर पाबंदी लगाने के बजाय सरकार की जिम्मेदारी है कि वह राजधानी में ऐसा सुरक्षा तंत्र तैयार करे, जिसमें महिलाएं और छात्राएं बिना डर के कहीं भी आ-जा सकें। उन्होंने कहा कि आस्था कुंज पार्क में नाबालिग से कथित सामूहिक दुष्कर्म की घटना के बाद छात्राओं में आक्रोश है और वे अपनी सुरक्षा की मांग कर रही हैं। इस घटना के बाद दिल्ली के कई हिस्सों में छात्राओं और महिला संगठनों की ओर से सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग उठी है। उन्होंने कहा कि छात्राओं की सुरक्षा को लेकर सरकार को ठोस कदम उठाने चाहिए। उनके अनुसार, ऑनलाइन कक्षाएं शुरू करना या लड़कियों को शाम और रात में बाहर नहीं निकलने की सलाह देना समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। उन्होंने सवाल उठाया कि सुरक्षा की जिम्मेदारी सरकार की है तो फिर पाबंदियां महिलाओं पर ही क्यों लगाई जा रही हैं।

उन्होंने दावा किया कि आम आदमी पार्टी की सरकार के दौरान दिल्ली में 2.62 लाख सीसीटीवी कैमरे और 2.80 लाख स्ट्रीट लाइट लगाई गई थीं। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि इनमें से आधे से ज्यादा कैमरे और स्ट्रीट लाइट वर्तमान में काम नहीं कर रहे हैं।

नई दिल्ली : 18 मामलों में वांछित अपराधी गिरफ्तार

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। नई दिल्ली जिला पुलिस ने फरार अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। कनॉट प्लेस पुलिस स्टेशन की टीम ने लगातार तलाशी और निगरानी अभियान के बाद 18 आपराधिक मामलों में वांछित घोषित अपराधी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा (आईपीएस) ने बताया कि आरोपी को न्यायालय ने 21 नवंबर 2025 के आदेश के तहत घोषित अपराधी करार दिया था। यह आदेश एफआईआर नंबर 6780/2024 के संबंध में था, जो लक्ष्मी नगर पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई थी। आरोपी लंबे समय से चोरी और झपटमारी के मामलों में फरार चल रहा था और गिरफ्तारी से बच रहा था।

डीसीपी ने बताया कि फरार आरोपी का पता लगाने के लिए पुलिस टीम ने बारीकी से जांच-पड़ताल, फील्ड इंटेलिजेंस और बड़े पैमाने पर निगरानी की। दिल्ली-एनसीआर में कई संभावित ठिकानों पर छापेमारी की गई। लगातार कोशिशों और आपसी तालमेल के बाद टीम ने 26 सितंबर 2026 को आरोपी को पकड़ने में सफलता हासिल की।

पकड़े गए आरोपी की पहचान नितिन उर्फ टोटला के रूप में हुई है। आरोपी के पिता का नाम रविकांत है और वह नबी करीम, दिल्ली का रहने वाला है। उसकी उम्र 25 साल बताई जा रही है। जांच में खुलासा हुआ है कि आरोपी दिल्ली के अलग-अलग पुलिस स्टेशनों में दर्ज 18 आपराधिक मामलों में शामिल है। ये मामले आईपीसी/बीएनएस और अन्य लागू कानूनों की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज हैं। आरोपी जिन थानों के मामलों में वांछित था उनमें पहाड़गंज, डीबीजी रोड, प्रसाद नगर, मंदिर मार्ग, गुलाबी बाग, नबी करीम, राजिंदर नगर, रंजीत नगर, सदर बाजार और मोती नगर थाने शामिल हैं। ज्यादातर मामले चोरी और झपटमारी से जुड़े हुए हैं।

यह ऑपरेशन कनॉट प्लेस थाने की टीम द्वारा सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया। इस टीम में हेड कांस्टेबल रामपाल समोता (1314/एनडी), हेड कांस्टेबल नौरंग (743/एनडी) और हेड कांस्टेबल हरि सिंह (2366/एनडी) शामिल थे, जिन्होंने सीनियर अधिकारियों और एसएचओ कनॉट प्लेस की देखरेख में यह कार्रवाई की।

पुलिस ने बताया कि फरार अपराधियों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

एफसीआरए बिल: जेपीसी सदस्यों ने 12 अक्टूबर की बैठक टालने और चार सप्ताह का अतिरिक्त समय देने की मांग की

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। फॉरेन कंट्रीब्यूशन रेगुलेशन अमेंडमेंट बिल (एफसीआरए बिल) पर बनी संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के सदस्यों ने चेयरमैन संजय जायसवाल को पत्र लिखकर 12 अक्टूबर को होने वाली बैठक को टालने का अनुरोध किया है।

29 सितंबर के एक पत्र में कांग्रेस सांसद एंटो एंटनी समेत सदस्यों ने प्रस्तावित विदेशी अंशदान विनियमन (संशोधन) अधिनियम (एफसीआरएए) के महत्व और इसके व्यापक असर का हवाला देते हुए बैठक को कम से कम चार हफ्ते के लिए टालने की मांग की।

सदस्यों का कहना है कि बिल की जांच-पड़ताल शुरू करने से पहले उन्हें बिल और उससे जुड़े दस्तावेजों का अच्छी तरह से अध्ययन करने के लिए पर्याप्त समय चाहिए। उन्होंने यह भी अनुरोध किया कि स्टेकहोल्डर्स से सार्वजनिक टिप्पणियां, सुझाव और विचार प्राप्त करने की अवधि कम से कम चार सप्ताह तक खुली रखी जाए, ताकि संगठन, विशेषज्ञ और आम जनता अपनी राय दे सकें।

पत्र में कहा गया है कि पर्याप्त समय मिलने से सदस्य बिल पर विचार-विमर्श करने से पहले प्राप्त विचारों पर ठीक से गौर कर सकेंगे। साथ ही इसमें कानून की अधिक व्यापक और जानकारीपूर्ण समीक्षा की मांग की गई।

रिपोर्ट तैयार करने से पहले एफसीआरए कानून के प्रावधानों की विस्तार से समीक्षा करने के लिए भाजपा सांसद जायसवाल की अध्यक्षता में 31 सदस्यों की एक समिति गठित की गई थी।

विदेशी अंशदान (विनियमन) विधेयक, 2006 (एफसीआरए) का उद्देश्य विदेशी अंशदान या विदेशी आतिथ्य (फॉरेन हॉस्पिटैलिटी) की प्राप्ति और उसके उपयोग को विनियमित करने संबंधी कानून को समेकित करना है। साथ ही, राष्ट्रीय हितों के प्रतिकूल किसी भी गतिविधि के लिए ऐसे विदेशी अंशदान या आतिथ्य को प्रतिबंधित करना भी इसका उद्देश्य है।

युवा मतदाताओं के नाम जोड़ने के लिए दो दिवसीय विशेष कैंप शुरू

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) ने जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) 2026 के तहत मंगलवार को राजधानी के कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों में दो दिवसीय विशेष कैंप शुरू किया। इस अभियान का उद्देश्य 18 से 25 वर्ष आयु वर्ग के पात्र युवाओं को मतदाता सूची में शामिल करना है।

इन विशेष कैंपों में बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) मौजूद रहे। अधिकारियों ने युवाओं को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने की प्रक्रिया की जानकारी देने के साथ ही उन्हें फॉर्म-6 उपलब्ध कराया और आवेदन भरने में सहायता की।

वे युवा, जो 1 अक्टूबर 2026 तक 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके हैं या करने वाले हैं और जिनका नाम ड्राफ्ट मतदाता सूची में शामिल नहीं है, इन कैंपों के दौरान आवश्यक दस्तावेजों के साथ फॉर्म-6 जमा कर सकते हैं। यह विशेष अभियान बुधवार को भी जारी रहेगा।

दिल्ली सीईओ कार्यालय ने सोशल मीडिया पर अलग-अलग जिलों में आयोजित इन कैंपों की तस्वीरें भी साझा कीं। कार्यालय ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि उत्तर-पूर्वी दिल्ली जिले के श्याम लाल कॉलेज में एसआईआर 2026 के तहत युवा मतदाताओं के लिए विशेष कैंप आयोजित किया गया।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415